महानगर नई दिल्ली मंगलवार 7 अप्रैल, 2020, रु. 5.00 (10 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com | epaper.jansatta.com | facebook.com/jansatta | twitter.com/jansatta

कोरोना के खिलाफ लड़ाई : राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और राज्यपालों ने भी लिया कटौती का फैसला

30 फीसद कम वेतन लेंगे प्रधानमंत्री, सांसद

चौबीस घंटे में 28 लोगों की मौत, 704 नए मामले

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनके मंत्रिपरिषद के सदस्य और सभी सांसद कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में अपना योगदान देते हुए अगले एक साल तक 30 फीसद कम वेतन लेंगे। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सोमवार को इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने यह जानकारी दी और बताया कि राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, और विभिन्न राज्यों के राज्यपालों ने भी अपने वेतन में कटौती का निर्णय लिया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने यह फैसला भी किया कि सांसद निधि को दो साल के लिए निलंबित किया जाएगा।

जावडेकर के मुताबिक, इसकी पेशकश प्रधानमंत्री, मंत्रियों और सांसदों ने कोरोना संकट के मद्देनजर खुद की थी। इसके आधार पर ही मंत्रिमंडल ने इस आशय के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने बताया कि सांसदों के वेतन में 30 फीसद की कटौती के संदर्भ में अध्यादेश को मंजूरी दी गई। यह कटौती 1 अप्रैल, 2020 से लागू होगी। जावडेकर ने कहा कि प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों ने खुद अपने सामाजिक उत्तरदायित्व की पेशकश की थी। सांसदों के वेतन, भत्ते और पेंशन से जुड़ा कानून बना हुआ है, इसलिए अध्यादेश का निर्णय हुआ और संसद के आगामी सत्र के दौरान कानून में संशोधन वाले इस अध्यादेश पर संसद की मंजूरी ली जाएगी।

मंत्रिमंडल और मंत्रिपरिषद की बैठक वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हुई। जावडेकर ने कहा, 'केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश भर में कोविड-19 के प्रभाव को कम करने और स्वास्थ्य प्रबंधन को मजबूत करने के लिए 2020-21 और 2021-22 के दौरान सांसद निधि के अस्थायी निलंबन को मंजूरी दी।' उन्होंने बताया कि कल्याणकारी कार्यों की शुरुआत बाकी पेज 8 पर

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी।
सांसद निधि पर दो साल के लिए रोक।

देश में कोरोना संक्रमण

संक्रमण आयु वर्ग

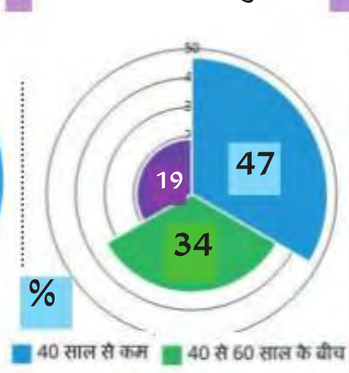

मृत्यु के मामले

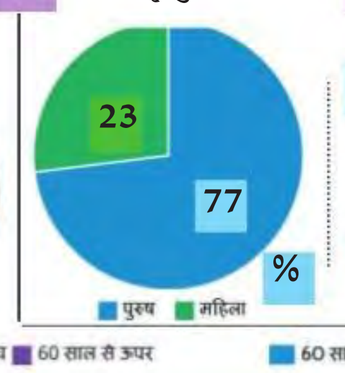

मृत्यु आयु वर्ग

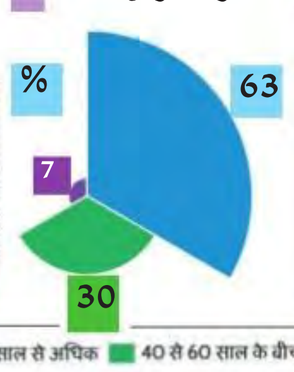

95 जिलों में 10 या उससे अधिक मामले

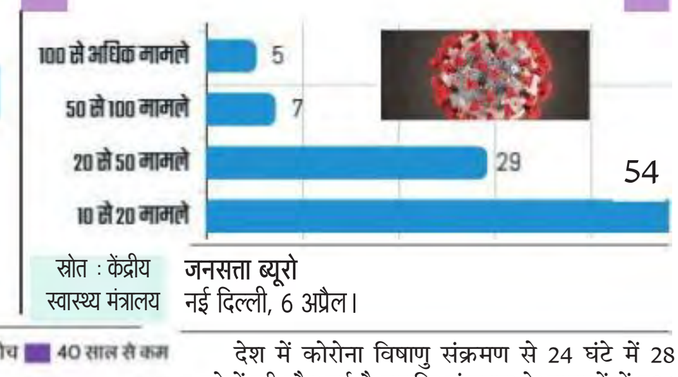

स्रोत : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

देश में कोरोना विषाणु संक्रमण से 24 घंटे में 28 लोगों की मौत हुई है जबकि संक्रमण के मामलों में 704 की बढ़ोतरी हुई है। सोमवार शाम तक मृतकों की संख्या 111 और कुल संक्रमित लोगों की संख्या 4,281 पहुंच गई जिनमें 66 विदेशी शामिल हैं। देश में 3,851 लोगों का इलाज जारी है जबकि 318 लोग ठीक होकर घर जा चुके हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार शाम छह बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक चौबीस घंटे में 28 लोगों की मौत की पुष्टि हुई जिनमें महाराष्ट्र की 21, तमिलनाडु की दो, आंध्र प्रदेश की दो, गुजरात की एक, उत्तर प्रदेश की एक और पंजाब की एक मौत शामिल है। अब तक सबसे ज्यादा मौत महाराष्ट्र बाकी पेज 8 पर

भारत में संक्रमितों की संख्या
रविवार : 3,577
सोमवार : 4,281
महाराष्ट्र में एक दिन में 21 लोगों की मौत की पुष्टि।
3,851 का इलाज जारी, 318 लोग ठीक होकर घर गए।

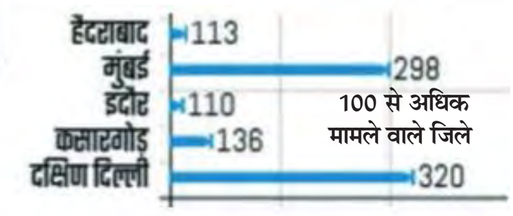

'कोरोना मुक्त इलाकों को खोलने की श्रेणीबद्ध योजना'

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में पूर्णबंदी को चरणबद्ध तरीके से खोले जाने का संकेत देते हुए सोमवार को केंद्रीय मंत्रियों से कहा कि उन इलाकों में विभागों को खोलने की श्रेणीबद्ध योजना तैयार करें, जहां कोरोना महामारी का असर नहीं हैं। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही।

बैठक के बाद जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 के प्रभाव का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार को इस असर को कम करने के लिए युद्धस्तर पर काम करना होगा। मंत्रियों को कामकाज जारी रखने की योजना बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है कि पीडीएस केंद्रों पर भीड़ न हो, प्रभावकारी निगरानी बनी रहे, शिकायतों पर ठोस कार्रवाई हो और जरूरी वस्तुओं की कालाबाजारी व उनकी कीमतों में वृद्धि को रोका जा सके।

13 दिन

मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना' के लाभ निर्बाध बाकी पेज 8 पर

'पीएम केयर्स' में सहयोग के लिए 40 लोगों को प्रेरित करें

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना महामारी के खिलाफ भारत के प्रयासों को दुनिया के लिए उदाहरण करार देते हुए सोमवार को कहा कि प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता 'पीएम केयर्स' कोष में खुद भी सहयोग करे और 40 लोगों को इसके लिए प्रोत्साहित करे।

भाजपा के 40वें स्थापना दिवस के मौके पर मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और उनसे यह अपील की कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कोरोना के खिलाफ लोगों की मदद से जुड़े जो निर्देश दिए हैं, वो उनका पालन करें। मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से 'पंच-आग्रह' करते हुए कहा कि वे गरीबों को राशन प्रदान करें, फेस कवर जरूर पहनें और लोगों को वितरित भी करें, सेवा करने वालों का आभार व्यक्त करें, आरोग्य सेतु ऐप का उपयोग करें और करवाएं तथा पीएम केयर्स फंड में सहयोग करें और 40 अन्य लोगों को भी इसके बाकी पेज 8 पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील
मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से 'पंच-आग्रह' करते हुए कहा कि वे गरीबों को राशन प्रदान करें, फेस कवर जरूर पहनें और लोगों को वितरित भी करें।

हरियाणा के पांच गांव सील

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

देश के विभिन्न हिस्सों में अभी तक तबलीगी जमात के 25,500 से ज्यादा सदस्यों और उनके संपर्क में आए लोगों को एकांतवास में रखा गया है।

गृह मंत्रालय की संयुक्त सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने बताया कि हरियाणा के पांच गांवों को सील कर दिया गया है और सदस्यों को पृथक वास में रखा गया है, क्योंकि तबलीगी जमात के सदस्य वहां ठहरे थे। श्रीवास्तव बाकी पेज 8 पर

तबलीगी जमाल के 25,500 से ज्यादा सदस्य पृथक वास में रखे गए : गृह मंत्रालय

पुलिस चौकी को 500 लोगों ने घेरा

बरेली, 6 अप्रैल (जनसत्ता)।

पूर्णबंदी का पालन कराने के लिए पुलिस की सख्ती के विरोध में शहर के सीमावर्ती गांव करमपुर चौधरी से आई करीब 500 लोगों की भीड़ ने पुलिस चौकी को घेर लिया। भीड़ के मंसूबे खासे आक्रामक थे।

हमलावर भीड़ की सूचना मिलने पर नगर पुलिस अधीक्षक रवींद्र कुमार और क्षेत्राधिकारी (तृतीय) अभिषेक वर्मा कई थानों की पुलिस के साथ मौके पर बाकी पेज 8 पर

मुसलमानों के सहयोग को सराहा जाए : मनमोहन वैद्य

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सह-सरकार्यवाह मनमोहन वैद्य ने दिल्ली स्थित निजामुद्दीन मरकज के कार्यक्रम से जुड़े कोविड-19 के मामलों की संख्या का हवाला देते हुए सोमवार को कहा कि आंकड़े सच बोलते हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि बाकी पेज 8 पर

भाजपा की महिला नेता का गोली दागता वीडियो वायरल

बलरामपुर, 6 अप्रैल (भाषा)।

बलरामपुर जिले में भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा की अध्यक्ष का हर्ष फायरिंग करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने सोमवार को इस संबंध में मुकदमा दर्ज किया।

अपर पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्र ने सोमवार को बताया कि रविवार रात भाजपा की महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष मंजू तिवारी का हर्ष फायरिंग करते हुए वीडियो वायरल हुआ बाकी पेज 8 पर

पाक ने गुरुद्वारा पंजा साहिब में बैसाखी कार्यक्रम को रद्द किया

लाहौर, 6 अप्रैल (भाषा)।

पाकिस्तानी अधिकारियों ने कोरोना विषाणु के मद्देनजर पंजाब प्रांत के गुरुद्वारा पंजा साहिब में 14 अप्रैल से आयोजित होने वाले बैसाखी उत्सव को रद्द कर दिया है। इस उत्सव में भारत से 2,000 सिख शामिल होने वाले थे। मीडिया में आई खबरों में सोमवार को यह जानकारी दी गई।

पाकिस्तान में कोरोना विषाणु के मामलों की संख्या सोमवार को बढ़कर 3,277 तक पहुंच गई और पंजाब प्रांत इससे सबसे बुरी तरह प्रभावित हैं जहां अब तक करीब 1,500 मामले सामने आ चुके हैं। डान न्यूज की खबर के मुताबिक पंजाब प्रांत के हसन अब्दाल शहर में स्थित पवित्र गुरुद्वारे में बैसाखी कार्यक्रम का आयोजन होना था। इसमें कहा गया कि अब उस दिन सिर्फ एक प्रतीकात्मक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

खबर में कहा गया कि निष्क्रांत संपत्ति न्यास बोर्ड (ईटीपीबी) के धर्मस्थल उप सचिव, इमरान बाकी पेज 8 पर

पंजा साहिब में 14 अप्रैल से आयोजित होने वाले बैसाखी उत्सव को रद्द कर दिया है। इस उत्सव में भारत से 2,000 सिख शामिल होने वाले थे।

चेतावनी अमेरिका में बाघिन के संक्रमण से भारत में भी बढ़ी चिंता

घर-घर को डराने वाला कोरोना चिड़ियाघर में

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिका के एक चिड़ियाघर में एक बाघिन के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि के बाद केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) ने सोमवार को देश के सभी चिड़ियाघरों से हाइअलर्ट पर रहने और संदिग्ध मामलों में नमूने लेने के लिए कहा है।

सीजेडए के सदस्य सचिव एसपी यादव ने राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों को लिखे गए एक पत्र में कहा, 'अमेरिका के कृषि विभाग की राष्ट्रीय पशु चिकित्सा सेवा प्रयोगशाला ने न्यूयार्क के ब्रोंक्स चिड़ियाघर में एक बाघिन के कोविड-19 से संक्रमित होने की पुष्टि की है।' पत्र में कहा गया है, 'इसलिए बाकी पेज 8 पर

सरकार ने जारी किया परामर्श

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि देश में कोरोना संक्रमण और एक बाघ के संक्रमित होने की बाकी पेज 8 पर

देश के सभी चिड़ियाघरों की सतर्कता बढ़ाने की सलाह।
न्यूयॉर्क के ब्रोंक्स चिड़ियाघर में चार साल की एक बाघिन कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई है। उसका नाम नादिया है और अमेरिका में जानवर में कोविड-19 संक्रमण का ज्ञात यह पहला मामला है।
केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) ने देश के सभी चिड़ियाघरों से हाइअलर्ट पर रहने और संदिग्ध मामलों में नमूने लेने के लिए कहा है।

पटना में राजेंद्रनगर के कोचिंग काम्पलैक्स में पृथक केंद्र बनाए गए रेल के एक डिब्बे का सोमवार को मुआयना करता कर्मचारी।

इंदौर की टाटपट्टी बाखल में कोरोना संक्रमण के छह नए मरीज मिले

इंदौर, 6 अप्रैल (भाषा)।

इंदौर के टाटपट्टी बाखल इलाके में कोरोना वायरस संक्रमण के छह नये मरीज मिले हैं। यह वही इलाका है जहां इस महामारी की रोकथाम के लिए गए स्वास्थ्य कर्मियों के दल पर पांच दिन पहले पथराव किया गया था।

शासकीय महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि टाटपट्टी बाखल इलाके में कोरोना के छह नए मरीजों में एक ही परिवार के पांच लोग शामिल हैं। इस बीच, पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारियों ने टाटपट्टी बाखल इलाके का दौरा किया। दौरे के बाद जिलाधिकारी मनीष सिंह ने बताया, 'टाटपट्टी बाखल की एक ही गली में कोरोना संक्रमण के कई मामले सामने आए हैं। इस गली के करीब 400 मीटर के क्षेत्र में लोगों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।'

उन्होंने बताया, 'इस गली के लोगों की सेहत की अगले कुछ दिनों तक नियमित जांच की जाएगी। हम लोगों को कोविड-19 के खिलाफ जागरूक कर रहे हैं और उन्हें सही तरीके से इस महामारी का इलाज कराने की बात समझा रहे हैं।' सिंह ने बताया कि नए मरीज मिलने के बाद टाटपट्टी बाखल इलाके के करीब 70 लोगों को पृथक केंद्र में भेजा गया है। इनमें मरीजों के परिजन और उनके संपर्क में आए लोग शामिल हैं।

जिलाधिकारी ने बताया, 'हमें पता चला है कि पिछले दिनों एक जनाजे में टाटपट्टी बाखल के कई लोग शामिल हुए थे जिसके बाद क्षेत्र में कोरोना संक्रमण फैल गया।' अधिकारियों ने बताया कि टाटपट्टी बाखल में बुधवार को पथराव की घटना में दो महिला डॉक्टरों के पैरों में चोटें आईं थीं। दोनों महिला डॉक्टर कोरोना विषाणु के खिलाफ अभियान चला रहे स्वास्थ्य विभाग के पांच सदस्यीय दल में शामिल थीं। यह दल कोरोना वायरस संक्रमण के एक मरीज के संपर्क में आये लोगों को ढूंढने गया था।

जरूरतमंदों को भोजन मुहैया कराएं : नड्डा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से सोमवार को अपील की कि वे पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर बंदी के दौरान परेशानियां झेल रहे लोगों के प्रति सहानूभुति व्यक्त करने के लिए एक समय के भोजन का त्याग करें। कोरोना विषाणु संकट की वजह से देश में 21 दिन की पूर्ण बंदी चल रही है।

भाजपा के 40वें स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की अपील

भाजपा के 40वें स्थापना दिवस पर नड्डा ने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे जरूरतमंदों को भोजन के पैकेट मुहैया कराएं, घर में बने मास्क वितरित करें और आपात सेवाओं में कार्यरत कर्मियों के प्रति आभार प्रकट करने के लिए लोगों से हस्ताक्षर कराएं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को सामाजिक दूरी का पालन करना चाहिए। भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि सभी भाजपा कार्यकर्ता पार्टी के स्थापना दिवस पर एक समय के भोजन का त्याग कर बंद के दौरान समस्याएं झेल रहे लोगों के साथ अपनी सहानुभूति व्यक्त करें और पार्टी के देशव्यापी महाभियान 'फीड द नीडी' (जरूरतमंद को भोजन कराएं) के तहत खाद्य सामग्री के पैकेट का वितरण जरूरतमंद लोगों के बीच किया जाए।

उन्होंने कहा कि अगले एक सप्ताह ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिसके अंतर्गत हमारे बूथ के हर व्यक्ति को हम घर पर निर्मित दो मास्क दे सकें। नड्डा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता कम से कम 40 लोगों को पीएम केयर्स फंड में 100 रुपए का दान देने के लिए प्रोत्साहित करें।

नड्डा ने कार्यकर्ताओं से कोरोना महामारी के कारण पैदा हुई संकट की इस घड़ी में सेवा, स्वच्छता, सहयोग और समर्पण को अपना संस्कार बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 40वें स्थापना दिवस के अवसर पर हमें हर बूथ के 40 घरों से संपर्क करके पांच धन्यवाद पत्रों पर उनके हस्ताक्षर लेने हैं। ये पत्र पुलिस, डॉक्टर/नर्स, सफाई कर्मचारी, बैंक/डाक घर कर्मचारी और सेवा में लगे सरकारी कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए होंगें।

'देशबंदी में देश ने बिना राजनीति और धर्म के जीना सीखा'

बंगलुरु, 6 अप्रैल (भाषा)।

जानेमाने वैज्ञानिक जी माधवन नायर ने कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए देशभर में लागू देशबंदी पर कहा, 'देश बिना राजनीति और धर्म के जीना सीखा गया है।' भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, 'यह महान उपलब्धि है।' उन्होंने कहा कि हर चुनाव के बाद ऐसा माहौल रहना चाहिए जहां सभी राजनीतिक गतिविधियां पार्श्व में चली जाएं और सभी राष्ट्रनिर्माण पर ध्यान दें।

नायर ने कोरोना विषाणु के प्रकोप पर कहा, 'दरअसल, धरती पर ऐसे कई विषाणु गुप्त पड़े रहते हैं और जब उनके अनुकूल परिस्थितियां बनती हैं तो वे पनपने लगते हैं। अगर आप पिछली तीन सदियों या उससे पहले तक देखें तो हर सौ साल में एक बार कोई न कोई ऐसा प्रकोप आता है। इसलिए यह एक स्वाभाविक घटनाक्रम है।'

उन्होंने कहा कि भारतीयों ने अपनी एकता प्रदर्शित की है और कोरोना विषाणु को फैलने से रोकने में बिना जाति, वर्ण और राजनीतिक रंग के मिलकर खड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र-निर्माण में इसी तरह के प्रयास होने चाहिए।

नायर ने कहा कि विषाणु को फैलने से रोकने के लिए नौकरशाही व्यापक तौर पर कई कदम उठा रही है और इसी भावना को बनाकर रखना होगा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 राहत पैकेज जनता तक पहुंचाने के मामले में भारत में बिचौलियों को हटाने में सफलता मिली है।

कोरोना का वेश धर कर फैला रहे जागरूकता

रायपुर, 6 अप्रैल (भाषा)।

छत्तीगसढ़ के रायगढ़ जिले में कोरोना वायरस से बचाव को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए पुलिस ने अनोखा तरीका अपनाया है। पुलिस के जवान वायरस का वेश धारण कर लोगों से लॉकडाउन का पालन करवा रहे हैं।

रायगढ़ शहर की सड़कों पर इन दिनों वायरस का वेश धारण किए पुलिसकर्मियों को अक्सर देखा जा सकता है। वायरस का वेश धारण किए ये लोग सड़कों पर घूमते लोगों को रोकते हैं और कहते हैं, 'मैं कोरोना हूं। मैंने पिछले लगभग एक माह में लाखों लोगों को बीमार किया है और हजारों की जान ली है। सड़कों पर निकलोगे तब मुझे अपने साथ घर लेकर जाओगे।' वे कोरोना वायरस के लक्षण और बचाव के तरीके भी बताते हैं।

रायगढ़ जिले के पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने बताया कि बंद का पालन कराने और लोगों को कोरोना वायरस के प्रति जागरूक करने के लिए पुलिस विभाग ने यह तरीका अपनाया है। सिंह ने बताया कि वायरस से बचाव के लिए लोगों से बंद का पालन कराना महत्वपूर्ण है। कुछ लोग जरूरी कार्य से बाहर निकलते हैं लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जो लापरवाही करते हुए अकारण बाहर घूम रहे हैं। ऐसे लोगों को समझाने के लिए पुलिस ने यह तरीका अपनाया है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कोरोना वायरस के वेश में पुलिस के दो जवान बंद का पालन नहीं करने वाले और अकारण बाहर घूम रहे लोगों को शहर में घूम-घूम कर संदेश दे रहे हैं कि कोरोना आपसे और आपके घर से तब तक दूर रहेगा जब तक आप उसे खुद लेने घर से बाहर नहीं निकलेंगे। इसका मतलब है कि घर से बाहर निकलने से कोरोना वायरस से संक्रमित होने की संभावनाएं हर जगह मौजूद हो सकती है।

संतोष सिंह ने कहा कि उन्होंने स्वयं को और रायगढ़ जिले के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने खुद को घर के अन्य परिजनों से पृथक कर लिया है।

उन्होंने बताया कि सभी अधिकारियों और जवानों से कहा गया है कि वे अपने परिजनों से दूर रहे तथा खुद को और परिवार वालों को इस खतरे से बचाकर अपनी ड्यूटी करें।

रायगढ़ जिले में अभी तक एक भी व्यक्ति में कारोना वायरस संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि जिले में अभी तक 4,986 लोगों को पृथक वास में रखा गया है। छत्तीसगढ़ में अभी तक 10 लोगों में कारोना वायरस की पुष्टि हुई है। इनमें से आठ लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है तथा दो लोगों का इलाज किया जा रहा है।

अस्पताल में महिला की मौत के बाद 50 से ज्यादा लोग एकांतवास में भेजे गए

बीकानेर, 6 अप्रैल (भाषा)।

जिले के सरकारी पीबीएम अस्पताल में एक महिला की मृत्यु के बाद चिकित्सकों, निसर्गकर्मियों सहित 50 से अधिक लोगों को पृथकवास में और पृथक केंद्र में भेजा गया है।

अस्पताल में महिला की मौत के बाद कर्मचारियों में दहशत है। उनका कहना है कि जिस महिला का शव परिजनों को सौंपा गया था, वह कोरोना वायरस से संक्रमित थी। बीकानेर के पीबीएम अस्पताल प्रशासन ने 60 वर्षीय महिला की मौत के बाद कोरोना वायरस जांच की रिपोर्ट आए बिना ही शव शुक्रवार शाम को उसके परिजनों को सौंप दिया था। परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार भी कर दिया।

इस संबंध में प्रशासन ने विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। त्वरित प्रतिक्रिया बल ने मौके पर पहुंच कर महिला के अंतिम संस्कार में शामिल परिजनों को पृथक केंद्र भेजा। बीकानेर के जिला कलेक्टर कुमार पाल गौतम ने बताया कि मामला प्रकाश में आने के बाद पीबीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य और अस्पताल अधीक्षक से रिपोर्ट मांगी गई है।

बीकानेर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बीएल मीणा ने बताया कि मृतक महिला के परिवार के 20 सदस्यों, 15 पड़ोसियों और करीब 15 अस्पताल कर्मियों को पृथक केंद्र में भेजा गया है। उन्होंने बताया कि पीबीएम अस्पताल में रैफर की गई महिला एक निजी अस्पताल में भर्ती थी। निजी अस्पताल के छह कर्मियों को पृथक वार्ड में भेजा गया है।

पीबीएम अस्पताल के अधीक्षक डॉ बीके गुप्ता ने बताया कि एहतियात के तौर पर यूनिट के रेजिडेंट चिकित्सकों और निसर्गकर्मियों को पृथक वार्ड में भेजा गया है। गुप्ता ने बताया कि इस मामले में लापरवाही हुई है लेकिन शव परिजनों को सभी आवश्यक दिशानिर्देशों के तहत सुपुर्द किया गया था।

डाक्टरों ने सुरक्षा उपकरण और एन-95 मास्क मांगे

औरंगाबाद (महाराष्ट्र), 6 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु प्रकोप के बीच महाराष्ट्र के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) के रेजिडेंट डॉक्टरों ने प्रदर्शन कर अपनी खुद की सुरक्षा के लिए निजी सुरक्षात्मक उपकरण (पीपीई) और एन-95 सर्जिकल मास्क मुहैया कराने की मांग की।

जीएमसीएच के दो मरीजों और एक स्टाफ में कोरोना विषाणु संक्रमण की पुष्टि हुई है। रेजिडेंट डॉक्टरों ने जीएमसीएच डीन के कार्यालय के बाहर रविवार को प्रदर्शन किया और कहा कि पीपीई और एन-95 मास्क आपात स्वास्थ्य सेवाओं में तैनात डॉक्टरों के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने डीन को एक ज्ञापन सौंपा और कहा कि अगर उन्हें सुरक्षा उपकरण नहीं उपलब्ध कराए गए तो वे अपने छात्रावासों में पृथक वास में रहेंगे।

महाराष्ट्र रेजिडेंट डॉक्टर संघ (एमएआरडी) की औरंगाबाद इकाई के अध्यक्ष आमिर तड़वी ने कहा कि कुछ मरीजों में कोरोना विषाणु संक्रमण की पुष्टि होने के बावजूद, आपातकालीन कक्ष में उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों को ये सुरक्षात्मक उपकरण नहीं मुहैया कराए गए हैं।' उन्होंने कहा कि ये डॉक्टर हर दिन 50 से 100 मरीजों को देखते हैं। बिना सुरक्षात्मक उपकरण के मरीजों का इलाज करना खतरनाक है।

एमएआरडी उपाध्यक्ष डॉ संदीप चौहान ने कहा, 'भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के दिशा-निर्देशों के मुताबिक अपनी मांग रखी है। हमें उम्मीद है कि बिना किसी बाधा के हमें ये उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। हमने काम करना बंद नहीं किया है, हमने महज अपनी सुरक्षा के लिए मास्क और पीपीई की मांग की है।' तड़वी ने बताया कि प्रदर्शन के बाद, आपातकालीन कक्ष के डॉक्टरों को रविवार को पीपीई और एन-95 मास्क उपलब्ध कराए गए। एमएआरडी अधिकारियों के साथ एक बैठक के बाद जीएमसीएच के डीन डॉ कन्नन येलिकर ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि मास्क और पीपीई पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

बंदी के बीच महाराष्ट्र में फंसे तेलंगाना के छात्र सीख रहे हैं योग

औरंगाबाद, 6 अप्रैल (भाषा)।

लॉकडाउन लागू होने के बाद महाराष्ट्र में फंसे कृषि महाविद्यालय के छात्रों का एक समूह नांदेड़ जिले में एक संस्थान में योग सीख रहा है। ये सभी छात्र तेलंगाना के रहने वाले हैं।

पिछले महीने से प्रभावी 21 दिन के राष्ट्रव्यापी बंद के बाद, महाराष्ट्र के लातूर जिले के दो कृषि महाविद्यालयों के 29 छात्रों ने अपने गृह राज्य लौटने का फैसला किया था। वे 60 किलोमीटर तक पैदल चले और 30 मार्च को नांदेड़ पहुंचे जहां जिला प्रशासन ने उनकी काउंसलिंग की।

देगलूर तहसील के तहसीलदार अरविंद बोलंगे ने बताया कि अधिकारियों ने महाराष्ट्र-तेलंगाना सीमा पर स्थित जिला मुख्यालय से करीब 80 किलोमीटर दूर तहसील में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भवन में उनके 14 दिन ठहरने की व्यवस्था की। उन्होंने बताया कि विशेषज्ञों की मदद से वे संस्थान में योग सीख रहे हैं जो इंटरनेट, टेलीविजन और अन्य सुविधाओं से लैस है।

तहसीलदार ने कहा, 'छात्र अब शिविर में रहने जैसे जीवन का अनुभव कर रहे हैं। सुबह जल्दी उठने के बाद वे योग करते हैं और फिर निर्धारित समय पर नाश्ता, दोपहर और रात का भोजन करते हैं। वे संस्थान में उपलब्ध टीवी और इंटरनेट की सुविधाओं के जरिए विश्व से जुड़े हुए हैं।' बोलंगे ने कहा कि 29 में से केवल तीन छात्र हिंदी बोल सकते हैं लेकिन भाषा उनके लिए किसी तरह की रुकावट नहीं बनी है और सभी को जरूरी देखभाल एवं सहायता मुहैया कराई जा रही है।

उन्होंने बताया, 'छात्र किसी भी कीमत पर 30 मार्च को रुकने के लिए तैयार नहीं थे। अब, उनमें से कोई नहीं कहता कि उसे घर जाना है। हमने इन सभी छात्रों के लिए जरूरी प्रबंध किए हैं। देगलूर सीमा पर है और हमारे कुछ अधिकारी जो तेलुगु बोल सकते हैं वे छात्रों से बात करते हैं।'

कर्मचारियों में संक्रमण के बाद मुंबई के दो निजी अस्पताल सील

मुंबई, 6 अप्रैल (भाषा)।

मुंबई के दो निजी अस्पतालों को, वहां के डॉक्टरों एवं नर्सों समेत कुछ कर्मचारियों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद सील कर दिया गया है। स्थानीय निकाय के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

बीएमसी के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मुंबई सेंट्रल स्थित वोकहार्ट अस्पताल को उसके तीन चिकित्सकों एवं 26 नर्सों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद सील कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि किसी को भी अस्पताल से अंदर या बाहर आने जाने की अनुमति नहीं है।

अस्पताल के कई कर्मचारी केरल से हैं और केरल के वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला ने महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे को ट्वीट कर, मुंबई के निजी अस्पताल में काम करने वाली, कोरोना वायरस संक्रमित 40 मलयाली नर्सों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की।

दूसरी ओर मुंबई के ही जसलोक अस्पताल में बुधवार से नई भर्ती रोक दी गई और बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) को बंद कर दिया गया है क्योंकि यहां भी एक कर्मचारी कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है। अस्पताल में काम करने वाली एक नर्स ने दावा किया कि एक से अधिक कर्मचारी कोरोना वायरस के मरीज के संपर्क में आए थे लेकिन अस्पताल ने कहा कि केवल एक व्यक्ति में संक्रमण पाया गया है।

देश में 18 हजार जांच प्रतिदिन करने की सुविधाएं उपलब्ध

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के मुताबिक देश में इस समय 136 सरकारी और 56 निजी प्रयोगशालाएं कोरोना विषाणु संक्रमण की जांच कर रही हैं। इन सभी प्रयोगशालाओं की वर्तमान क्षमता 18 हजार जांच प्रतिदिन करने की है लेकिन चौबीस घंटे यदि इन प्रयोगशालाओं को चलाया जाए तो प्रतिदिन क्षमता बढ़कर 25 हजार प्रतिदिन हो जाएगी।

- इन सुविधाओं का चौबीस घंटे उपयोग कर प्रतिदिन 25 हजार जांच संभव
- देश में एक लाख जांच प्रतिदिन करने के इंतजाम किए जा रहे हैं

आइसीएमआर के विज्ञानी आर गंगाखेड़कर का कहना है कि आने वाले दिनों में आइसीएमआर जांच की सुविधाओं को इतना बढ़ा देगा कि किसी को जांच के संबंध में कोई शिकायत नहीं होगी। आइसीएमआर से मिली जानकारी के मुताबिक परिषद ने अब कोबास-6800 नाम की दो मशीनों ने भी कार्य करना शुरू कर दिया है। ये मशीन एक बार में 1400 नमूनों की जांच करती हैं। इसके साथ ही सभी प्रयोगशालाओं को जांच के डाटा को तुरंत आइसीएमआर नेटवर्क पर अपलोड करने के लिए भी कहा गया है।

आइसीएमआर के विज्ञानी आर गंगाखेड़कर का कहना है कि आने वाले दिनों में आइसीएमआर जांच की सुविधाओं को इतना बढ़ा देगा कि किसी को जांच के संबंध में कोई शिकायत नहीं होगी। आइसीएमआर से मिली जानकारी के मुताबिक परिषद ने अब तक करीब 200 प्रयोगशालाओं को रिजर्व ट्रांसक्रिप्शन-पॉलीमेरेज चेन रिएक्शन (आरटी-पीसीआर) जांच के लिए अनुमोदित किया है। आइसीएमआर अन्य सरकारी, निजी, शोध संस्थानों और मेडिकल कॉलेजों की प्रयोगशालाओं को भी अपने नेटवर्क में लाने पर बातचीत कर रहा है। आइसीएमआर ने 10 लाख आरटी-पीसीआर जांच किट खरीदी हैं। इन्हें देश के सात विभिन्न स्थानों पर रखा गया है ताकि पूरे देश में जल्द से जल्द इन्हीं उपलब्ध कराया जा सके।

आइसीएमआर देश में कोरोना संक्रमण पर लगातार नजर रखे हुए हैं और इसको देखते हुए ही जांच के दिशानिर्देशों को भी स्थिति के हिसाब से परिवर्तित कर रहा है। इसके तहत आइसीएमआर ने जिन स्थानों पर अधिक मामले सामने आए हैं, वहां पर त्वरित जांच करने के लिए एंटीबॉडी जांच की इजाजत भी दी है।

हाइड्रोक्सीक्लोरीक्वीन को आम लोगों को लेने की सलाह नहीं : आइसीएमआर के अधिकारी ने बताया कि कोरोना विषाणु संक्रमण के इलाज में हाइड्रॉक्सीक्लोरीक्वीन की प्रभावकारिता के सीमित साक्ष्य हैं, जनता को इसके सेवन का सलाह देने के लिए पर्याप्त प्रमाण नहीं हैं। उन्होंने बताया कि इस दवाई को कोरोना मरीजों के साथ काम कर रहे चिकित्साकर्मियों और प्रयोगशाला से संक्रमण की पुष्टि वाले व्यक्ति के संपर्कों को लेने के लिए कहा गया है। वह भी निगरानी के तहत। इस दवा के विपरीत प्रभाव मानव शरीर पर पड़ सकते हैं।

14 महीने के बच्चे की जांच में कोरोना की पुष्टि

अमदाबाद, 6 अप्रैल (भाषा)।

गुजरात के जामनगर जिले में 14 महीने के एक ऐसे शिशु की जांच में कोरोना की पुष्टि हुई है जिसके विदेश यात्रा करने की कोई सूचना नहीं है। इस मामले के सामने आते ही स्वास्थ्य अधिकारी यह पता लगाने में जुट गए हैं कि किसके संपर्क में आने से बच्चे को संक्रमण हुआ। बच्चे की जांच में रविवार को कोरोना की पुष्टि हुई थी और इस समय वह वेंटिलेटर पर है।

अधिकारियों ने बताया कि बच्चे के माता पिता दरेड़ गांव के जिस क्षेत्र में रहते हैं उसे पूरी तरह बंद कर दिया गया है। जामनगर में कोरोना वायरस संक्रमण का यह पहला मामला है। स्वास्थ्य प्रशासन अब यह पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि किसके संपर्क में आने से बच्चे को संक्रमण हुआ।

कलेक्टर ने बताया कि बच्चे की हालत बिगड़ने के बाद उसके माता-पिता उसे शनिवार को सरकारी अस्पताल लेकर आए जहां रविवार को बच्चे के कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि हुई।

जामनगर के कलेक्टर रविशंकर ने कहा कि चूंकि बच्चे के माता पिता सामान्य मजदूर हैं और उन्होंने हाल फिलहाल में कोई विदेश यात्रा नहीं की थी इसलिए स्वास्थ्य अधिकारी संक्रमण के स्त्रोत का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। कलेक्टर ने कहा, 'बच्चा उत्तर प्रदेश के एक मजदूर दंपति का बेटा है। वे जामनगर शहर के बाहरी क्षेत्र में स्थित दरेड़ औद्योगिक क्षेत्र में रहते हैं और कारखाने में मजदूरी करते हैं। वे बहुत समय से क्षेत्र से बाहर नहीं गए इसके बावजूद उनके 14 महीने का बेटा कोरोना से संक्रमित हो गया।'

शंकर ने बताया कि बच्चे की हालत बिगड़ने के बाद उसके माता पिता उसे शनिवार को सरकारी अस्पताल लेकर आए थे। रविवार को बच्चे के कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। शंकर ने कहा, 'बच्चे का इलाज चल रहा है। उसके माता पिता में कोई लक्षण नहीं हैं फिर भी उन्हें पृथक-वास में रखा गया है।' राज्य की प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) जयंती रवि ने बताया कि बच्चे को वेंटिलेटर पर रखा गया है। कलेक्टर ने बताया कि कोरोना को फैलने से रोकने के लिए दरेड़ गांव में मजदूरों की कालोनी में पूरी तरह देशबंदी कर दिया गया है।

दस इलाके सामुदायिक एकांतवास में

अमदाबाद, 6 अप्रैल (भाषा)।

गुजरात के चार शहरों के दस इलाकों में पिछले महीने दिल्ली में तबलीगी जमात के कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले कुछ लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद इन क्षेत्रों को पृथकवास में रखा गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के सचिव अश्विनी कुमार ने बताया कि उनमें अमदाबाद के छह इलाके, वड़दोरा के दो इलाके तथा सूरत एवं भावनगर के एक एक इलाके शामिल हैं। कुमार ने कहा, 'जब तबलीगी जमात के सदस्य दिल्ली से गुजरात लौटे तब उससे कोविड-19 के मामले फैले।

www.readwhere.com

निजामुद्दीन इलाके में 869 घरों की हुई जांच

24 ने किया असहयोग, 21 घरों पर ताले

मरकज को अपराध शाखा ने भेजा दूसरा नोटिस

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

राजधानी में निजामुद्दीन मरकज से तबलीगी जमात के कोरोना पुष्ट मामलों के पाए जाने के बाद दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने निजामुद्दीन इलाके के 25 किलोमीटर के दायरे में ड्रोन से छिड़काव के साथ-साथ घरों की जांच भी शुरू कर दी है। निगम ने निजामुद्दीन इलाके के 869 घरों की जांच की है जिसमें कई लोगों ने सहयोग नहीं किया।

दिल्ली पुलिस सीआरपीएफ, गैर सरकारी संस्था और निगम की 13 नर्सों की टीम के साथ निजामुद्दीन के निजाम नगर में 361 घरों की जांच की गई। इस दौरान जांच टीम के लोगों ने बताया कि इसमें 10 घरों ने विस्तृत ब्योरा देने से मना कर दिया। इसी तरह यहां के दिलदार नगर में 228 घरों की जांच की गई, जिसमें 9 घरों ने जांच में सहयोग नहीं दिया। जबकि खुशबूनगर में 279 घरों की जांच की गई और इसमें 24 परिवारों ने ब्योरा देने से मना कर दिया। खुशबुनगर में 21 घरों के बाहर ताला बंद था। यह सारी कवायद 25 किलोमीटर के दायरे में हुई है। इस दौरान जोन अध्यक्ष कैलाश सांकला और निगम नेता नरेंद्र चावला मौजूद थे। निगम ने पंजाबी बाग लक्ष्मीपुरी लक्ष्मी रोड में छिड़काव अभियान चलाया। इस अभियान के जरिए यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि घर में कोई बीमार या फिर कोरोना विषाणु के लक्षण से ग्रसित व्यक्ति नहीं है। पिछले दिनों तबलीगी जमात के लोगों की आमद इस इलाके में बनी हुई थी, जिसको लेकर पुलिस और प्रशासन चिंतित है।

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

अपराध शाखा ने निजामुद्दीन मरकज को सोमवार को दूसरा नोटिस भेजा है। नोटिस में मरकज से जल्द जवाब दाखिल करने को कहा गया है। इससे पहले गुरुवार को दिए नोटिस में एक भी तबलीगी जमात का पदाधिकारी सामने नहीं आया और मौलाना साद ने नोटिस के जवाब में सभी पदाधिकारियों के सेल्फ आइसोलेशन में रहने की बात कही। साद ने अपराध शाखा के भेजे सभी 26 प्रश्नों के जवाब मरकज खुलने के बाद दिए जाने की बात कही थी। पुलिस अब मरकज के सभी पदाधिकारियों का गृह सत्यापन कराएगी। पुलिस को आशंका है कि ज्यादातर पदाधिकारी मौलाना साद के साथ छिपे हुए हैं। इसी कड़ी में रविवार को भी पुलिस की एक टीम निजामुद्दीन मरकज में जांच के लिए पहुंची। पुलिस निजामुद्दीन मरकज की वीडियोग्राफी कर रही है। इसके लिए ड्रोन कैमरों की मदद भी ली जा रही है।

उधर, तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल लोगों के उपलब्ध ज्यादातर मोबाइल नंबर बंद मिले हैं। पुलिस को अब उन सभी नंबरों का पता निकाल कर संबंधित राज्यों की पुलिस से जानकारी जुटानी पड़ रही है। पता चला है कि नंबर बंद कर मरकज में शामिल लोग खुद को क्वारंटाइन से बचाने का प्रयास कर रहे हैं। जांच में कुछ मोबाइल नंबर के नाम-पते फर्जी मिले हैं। इन चुनौतियों के सामने आने के बाद पुलिस की परेशानी दोगुनी हो गई है। वहीं पुलिस की तरफ से मरकज में शामिल लोगों की तलाश के लिए क्राइम मैपिंग का भी सहारा लिया जा रहा है।

पुलिस ने मौलाना साद से पूछा है कि धार्मिक आयोजनों में लोगों की भीड़ जुटने से पहले क्या कोई इजाजत कभी पुलिस से या प्रशासन से मांगी गई या कभी मिली तो उसकी जानकारी और दस्तावेज मुहैया कराएं। 12 मार्च के बाद मरकज में आये सभी लोगों की पूरी जानकरी दें, जिसमें विदेशी और भारतीय शामिल हैं।

निजामुद्दीन मरकज इमारत का निर्माण जांच के घेरे में

ढाई मंजिल की अनुमति और मौके पर नौ मंजिला खड़ी है इमारत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

विवादास्पद निजामुद्दीन स्थित तबलीगी जमात की मरकज इमारत का निर्माण ही विवादों के घेरे में आ चुका है। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के बीच शहर में किस प्रकार दिल्ली नगर निगम, दिल्ली पुलिस और अन्य एजंसियों की नाक के नीचे बेसमेंट सहित नौ मंजिला इमारत का निर्माण किया गया। इस बाबत अब जांच शुरू हो गई है। हालांकि निगम पदाधिकारी का कहना है कि वे अभी कोरोना संक्रमण की रोकथाम में लगे हुए हैं लिहाजा बीमारी कम होने के बाद इस पूरी इमारत की फाइल खोली जाएगी और कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी।

निजामुद्दीन स्थित तबलीगी जमात की मरकज इमारत को नियमों की अनदेखी कर खड़ा किया गया है। नगर निगम का दावा है कि सिर्फ ढाई मंजिला निर्माण की अनुमति थी, लेकिन नौ मंजिल तक निर्माण के साथ बेसमेंट भी बनाया गया। इमारत के ठीक पीछे निजामुद्दीन थाना है। ऐसे में पुलिस, निगम और दिल्ली अर्बन आर्ट कमीशन समेत कई विभाग सवालों के घेरे में हैं। स्थायी समिति दक्षिणी निगम के अध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता का कहना है कि मामला प्रकाश में आया है लेकिन अभी हमारा ध्यान कोरोना विषाणु की रोकथाम पर है। हम जांच के लिए फाइल मंगा रहे हैं। यदि इमारत का अवैध निर्माण होगा तो जांच के बाद भविष्य में कड़ी कार्रवाई होगी। जबकि निगम उपाध्यक्ष-स्थायी समिति राजपाल ने कहा कि देशबंदी खत्म होने का इंतजार किया जा रहा है।

संबंधित फाइल की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। मरकज की इमारत पूरी तरह रिहायशी इलाके में है। इसलिए दिल्ली के किसी भी रिहायशी इलाके में 15 मीटर से ऊंची इमारत बनाने की अनुमति नहीं है, जबकि इस इमारत की ऊंचाई 25 मीटर के करीब है। बताया जा रहा है इमारत का नक्शा 1992 में ढाई मंजिला के रूप में पास कराया गया था। 1995 में नए सिरे से निर्माण शुरू होकर विस्तार किया गया।

प्रयोग एक निजी लैब में एक तकनीशियन मीडिया के सामने संक्रमण के नमूनों को इकट्ठा करने की प्रक्रिया का प्रदर्शन करता हुआ।

डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोले मुख्यमंत्री केजरीवाल

केंद्र देगी 27 हजार किट तो बढ़ सकेगी जांच

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

दिल्ली के अस्पतालों में विशेष स्वास्थ्य किट की कमी जल्दी पूर्ण होगी। कमी को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार मदद करेगी। सोमवार को डिजीटल प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया कि केंद्र सरकार दिल्ली को 27 हजार स्वास्थ्य किट देगी। उन्होंने बताया कि किट के लिए केंद्र सरकार की चिट्ठी आई है इसके लिए केंद्र सरकार का शुक्रिया।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 'केंद्र सरकार 27,000 किट दे रही है। हमें उम्मीद है कल या परसों तक हमें यह किट उपलब्ध हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि केस बढ़ने का कारण एक मरकज है और दूसरा हमें अब टेस्टिंग किट मिल रही हैं, तो हमने टेस्टिंग बढ़ा दी है। जैसे दक्षिण कोरिया ने खूब टेस्टिंग की थी वैसे ही अब दिल्ली सरकार करेगी। 100-125 जांच 25 मार्च के आसपास तक रोजाना हो रहे थी। एक अप्रैल के बाद रोजाना 500- 1000 रोजाना टेस्ट कर रहे हैं।'

आज से बिना राशन कार्ड वालों को भी राशन

बिना राशन कार्ड वाले लोगों के लिए बुधवार से राशन का वितरण शुरू होगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया कि इसके लिए नजदीक के स्कूल में बंदोबस्त किया गया है। जिन लोगों के पास राशन कार्ड नहीं है, वे लोग यहां से ले सकेंगे। यह व्यवस्था 421 स्कूलों में शुरू की गई है। इन लोगों के लिए 5 किलो राशन मुफ़्त होगा। इसमें 4 किलोग्राम गेंहू व एक किलोग्राम चावल शामिल है। यह राशन 10 लाख लोगों को मिलेगा।

दिल्ली सरकार खरीदेगी एक लाख किट

मरीजों की जांच के लिए दिल्ली सरकार एक लाख टेस्टिंग किट खरीद रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके आर्डर कर दिए हैं। शुक्रवार तक टेस्टिंग किट आ जाएंगे तो उसके बाद हम बड़े पैमाने पर टेस्ट कर सकते हैं।

24 घंटे में आए 20 नए मामले

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली में पिछले 24 घंटों में 20 नए मामले आए हैं इनमें 10 मरकज के मामले शामिल हैं। दिल्ली में कोरोना संक्रमण के मरीजों का आंकड़ा 523 हो गया है। इनमें 330 मरकज के मरीज हैं। विदेश के 61 मरीज हैं और 7 की अब तक मौत हो चुकी है। कोरोना संक्रमण के 25 मरीज आइसीयू में है और 8 लोग वेंटिलेटर पर हैं।

अर्थ ऑवर से 10 गुना ज्यादा बिजली बचाई दिल्ली ने

पंकज रोहिला
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद दिल्ली ने नौ मिनट तक अपने घरों और अन्य जगहों की बिजली बंद कर बड़ी बचत की है। दिल्ली वालों ने ठीक नौ बजे बिजली बंद कर दीये से प्रकाश किया। इस दौरान 852 मेगावॉट बिजली की बचत हुई है जबकि अर्थ ऑवर पर यह बिजली बचत केवल 78 मेगावॉट थी।

रविवार देर रात नौ बजे जब प्रधानमंत्री की अपील का वक्त शुरू हुआ। उस वक्त दिल्ली में बिजली की अधिकतम मांग 2100 मेगावॉट थी और अपील के बाद जब बिजली बंद होनी शुरू हुई तो मांग में गिरावट दर्ज की गई। यह कार्यक्रम समाप्ति के समय तक केवल 1248 मेगावॉट ही रह गई। गिरावट का असर केवल किसी विशेष क्षेत्र तक समित नहीं था। बीएसईएस, टीपीडीडीएन, एनडीएमसी समेत सभी कंपनियों में दर्ज की गई।

दिल्ली की बिजली

प्रधानमंत्री की अपील के बाद 852 मेगावॉट गिरी बिजली मांग अर्थ ऑवर पर केवल 78 मेगावॉट गिरी थी मांग

2007 में पहली बार हुई थी पहल

सबसे पहले 2007 वन्य एवं पर्यावरण संगठन (डब्लूडब्लूएफ) ने आस्ट्रेलिया के सिडनी से यह पहल शुरू की थी। इनमें 60 मिनट के लिए सभी लाइट बंद करने की अपील की थी। धीरे-धीरे यह पूरे विश्व में मनाया जाने लगा। 2019 में यह अर्थ ऑवर के तौर पर स्वीकार किया जाने लगा। इसमें दुनिया के 187 देशों के सात हजार से अधिक शहर शामिल हुए। यह एक बड़ा अभियान बना। 28 मार्च को यह पहल सिडनी से शुरू की गई थी। इसके तहत धरती के बचाने की मुहिम के तहत लोगों ने सभी गैरजरूरी बिजली उपकरण बंद किए गए थे।

दिल्ली और केंद्र सरकार दोनों ने की अनदेखी : कांग्रेस

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को कहा कि उन्होंने 20 दिन पहले ही सरकार को पत्र लिख कर दिल्ली सरकार के लोगों को उचित स्वास्थ्य सेवा देने के लिए जागरूक करने को कहा था फिर भी ना तो दिल्ली सरकार और ना ही केंद्र सरकार ने दिल्ली वासियों की ओर ध्यान दिया। इस महामारी ने दिल्ली में विकराल रूप ले लिया है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनिल कुमार चौधरी और उपाध्यक्ष पूर्व विधायक जय किशन सहित सभी पदाधिकारी ने बयान जारी कर कहा कि केजरीवाल सरकार फ्री का ढिंढोरा पीट कर वाहवाही लूटना चाह रहे हैं। पिछले दिनों स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरी का दावा करने वाली सरकार स्वास्थ्य के मामलों में तो पिछड़ ही रही है शिक्षा में इससे भी ज्यादा पीछे होने वाली है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल और मनीष सिसोदिया अभिभावकों से पूछ रहे हैं कि प्राइवेट स्कूलों की फीस ली जाए या नहीं ली जाए।

सांसद ने 50 लाख दिए तो केजरीवाल ने मांगी पीपीई किट

गंभीर ने जवाब दिया, कहां भेजनी है बताइए

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

दिल्ली में कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड़ाई को और तेज करने के लिए सांसद गौतम गंभीर आगे आएं हैं। पूर्वी दिल्ली के सांसद गौतम गंभीर ने दिल्ली सरकार को 50 लाख रुपए की सहायता राशि सांसद कोष से उपलब्ध कराई है। हालांकि सांसद की इस मदद पर दिल्ली के मुख्यमंत्री ने आभार तो जताया लेकिन इस बीमारी से लड़ने के लिए पीपीई किट भी मांगा।

इससे पूर्व भी सांसद ने अपने कोष से 50 लाख रुपए दिल्ली सरकार को दिए थे। मामले में सांसद ने मुख्यमंत्री अरविंद को पत्र लिखा है। इस पत्र में उप मुख्यमंत्री को दी जाने वाली राशि की जानकारी दी है। और कहा है कि दिल्ली सरकार को दी जाने वाली राशि को गरीब परिवार के जरूरी कामों के लिए इस्तेमाल किया जाए। सांसद के पत्र के जवाब में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर गौतम गंभीर का आभार जताया है। देर शाम गौतम गंभीर ने भी केजरीवाल को ट्वीट का जवाब दिया और किट कहां पहुंचानी है यह पूछा।

'कमी धन की नहीं है कमी पीपीई किट की है। हम आपके आभारी होंगे अगर आप हमें तत्काल पीपीई किट दिलवाने में मदद करें। दिल्ली सरकार इसकी खरीद करेगी।'
– **अरविंद केजरीवाल**, मुख्यमंत्री, दिल्ली

'अरविंद जी पहले आपके उप मुख्यमंत्री ने ही फंड की कमी होने की बात की थी। आपका बयान उनके बयान से नहीं मिलता। अब आप कह रहे हैं किट की कमी है। 1000 किट तैयार हैं, बताएं ये कहां पहुंचानी है। इस पर बात करने का समय खत्म हुआ तुरंत कदम उठाने की आवश्यकता है। आपके जवाब का इंतजार है।' – **गौतम गंभीर**, भाजपा सांसद

पंच आग्रह का पालन करें पार्टी कार्यकर्ता : मनोज तिवारी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 अप्रैल ।

भाजपा के 40वें स्थापना दिवस पर प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि विषम परिस्थितिव में भी हमें मिलकर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए 'पंच आग्रह' का पालन करना है ताकि देश की सेवा व समर्पण को प्रशस्त किया जा सके। इस मौके पर भारत माता, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया और प्रदेश कार्यालय में पार्टी ध्वज फहराया गया।

उन्होंने कहा कि भाजपा का स्थापना दिवस ऐसे समय में आया है, जब पूरा देश कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से जंग लड़ रहा है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कार्यकर्ताओं से एक समय का भोजन त्याग कर बंद के दौरान कष्ट झेल रहे लोगों के साथ अपनी सहानुभूति व्यक्त करने को कहा है। सामाजिक दूरी का पालन करते हुए प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता ने खाद्य सामग्री के लिए 5 पैकेट की जगह आज 6 पैकेट जरूरतमंदों तक पहुंचाया है।

प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं से पंच-आग्रह में गरीबों को राशन देने के लिए अविरत सेवा करने, चेहरा ढककर वितरित करने, सेवा करने वालों का आभार व्यक्त करने, आरोग्य सेतु ऐप का उपयोग करने और करवाने के लिए व पीएम केयर्स फंड में सहयोग करने और 40 अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया है। पार्टी कार्यकर्ता इसके लिए पहल करें। सांसद रमेश बिधूड़ी ने तुगलकाबाद गांव में अपील की कि प्रत्येक बूथ से 40 लोगों से 'पीएम केयर्स फंड' में दान करवाएं।

BEFORE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL - III, DELHI 4TH FLOOR, JEEVAN TARA BUILDING, PARLIAMENT STREET, NEW DELHI-110001.
Notice under Section 19(4) of the Recovery of Debts due to Banks and Financial Institutions Act, 1993 read with Rule 12 & 13 of the Debts Recovery Tribunal (Procedure Rules) 1993)
OA No. 444/2019
ICICI BANK LTD. ..Applicant VERSUS ROHIT SETHI .....Defendants
To,
D-1 Rohit Sethi S/o. Sh. Harish Kumar Sethi, R/o. House No. 80, Sector-19, Kheri Kalan, Faridabad, Haryana - 121002
D-2 Sheela Sethi D/o. Sh. Nand Chugh, R/o. House No. 80, Sector-19, Kheri Kalan, Faridabad, Haryana - 121002
Whereas the above named applicant has instituted a case against you and whereas it has been shown to the satisfaction of the Tribunal that it is not possible to serve you in ordinary way. Therefore, this notice is given by advertisement directing you to make appearance in this Tribunal 08/04/2020 at 10.30 A.M.
Take notice that in case of your failure to appear on the above mentioned day before this Tribunal, the case will be heard and decided in your absence.
Given under my hand and seal of the Tribunal on this 12th day of February, 2020.
Seal By Order of the Tribunal
Assistant Registrar, DRT-III, New Delhi

BEFORE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL - III, DELHI 4TH FLOOR, JEEVAN TARA BUILDING, PARLIAMENT STREET, NEW DELHI-110001.
Notice under Section 19(4) of the Recovery of Debts due to Banks and Financial Institutions Act, 1993 read with Rule 12 & 13 of the Debts Recovery Tribunal (Procedure Rules) 1993)
OA No. 886/2019
ICICI BANK LTD...Applicant VERSUS JAISHREE GIRIRAJ ROADWAYS PVT. LTD. & ORS.....Defendants
To,
D-1 Jaishree Giriraj Roadways Pvt. Ltd. through its Director Mr. Nitin Bhardwaj (Borrower) Office at: Flat No. 107, 1st Floor, Plot No. 6, Anupam Plaza, Local Shopping Centre, Ghazipur, Delhi -110096
D-2 Mr. Nitin Bhardwaj S/o. Sh. Shish Pal Bhardwaj (Guarantor and also Authorised Signatory)
D-3 Logistic Linkage India Pvt. Ltd., through its Director Mr. Nitin Bhardwaj (Co-Borrower) Office at: Flat No. 101-109, Plot No. 4, LSC National Arcad, Ghazipur, Main Road, Delhi -110096
Whereas the above named applicant has instituted a case against you and whereas it has been shown to the satisfaction of the Tribunal that it is not possible to serve you in ordinary way. Therefore, this notice is given by advertisement directing you to make appearance in this Tribunal 08/04/2020 at 10.30 A.M.
Take notice that in case of your failure to appear on the above mentioned day before this Tribunal, the case will be heard and decided in your absence.
Given under my hand and seal of the Tribunal on this 10th day of February, 2020.
Seal By Order of the Tribunal
Assistant Registrar, DRT-III, New Delhi

कोरोना : कम नहीं हो रही अस्पतालों की दुश्वारियां

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों में कोरोना के बढ़ते मामलों ने चिकित्सा जगत की चिंता बढ़ा दी है। वहीं अस्पतालों में कोरोना सहित कई तरह की दिक्कतें दिखाई पड़ रही हैं। इस बीच किट की कमी और मास्क की जरूरत से कम आपूर्ति है।

राजधानी के अग्रसेन अस्पताल में बीते दिनों में भर्ती किए गए डॉक्टर सहित कुल छह कर्मचारी संक्रमित पाए गए हैं। इसके अलावा एम्स के एक सफाईकर्मी को भी कोरोना के संक्रमण की पुष्टि हुई है। अब तक दिल्ली में करीब दर्जन भर डॉक्टर व कम से कम दो दर्जन कर्मचारी संक्रमित हो चुके हैं। इसमें गंगाराम अस्पताल के तमाम कर्मचारियों की रिपोर्ट अभी आनी बाकी है। एम्स के निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया ने कहा कि देश सहित चिकित्सा पेशे से जुड़े लोगों में भी संक्रमण बढ़ रहा है। आने वाले दिन काफी अहम हैं। वे कहते हैं कि देश के कुछ हिस्सों में तो सामुदायिक संक्रमण दिखने लगा है। चिंता की बात तो यह है कि डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों में भी मामले बढ़ रहे हैं। इससे लोगों में डर आ रहा है। स्वास्थ्यकर्मियों के बीच मामले बढ़ने के इलाज की व्यवस्था करना बड़ी चुनौती होगी।

मरीजों को संभालना मुश्किल

अस्पतालकर्मियों को दूसरी मुश्किलों से भी जूझना पड़ रहा है। एलएनजेपी अस्पताल में एक कोरोना संदिग्ध के आत्महत्या की कोशिश से परेशान अस्पताल प्रशासन को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था भी करनी पड़ी है। दिल्ली पुलिस के साथ ही अर्धसैनिक बलों की भी अस्पताल के बाहर तैनाती की गई है। इसके बावजूद रात को कोरोना वार्ड में भर्ती लोगों ने जमकर हंगामा किया। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक वे वार्ड में जोर-जोर से दरवाजा पीटने लगे। वे बाहर जाने देने की मांग कर रहे थे। कर्मचारियों ने पहले खुद समझाने की कोशिश की लेकिन वे शांत नहीं हुए। हार कर उन्हें पुलिस बुलानी पड़ी।

किट के लिए आरोप पर सफाई

सफदरजंग अस्पताल में पीपीई किट व दूसरे जरूरी सामानों की सफदरजंग आरडीए की मांग को आधार बना धन उगाही की कोशिश का मामला सामने आने के बाद सफदरजंग आरडीए ने साफ किया है कि वे किसी भी तरह से कोई धनरिश दान करने की कभी मांग का कोई नोटिस जारी नहीं किया है। आरडीए अध्यक्ष डॉ मनीष ने कहा है कि कुछ लोगों ने उनकी उपकरणों की मांग का गलत मतलब निकाला है। उन्होंने कहा कि कोई भी अगर मदद को आगे आना चाहता है तो हमें उपकरण दे पैसा नहीं। महासिचव जॉय उत्पलबिश्वास ने कहा है कि आगे किट की जरूरतें बढ़ने वाली हैं।

एम्स आरडीए ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर मांगी मदद

देशभर मे कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच डॉक्टरों को अपनी व मरीजों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा किट व मास्क की मांग उठाना भारी पड़ रहा है। डॉक्टरों का आरोप है कि इसके लिए उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। एम्स रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री से गुहार लगाई है कि तमाम राज्यों में किट की मांग उठाने वाले डॉक्टरों को निशाना बनाना बंद किया जाए। एम्स आरडीए के महासचिव डॉ श्रीनिवास राजकुमार ने कहा कि देश में निजी सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) आइसोलेशन सुविधा, सैनिटाइजर, कोरोना जांच सुविधा की भारी कमी है। श्रीनिवास ने बताया कि कुछ डॉक्टर कमी को सोशल मिडिया के माध्यम से सामने ला रहे हैं लेकिन इन मांगों व जरूरतों को सामने वाले डॉक्टरों को उनके प्रशासन की ओर से परेशान किया जा रहा है।

www.readwhere.com

मौसम

तापमान	नोएडा	गाजियाबाद	गुरुग्राम	फरीदाबाद
अधिकतम	35.8 डि.से.	35.8 डि.से.	36.0 डि.से.	36.0 डि.से.
न्यूनतम	18.5 डि.से.	18.5 डि.से.	18.3 डि.से.	18.4 डि.से.

नोएडा में राहत, हरियाणा में आफत

दो दिन में कोई नया मामला नहीं

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 6 अप्रैल।

उत्तर प्रदेश में कोविड-19 का केंद्र बने गौतम बुद्ध नगर में पिछले दो दिनों से एक भी नया मामला नहीं आया है। इससे स्वास्थ्य व प्रशासन की बेचैनी थोड़ी कम हुई है। लेकिन नमूने लेने और रिपोर्ट आने का सिलसिला निरंतर जारी है। सोमवार को भी करीब 40 नमूनों की रिपोर्ट आने की बात कही जा रही थी। हालांकि प्रशासन की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई।

सोमवार को संक्रमित लोगों के संपर्क में आए 34 लोगों के नमूने लिए गए। जनपद में दो दिन से नया मामला नहीं आने से पुष्ट मामलों की संख्या 58 बनी हुई है। इसमें 50 मामले सक्रिय हैं। जबकि आठ लोग ठीक होकर घर जा चुके है। अब तक कुल 1030 के नमूने लिए जा चुके है। इसमे 678 की जांच रिपोर्ट नकारात्मक आई है। जबकि 300 लोगों की जांच का विभाग को इंतजार है। इसी तरह कुल 346 लोगों का इलाज किया जा रहा है। इसमें 119 लोग एससी-एसटी हॉस्टल, चाइल्ड पीजीआइ में 30, सेक्टर-39 जिला अस्पताल में 185 , जिम्स में 18 लोग भर्ती व पृथक हैं। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में शहर में 12 बड़े क्लस्टर है, जहां संक्रमित मरीज मिले है।

14 दिनों तक पृथक रहने की सलाह

शहर के 20 रैन बसेरों में रुके लोगों को 14 दिनों का पृथक समय पूरा करना होगा। इसके लिए प्राधिकरण, यूनीसेफ व एनएचएम के सहयोग से यहां रुके हुए लोगों को परामर्श (काउंसलिंग) दिया जा रहा है। सोमवार तक 125 में से 72 लोगों को परामर्श दिया गया। सोमवार तक सर्किल-4 के तहत ग्राम हजरतपुर वाजितपुर एवं सेक्टर-62 स्थित सामुदायिक केंद्र स्थित रैन बसेरे में 14, सर्किल-6 के तहत ग्राम पर्थला, सेक्टर-122 सामुदायिक केंद्र में 16, सर्किल-7 के तहत नंगला चरणदास स्थित रैन बसेरे में दो व्यक्तियों को सोमवारो को परामर्श दिया गया। इसके अलावा विगत के दिनों में सर्किल-2 व 3 के तहत सेक्टर-19 ग्राम छलेरा सामुदायिक केंद्र स्थित रैन बसेरे में ठहरे 40 व्यक्तियों को परामर्श दिया गया।

इन सभी स्थानों पर विभागीय टीम घर-घर जाकर लोगों की जांच कर रही है। साथ ही देशबंदी का समय पूरा होने के बाद निर्धारित गाइड लाइन के अनुसार इन सोसायटियों को खोला जाएगा।

नौ विदेशियों सहित 25 नए संक्रमित मिले

फरीदाबाद, 6 अप्रैल (जनसत्ता)।

नूहं में दस, पलवल में नौ और फरीदाबाद में सात नए कोरोना विषाणु संक्रमित मामले सामने आने पर पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। नए कोरोना संक्रमित मामलों में नूहं में नौ विदेशी हैं। अभी तक फरीदाबाद 21,पलवल 24, गुरुग्राम 16 और नूहं में 14 को मिला कर चार जिलों में कुल 65 कोरोना विषाणु संक्रमित मामले सामने आए हैं। इन में 11 कोरोना पीड़ित मरीज ठीक हो गए हैं। इन सभी कोरोना संक्रमितों में 55 मरकज में गए तबलीगी जमाती है। सोमवार को आई रिपोर्ट में एक स्वास्थ्यकर्मी भी शामिल है। कोरोना के नए मामले सामने आने पर पलवल के हथीन उपमंडल में कंटेनमेंट और बफर जोन में शामिल किए गए गांव में सोमवार को फ्लैग मार्च निकला गया।

नूंह जिले में सोमवार कोरोना के छह नए मामलों की पुष्टि हुई है रविवार को चार मामलों में पुष्टि हुई थी। अब तक कुल 14 कोरोना संक्रमित सामने आए हैं। इन 14 में से 13 जमाती है, जो निजामुद्दीन मरकज मे शामिल थे। कोरोना से संक्रमितों में छह श्रीलंका, एक एक दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया और थाईलैंड के है और तीन केरल और एक जम्मू-कश्मीर से है। एक ट्रक ड्राइवर मेवात से ही है। फरीदाबाद के उप सिविल सर्जन एवं जिला नोडल अधिकारी-कोरोना डॉ रामभगत ने बताया कि जिला में

अब तक 272 लोगों के नमूने लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 196 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 55 की रिपोर्ट आनी शेष है

अब तक 1237 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 170 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का समय पूरा हो चुका है। शेष 1067 लोग निगरानी में हैं। निगरानी में कुल में रखे गए लोगों में से 1216 घरों में एकांतवास में हैं। अब तक 272 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 196 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 55 की रिपोर्ट आनी शेष है। अब तक 21 लोगों के सैंपल पॉजिटिव मिले हैं, जिनमें से 19 लोगों को अस्पताल में दाखिल किया गया है तथा ठीक होने के बाद 2 को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है ।

सीएमओ डॉ ब्रह्मदीप सिंह ने जानकारी दी की जिले में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 24 हो गई है। कोरोना संक्रमित सभी मरीज गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, नलहड़ (नूंह) भेजे गए है। बाकी सबको पृथक रखा गया है। जिला में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के 16 पॉजिटिव केस सामने आए। इनमें से नो मरीज ठीक हो चुके हैं अर्थात स्वस्थ हो चुके हैं और सात उपचाराधीन है।

संक्रमितों के दाह संस्कार के लिए विशेष आदेश जारी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

कोरोना संक्रमण से अपनी जान गंवाने वाले लोगों का दाह संस्कार तय मानकों के हिसाब से होगा। संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी को रोकने के लिए दिल्ली सरकार ने इस बाबत दिशानिर्देश जारी किए हैं। ये दिशानिर्देश सख्ती से दिल्ली भर में लागू होंगे।

आदेश में कहा गया है कि यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु स्वास्थ्य केंद्र के बाहर होती है तो सबंधित व्यक्ति के परिवार को मृत्यु की जानकारी तत्काल नजदीक के जिला दंडाधिकारी को देनी होगी। इसके बाद जिला कार्यालय से इस मौत की जानकारी संबंधित अस्पताल को देनी होगी। इसके अतिरिक्त आदेशों में कहा गया है कि संबंधित अस्पताल को मृतक व्यक्ति के लिए शव वाहन उपलब्ध करने होंगे। जो शमशान भूमि तक के लिए यह सुविधा दी जाएगी ताकि किसी भी प्रकार से संक्रमण को बढ़ने से रोका जा सके। इस कार्य के लिए वैन में ट्रेंड कर्मचारियों की मदद ली जाए और संपूर्ण प्रक्रिया में तय मानकों का सख्ती से पालन किया जाए।

देशबंदी का उल्लंघन करने पर 191 के खिलाफ मामला दर्ज

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

देशबंदी का उल्लंघन करने पर एक लाख से ज्यादा लोगों को हिरासत में लेने और विभिन्न धाराओं में 4334 लोगों पर मामला दर्ज करने के साथ ही अब तक करीब 12 हजार गाड़ियों को जब्त किया जा चुका है। सोमवार को ही ऐसे 191 लोगों के खिलाफ आइपीसी की धारा 188 के तहत एफआइआर दर्ज की गई, जबकि दिल्ली पुलिस की धारा 65 के तहत 3728 लोगों को हिरासत में और धारा 66 के तहत 376 गाड़ियां जब्त की।

देशभर में देशबंदी को 13 दिन हो गए हैं। सरकार की अपील पर अधिकांश लोग इसका पालन भी कर रहे हैं लेकिन कुछ लोग अभी भी इसका उल्लंघन कर रहे हैं। इन 13 दिनों मे देशबंदी का उल्लंघन करने वालों की जानकारी देते हुए दिल्ली पुलिस के प्रवक्ता मंदीप सिंह रंधावा के अनुसार दिल्ली में सरकार और पुलिस लगातार लोगों से अपील कर रही है कि वह घर में रहकर इस महामारी से लड़ने में अपना योगदान दें। लेकिन इसके बावजूद कुछ लोग देशबंदी का उल्लंघन कर रहे हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई भी कर रही है। पुलिस अब तक आइपीसी के सेक्शन 188 के तहत 4334 एफआइआर विभिन्न थानों में पुलिस दर्ज कर चुकी है।

80 हजार से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है जबकि 12 हजार गाड़ियों को जब्त किया जा चुका है। दिल्ली सरकार की ओर से बड़ी संख्या में लोगों को पृथक करते हुए घर में रहने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसे लोगों पर सर्विलांस के जरिए नजर रखी जा रही है। पुलिस ने ऐसे 247 लोगों के खिलाफ अब तक मामला दर्ज की है जो इसका उल्लंघन करते हुए घर से बाहर निकले थे। इनमें से 81 पुलिस ने उन लोगों के खिलाफ की हैं जो सत्यापन के दौरान घर पर नहीं मिले। 160 टेक्निकल सर्विलांस की मदद से की गई जबकि 6 एफआईआर पड़ोसियों की शिकायत पर दर्ज की गई हैं। दिल्ली पुलिस की तरफ से सोमवार को 733 मूवमेंट पास जारी किए गए हैं। अब तक लगभग 32 हजार से ज्यादा मूवमेंट पास दिल्ली पुलिस द्वारा जारी किए जा चुके हैं।

अपनी चिंता छोड़ कोरोना को हराने में जुटे स्वास्थ्यकर्मी

प्रतिभा शुक्ल
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

> *एम्स* सहित राजधानी के अस्पतालों में कोरोना वार्ड में ड्यूटी कर रहे तमाम डॉक्टर कठिन परिस्थिति में मोर्चा थामे हैं। पीपीई किट कम है इसलिए जो सुबह ड्यूटी के लिए पहन लेते हैं। वही दिन भर गरमी व उलझन के बाद भी वे नहीं उतारते। इस वजह से कई बार बिना कुछ खाए पिए भी मुस्तैद रह रहे हैं।

एक ओर जहां कोरोना मरीजों के एक के बाद एक स्वास्थ्यकर्मियों से दुर्व्यवहार के मामले सामने आ रहे हैं, वहीं स्वास्थ्यकर्मी एक से बढ़कर एक मिसाल कायम कर रहे हैं। एम्स की एक नर्स ने खुद आगे बढ़ कर कोरोना वार्ड में अपनी ड्यूटी लगवाई। वहीं लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल के नर्सिंग आफीसर दया राम ने भी सर्जरी के लिए दूसरे अस्पताल में भर्ती अपनी पत्नी के पास न होकर वह अपनी कोरोना वार्ड की ड्यूटी बखूबी निभा रहे हैं। उन्होंने अपनी ड्यूटी की मियाद खुद को कोरोना होने या कि हालात संभलने तक खुद ही तय की है। उनकी पत्नी का सोमवार को एक निजी अस्पताल में ऑपरेशन किया गया।

एम्स सहित राजधानी के अस्पतालों में कोरोना वार्ड में ड्यूटी कर रहे तमाम डॉक्टर कठिन परिस्थिति में मोर्चा थामे हैं। पीपीई किट कम है इसलिए जो सुबह ड्यूटी के लिए पहन लेते हैं। वही दिन भर गरमी व उलझन के बाद भी वे नहीं उतारते। इस वजह से कई बार बिना कुछ खाए पिए भी मुस्तैद रह रहे हैं। डॉ नीरज यादव, डॉ राजीव रंजन, डॉ शिवाजी जैसे कई डॉक्टर कई-कई घंटे काम कर रहे हैं वही नर्स भी पीछे नहीं हैं। वे अपनी क्षमता से बढ़कर डटीं हैं।

नर्स दयाराम की पत्नी को पित्त की थैली में पथरी है। डॉक्टरों ने तुरंत ऑपरेशन करने को कहा। यह आपरेशन पहले ही होना था। इस बीच कोरोना की दिक्कत आई तो दयाराम ने अपने दो छोटे बच्चों समेत पत्नी को राजस्थान भेज दिया। दयाराम ने बताया कि तब ऑपरेशन टाल दिया।

दयाराम ने सोचा कि कहीं कोरोना वार्ड से ड्यूटी खत्म कर घर जाते हुए घर सहित न जाने कितनों को संक्रमित न कर दें, यह सोच घरवालों को गांव पहुंचाया व खुद को अस्पताल में रुकने की मुख्यमंत्री से मंजूरी ली। ताकि ज्यादा सही तरीके से अस्पताल का काम भी देख सकें। अब सरकार की ओर से तय की गई व्यवस्था के तहत डॉक्टर या अन्य कर्मचारी दो हफ्ते की ड्यूटी के बाद 14 दिन तक पृथक रहेंगे। लेकिन दयाराम हर 14 दिन पर पृथक पर जाने को तैयार नहीं हैं उनका कहना है कि वे यहां से तभी हटेंगे जब या तो कोरोना का संक्रमण नियंत्रित होगा या तब जब खुद उनको कोरोना हो जाए।इस बीच पत्नी को दिक्कत हुई तो दोस्तों से मदद लेकर उन्हें दिल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवा दिया है, पर वहां गए नहीं। इनकी आठ साल की बेटी व पांच साल का बेटा राजस्थान में ही बुजुर्ग मां के साथ हैं। वहीं इनकी पत्नी की मदद में लगी दूसरी साथी नर्स अपने दो बच्चों को किसी तीसरे के सहारे छोड़ इनकी पत्नी के साथ अस्पताल में है।

गरीबों को राशन बांटते समय मिली मां के गुजरने की खबर

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

देशबंदी और दिल्ली में धारा 144 के दौरान एक ऐसे युवक ने इंसानियत की मिसाल पेश की है जिसे इलाके के लोग वाहवाही दे रहे हैं। बिहार में बीमार अपनी मां को देखने नहीं जाकर दिल्ली में रह रहे प्रवासियों की मदद करने वाले इस युवक ने अपनी मां के निधन की सूचना के बाद भी दिल्ली में रहना बेहतर समझा और मानवता की सेवा ही मां को सच्ची श्रद्धांजलि बताया। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के ओखला इलाके में रहने वाले और टूर और ट्रैवल की एक एंजसी चलाने वाले शकीलुर्रहमान ने बिहार के समस्तीपुर जिले के शाहपुर बघौनी गांव में गुजर गईं। अपनी मां के जनाजे में पहुंचने की जगह दिल्ली में ही रहकर जरूरतमंदों को राशन बांटा। इंसानियत की मिसाल पेश करने वाले शकीलुर्रहमान को पिछले शुक्रवार उनकी छोटी बहन नुसरत यासमीन ने फोन पर मां नौशाबा खातून के गुजर जाने की खबर दी थी।

जरूरी सामानों की आपूर्ति की आड़ में शराब तस्करी, गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

देशबंदी के दौरान जरूरत के सामान की आपूर्ति का फायदा उठाते हुए एक व्यापारी दूध के डिब्बों में शराब की बोतलें रखकर तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया गया। इससे पहले रविवार को दिल्ली पुलिस के एक एएसआइ को इसी तरह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

बॉबी नामक यह युवक दूध के डब्बे लेकर गुरुग्राम से दिल्ली पहुंचा था। उसे साउथ एवेन्यू इलाके में जांच के लिए पुलिस ने रोका तो उसके दूध के डिब्बों के अंदर 7 बोतल शराब बरामद हुई। आरोपी बुलंदशहर का रहने वाला है। उसके पास कर्फ्यू पास भी नहीं था। पुलिस के मुताबिक कोरोना विषाणु की महामारी के कारण लगी देशबंदी का कुछ लोग गलत तरीके से फायदा उठा रहे हैं। इस समय लोगों को आटा, दाल, दूध और सब्जी जैसी जरूरी चीजों को जुटाने में खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है लेकिन इस मौके पर भी कुछ लोग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे। देशबंदी के चलते शराब की खपत भी बढ़ी है लिहाजा पुलिस ने दिल्ली के साउथ एवेन्यू इलाके में दूध के डब्बों में शराब की तस्करी कर रहे बॉबी को गिरफ्तार किया। आरोपी बॉबी ने बताया कि वह यह शराब लेकर गाजियाबाद जा रहा था जहां उसे इसकी आपूर्ति करनी थी। देशबंदी के बीच लोग तस्करी कर मुनाफा उठाने की जुगत में लगे हैं।

देशबंदी के दौरान सब्जी विक्रेता दस्ताने और मास्क लगाए हुए

घरेलू सामान घर मंगवाने में मदद करेगा 'सप्लाई मित्र' पोर्टल

घर-घर राशन पहुंचाने के लिए तैयार रहेंगे दुकानदार और स्वयंसेवी

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 6 अप्रैल।

प्रदेशवासियों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने होम डिलीवरी सप्लाई मित्र पोर्टल तैयार किया है। यह पोर्टल सप्लाई मित्र यूपी डॉटकॉम पर उपलब्ध है। इस पोर्टल पर प्रदेश के सभी जनपदों में किराना, राशन आदि दैनिक उपयोग की वस्तुओं को घर तक पहुंचाने (होम डिलीवरी) में लगे हुए व्यापारियों एवं पहुंचाने वाले व्यक्तियों के नाम, मोबाइल नंबर, जनपद एवं स्थानीय क्षेत्र से संबंधित सूचना उपलब्ध है।

यही नहीं पोर्टल पर विभिन्न जनपदों में पका भोजन उपलब्ध कराने वाली स्वयं सेवी संस्थाओं व सरकार द्वारा संचालित सामुदायिक रसोई से संबंधित सूचना भी उपलब्ध होगी। बताया गया कि अब तक इस पोर्टल पर 9415 ऐसे वितरण केंद्रो की सूची है जो घरों तक सामान पहुंचा रहे हैं। इसके अलावा 1218 भोजन वितरण केंद्रो की सूची भी इस पोर्टल पर मौजूद है। भोजन वितरण व होम डिलीवरी के लिए व्यक्ति को स्वयं पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। पोर्टल को मोबाइल फोन के जरिए भी आसानी से चलाया जा सकता है।

70 वर्षीय बुजुर्ग का शव खेत से मिला

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 6 अप्रैल।

बिलासपुर स्थित तालड़ा झालड़ा गांव के खेतों में एक 70 वर्षीय बुजर्ग का शव पड़ा मिला। मृतक बुजुर्ग और उनकी पत्नी घटनास्थल से करीब 300 मीटर की दूरी पर स्थित वृद्ध आश्रम में रहते थे। सूचना मिलने पर पहुंची थाना दनकौर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बताया गया है कि बुजुर्ग कुछ दिन पहले आश्रम में गाली-गलौज कर रहे थे। इस दौरान आश्रम में लोगों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो वो धक्का-मुक्की में गिर गए थे। संभावना जताई जा रही है कि गिरने से उनकी मौत हो गई और शव को खेतों में डाल दिया गया। पुलिस दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। डीसीपी ग्रेटर नोएडा जोन तीन ने बताया कि बिलासपुर के पास तालड़ा झालड़ा गांव में वृद्ध आश्रम है।

बंदी में वक्त का भरपूर लुत्फ उठाएं

आशीष दुबे
गाजियाबाद, 6 अप्रैल।

> "लोग घर में रहकर इसे सिर्फ बुरे वक्त की तरह न बिताएं बल्कि मुश्किल से मिलने वाली छुट्टी समझकर सुकून से बिताएं
> – मनोचिकित्सक

कोरोना विषाणु को मात देने के लिए घर से बाहर निकलना पूरी तरह से मना है। ऐसे में मनोचिकित्सक बता रहे हैं कि लोग घर में रहकर इसे सिर्फ बुरे वक्त की तरह न बिताएं बल्कि मुश्किल से मिलने वाली छुट्टी समझकर सुकून से बिताएं। इस महत्त्वपूर्ण समय को घर-परिवार के साथ बिताने के साथ ही सगे-संबंधियों और मित्रों से फोन या संदेशों के आदान-प्रदान के जरिये संपर्क में रहना भी एक अच्छा तरीका साबित हो सकता है। इससे जहां एक-दूसरे का हालचाल जान सकेंगे वहीं संबंधों में एक मिठास का भाव भी देखने को मिलेगी।

गाजियाबाद जिला मानसिक रोग प्रकोष्ठ में तैनात मनोचिकित्सक डॉ. साकेत नाथ तिवारी का कहना है कि पूर्णबंदी में लोगों की आमदनी व आजादी कम हो गयी है और उनके पास फालतू वक्त एवं असुरक्षा की भावना बढ़ गयी है। लिहाजा तनाव बढ़ना लाजमी है। खासकर ऐसे लोग ज्यादा परेशान हो सकते हैं, जिन्हें अपनी कार और मकान की ईएमआइ देनी होती है। हम इस तनाव को नजरिया बदलकर दूर कर सकते हैं । पूर्णबंदी कोरोना का फैलाव रोकने के लिए जरूरी है । दूसरा, आप घर में रहकर देश समाज के लिए योगदान दे रहे हैं। तीसरा, यह अनंत काल की समस्या नहीं है। यह जल्द ही खत्म हो जाएगा। इसलिए देशबंदी के वक्त को छुट्टी की तरह इस्तेमाल करें। पति-पत्नी एक दूसरे को वक्त दें। बच्चों के साथ खेलें। समय बचे तो भविष्य की योजना तैयार करें।

भागदौड़ के बीच मिला यह विराम एक मायने में और हमारे जीवन को संवारने में सहायक सिद्ध हो सकता है। पति-पत्नी इस बीच एक दूसरे को समझने का प्रयास करें और एक-दूसरे के व्यक्तित्व में आए परिवर्तन पर भी ध्यान दें और उसी के अनुकूल अपना व्यवहार परिवर्तन करने के लिए खुद को तैयार करें। बल्कि बच्चों के मामले में भी लागू होती है। साथ ही अपने वातार्लाप में नकारात्मक शब्दों का प्रयोग कम से करें। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि- टेंशन मत लो -बोलने के बजाय- मस्त रहो-बोलना एक सकारात्मक ऊर्जा देने काम करेगा।

उन्होंने बताया कि दौड़ती-भागती जिन्दगी में एकाएक आये ठहराव का असर किसी के भी आचार-व्यवहार में साफ देखा जा सकता है। ऐसे ही समय में लोगों के धैर्य की असली परीक्षा होती है । इस समय अपनी बदली दिनचर्या में कुछ समय अपने शुभचिंतकों से फोन के जरिये जुड़कर भी पुरानी यादों को ताजा करने के साथ ही सम्बन्धों को फिर से एक ताजगी दे सकते हैं। इसके लिए भी सावधानी बरतने की जरूरत है कि एक दूसरे से फोन पर भी बात करते समय सिर्फ और सिर्फ कोरोना विषाणु के खतरों के बारे में वातार्लाप न करें। विभिन्न माध्यमों से लोग सिर्फ कोरोना के बारे में सुन-सुन कर ऊब चुके हैं, इसलिए उन्हें कुछ समय के लिए इससे हटकर बात करने की जरूरत महसूस होती है। इस पूर्णबंदी के वक्त प्रतिदिन कुछ समय के लिए वीडियो काल कर बाहर रह रहे अपनों से संपर्क में रह सकते हैं। इसके अलावा कुछ वक्त योगा करके तो कुछ समय पुस्तकों का अध्ययन करके बिता सकते हैं।

न किसी के घर जाएं और न किसी को घर बुलाएं

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव का मूल मन्त्र जरूरी सावधानी बरतने के साथ ही सामाजिक दूरी को बरकरार रखने में ही है। इसके लिए जरूरी है कि जब तक वायरस का खतरा बरकरार है तब तक न तो किसी के घर जाएँ और न ही किसी को अपने घर पर बुलाएं ।अगर आस-पड़ोस में किसी से बात करना बहुत ही जरूरी हो तो एक मीटर की दूरी बनाए रखें। साबुन से अच्छी तरह से हाथ धोएं ।

धारा 144 के उल्लंघन पर एक गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 6 अप्रैल।

चिल्ला- चिल्ला कर लोगों को एकत्रित कर रहे एक युवक को थाना फेस टू पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने युवक पर धारा 144 का उल्लंघन करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। रविवार रात थाना पुलिस को सूचना मिली की थाना क्षेत्र के गांव नंगला चरण दास में एक युवक पूर्णबंदी का पालन नहीं कर रहा है और रास्ते पर आकर जोर-जोर से चिल्लाते हुए लोगों को एकत्रित होने की बात कर रहा है। साथ ही कह रहा है कि मैंने कई जगह ट्वीट कर दिया है, सभी लोगों को छुड़ा लिया जाएगा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से अखिलेश कुमार गांव नंगला चरण दास को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 144 के उलंघन की कार्रवाई की है।

www.readwhere.com

खबर कोना

ला पाज (बोलिविया) में सोमवार को देशबंदी के दौरान महिला अपने बच्चे को बाजार ले जाती।

'देशबंदी के दौरान महिलाओं की रक्षा सुनिश्चित की जाए'

संयुक्त राष्ट्र, 6 अप्रैल (एएफपी)।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने दुनिया भर की सरकारों से अपील की है कि कोरोना विषाणु वैश्विक महामारी से निपटने की कार्रवाई के दौरान महिलाओं की रक्षा भी सुनिश्चित की जाए। गुतारेस ने कई भाषाओं में वीडियो और बयान जारी करके कहा कि हिंसा युद्ध के मैदान तक ही सीमित नहीं है। गुतारेस ने कहा कि कई महिलाओं और लड़कियों के लिए वहीं सबसे अधिक खतरा है, जहां उन्हें सबसे सुरक्षित होना चाहिए। उनके अपने घरों में। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सप्ताह में आर्थिक एवं सामाजिक दबाव और आशंकाएं बढ़ी हैं और ऐसे में हमने घरेलू हिंसा में वैश्विक स्तर पर खतरनाक बढ़ोतरी देखी है। गुतारेस ने कहा कि मैं सभी सरकारों से अपील करता हूं कि वे महिलाओं के खिलाफ हिंसा को रोकने और उनकी परेशानी को दूर करने को कोविड-19 के खिलाफ राष्ट्रीय कार्रवाई योजनाओं में अहम हिस्सा बनाएं। गुतारेस ने दवाइयों और राशन की दुकानों में आपात चेतावनी प्रणालियां बनाने और महिलाओं के लिए ऐसे सुरक्षित तरीके खोजने की अपील की है कि वे अपना उत्पीड़न करने वालों को सतर्क किए बिना सहायता मांग सकें। महासचिव ने कहा कि कोविड- 19 को काबू करने के प्रयासों के दौरान हम मिलकर युद्ध भूमि से लेकर घरों तक हर जगह हिंसा को रोक सकते हैं। और हमें उसे रोकना चाहिए।

कोविड-19 : 'चीन को पूरा सच बताना चाहिए'

वाशिंगटन, 6 अप्रैल (भाषा)।

कोविड-19 के संक्रमण से उबरे भारतीय मूल के एक प्रख्यात अमेरिकी वकील ने कहा कि वह चाहते हैं कि चीन इस घातक रोगाणु का पूरा सच दुनिया को बताए ताकि वैज्ञानिक एवं चिकित्सक इसका इलाज खोज सकें। साथ ही उन्होंने कहा कि टीका उपलब्ध नहीं होने तक कोई भी बाहर नहीं जाए। न्यूयार्क अमेरिका में कोरोना संक्रमण के केंद्र के तौर पर उभरा है। न्यूयार्क के वकील रवि बत्रा ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि मानवता इस घातक कोरोना विषाणु से उबर जाए। मैं चीन से उम्मीद करता हूं कि वह सबको पूरा सच बताए ताकि न सिर्फ हमारे हीरो डॉ एंथनी फाउची बल्कि प्रत्येक देश के वैज्ञानिक और डॉक्टर 'मूल स्रोत' के डेटा का इस्तेमाल कर जल्द से जल्द एक टीका खोज सकें।' बत्रा और उनका परिवार हाल ही में कोविड-19 से उबरा है। यह बीमारी दुनिया भर में करीब 70,000 लोगों को मौत की नींद सुला चुकी है। उन्होंने कहा, 'मौत के करीब से लौटने के बाद, मैं अच्छा करने के लिए उत्साहित हूं जितना मैं पहले कभी नहीं था।' उनके अलावा, उनकी पत्नी रंजू और बेटी एंजेला भी संक्रमित पाई गई थी। बत्रा ने कहा, 'जब तक कि कोई टीका नहीं उपलब्ध हो जाता, कोई भी काम के लिए, खेलने या स्कूल जाने के लिए बाहर नहीं निकलेगा। राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, वैश्विक अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित है और यह जल्द ठीक नहीं होने वाली है।' इस हफ्ते की शुरुआत में बत्रा की संयुक्त राष्ट्र में चीन के राजदूत झांग जुन से ट्विटर पर बहस हो चुकी है।

रेलवे ने 2,500 डिब्बे पृथक वार्ड में तब्दील किए

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना वायरस से निपटने के लिए 5,000 डिब्बों को पृथक वार्ड बनाने की मुहिम के प्रथम चरण में रेलवे ने 2,500 डिब्बों को पृथक वार्ड में तब्दील कर दिया है। रेलवे ने एक बयान में कहा कि 2,500 डिब्बों को पृथक वार्ड बनाने के बाद अब 40,000 बिस्तर (बेड) इस्तेमाल के लिए तैयार हैं। उसने कहा, 'प्रोटोटाइप को स्वीकृति मिलते ही ज़ोनल रेलवे द्वारा इन्हें पृथक वार्ड बनाने का काम शुरू किया गया। भारतीय रेलवे प्रतिदिन औसतन करीब 375 डिब्बों को पृथक वार्ड में तब्दील कर रहा है। देश में 133 स्थानों पर यह काम जारी है।' बयान में कहा, 'डिब्बों में चिकित्सीय परामर्श के अनुसार सभी चीजें उपलब्ध हैं। आवश्यकताओं और मानदंडों के अनुसार सर्वोत्तम संभव प्रवास और चिकित्सा पर्यवेक्षण सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।' रेलवे ने कहा कि इन पृथक वार्ड को स्वास्थ्य मंत्रालय आपात स्थिति में इस्तेमाल करने के लिए तैयार करा रहा है।

कोरोना से अमेरिका में दस व दुनिया में 70 हजार की मौत

वाशिंगटन/लंदन, 6 अप्रैल (एएफपी)।

इस साल जनवरी के आखिर में कोरोना विषाणु की शुरूआत होने के बाद से अमेरिका में 10,000 से अधिक लोग इस बीमारी की वजह से मौत का शिकार बन चुके हैं। जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। उधर इस महामारी से अब तक दुनिया भर में 70,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। उनमें से करीब 50,000 लोगों की मौत यूरोप में हुई है।

कोरोना विषाणु के कारण दुनिया भर में 70,000 से अधिक लोगों की मौत हो जाने के बीच अमेरिका अब तक के सबसे खराब दौर से गुजर रहा है वहीं ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन अस्पताल में भर्ती हैं। हालांकि यूरोप के कुछ देशों में स्थिति में सुधार के संकेत मिले हैं। इस संकट के गहराने के बीच विश्व नेताओं ने ऐतिहासिक मंदी आने को लेकर आगाह किया है। जापान ने सोमवार को आपातकाल घोषित करने और बाजार को एक हजार अरब डॉलर का पैकेज देने की योजना की घोषणा की। वहीं फ्रांस ने आगाह किया है कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद सबसे गंभीर आर्थिक मंदी आ सकती है। ब्रिटिश सरकार ने कहा कि प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन कोविड-19 से जुड़ी कुछ नियमित जांच के लिए रातभर अस्पताल

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन अस्पताल में भर्ती

में रहने के बाद अब ठीक महसूस कर रहे हैं। ब्रिटेन के आवास एवं सामुदायिक मामलों के मंत्री रॉबर्ट जेनरिक ने कहा कि जॉनसन कोरोना विषाणु वैश्विक महामारी के खिलाफ ब्रिटिश अभियान की कमान संभाले हुए हैं और वह जल्द ही 10 डाउनिंग स्ट्रीट में वापसी करेंगे। यूरोप में मिलीजुली तस्वीर दिख रही है और आस्ट्रिया और इटली जैसे कुछ देश लॉकडाउन प्रतिबंधों में ढील देने पर विचार कर रहे हैं। उधर मृतकों का आंकड़ा लगातार बढ़ने के साथ अमेरिका के स्वास्थ्य अधिकारियों ने चेताया है कि आने वाला हफ्ता पर्ल हार्बर जैसा क्षण हो सकता है। देश में वैश्विक महामारी संकट से उबरने के लिए नीति बना रहे वरिष्ठ वैज्ञानिक एंथनी फाउची ने बड़े खतरे को लेकर आगाह किया और कहा कि अमेरिकियों को बुरे हफ्ते के लिए तैयार रहना चाहिए। अमेरिकी सर्जन जनरल जेरोम एडम्स ने और सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए फॉक्स न्यूज से कहा, यह ज्यादातर अमेरिकियों की जिंदगी में सबसे मुश्किल और दुख भरा हफ्ता होने जा रहा है।

अमेरिका में चार भारतीयों की मौत

न्यूयार्क, 6 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिका में चार भारतीय नागरिकों की कोरोना विषाणु से मौत हो गई है। एक मलयाली प्रवासी संगठन ने यह जानकारी दी है। न्यूयार्क में अलेयम्मा कुरियाकोसे (65) की कोविड-19 से जान चली गई। फेडरेशन ऑफ केरल एसोसिएशन इन नोर्थ अमेरिका ने तीन अन्य भारतीयों— थंकचान एनचेनाट्टू (51), अब्राहम सैम्युअल (45) और शॉन अब्राहम (21) की कोरोना विषाणु से मौत हो गई। न्यूयार्क में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह मृतकों के परिवारों के संपर्क में है।

चीन में कोरोना संक्रमण के नए दौर की आशंका

बेजिंग, 6 अप्रैल (भाषा)।

चीन ने विदेशों से कोरोना विषाणु से संक्रमित होकर आए लोगों की संख्या 951 तक पहुंच जाने और लक्षण नहीं नजर आने वाले मरीजों की संख्या भी बढ़ जाने के बाद सोमवार को सीमा नियंत्रण उपाय तेज कर दिए। ऐसे में, नियंत्रण के पुरजोर प्रयासों के बाद भी खासकर विदेशों से चीनियों के लौटने से कोविड-19 संक्रमण के एक और दौर की आशंका प्रकट की जा रही है।

बेजिंग के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने आगाह किया है कि चीन की राजधानी बेजिंग में बचाव एवं नियंत्रण कार्य को जल्द रोकने की कोई संभावना नहीं है।

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) के प्रवक्ता मी फेंग ने सोमवार को मीडिया से कहा कि कोरोना विषाणु से संक्रमित होकर आए लोगों की संख्या रविवार को 951 तक पहुंच गई क्योंकि चीन कोविड-19 से जूझ रहे विभिन्न देशों से अपने अधिक नागरिकों को वापस लाया है। मी ने कहा कि चीन पर खासकर पड़ोसी देशों से आयातित मामलों से दबाव लगातार बढ़ रहा है। उनका बयान चीन के बंदरगाह शहर सूफेन्हे में 20 आयातित संक्रमण मामलों की खबर आने के बाद आया है।

इस शहर की जनसंख्या 70000 है और यह रूस की सीमा से सटा है। फिलहाल चीन ने विदेशियों के प्रवेश पर रोक लगा रखी है और वह बस चीनियों को स्वदेश लौटने दे रहा है। देश भर से रविवार को कोविड-19 के 39 नए मामले सामने आए जिसमें से 38 विदेशों से संक्रमित होकर आए लोग शामिल हैं। इससे कोविड-19 संक्रमण का दूसरे दौर की आशंका प्रकट की जा रही है। एनएचसी ने बताया कि नया घरेलू मामला गुआंगदोंग प्रांत से सामने आया जो बड़ा औद्योगिक क्षेत्र है।

'मास्क कोरोना को खत्म करने का उपाय नहीं'

जेनेवा, 6 अप्रैल (एएफपी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सोमवार को आगह किया कि कोरोना विषाणु से निपटने के लिए सिर्फ मास्क पहना ही काफी नहीं है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम ग्रेब्युरेसस ने वीडियो संवाददाता सम्मेलन में कहा, मास्क को सिर्फ बचाव के तौर पर पहना जा सकता है। यह कोई हल नहीं है। सिर्फ मास्क पहनने से कोविड-19 महामारी को नहीं रोका जा सकता।

ब्रिटेन की महारानी ने कहा, हम होंगे कामयाब

लंदन, 6 अप्रैल (भाषा)।

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ-द्वितीय ने कोरोना विषाणु के खतरे के बीच राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि स्व-अनुशासन और संकल्प से लोग इस विषाणु से जीतेंगे और देश में अच्छे दिनों की वापसी होगी। महारानी ने लोगों का एकजुट होने की आह्वान करते हुए कहा कि हम होंगे कामयाब। ब्रिटेन में अब तक इस विषाणु से करीब पांच हजार लोगों की मौत हो चुकी है।

ब्रिटेन शाही परिवार की 93 साल की महारानी और 54 सदस्यों वाले राष्ट्रमंडल देशों की प्रमुख ने कहा कि वह इस 'उथल-पुथल के समय' में दुनिया के दुख, पीड़ा और आर्थिक कठिनाइयों को समझ सकती हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि पूरी दुनिया इस समान प्रयास के लिए एकजुट हो रही है। इस सप्ताह की शुरुआत में विंडसर प्लेस में चार मिनट का यह भाषण रिकॉर्ड किया गया था। रविवार को प्रसारित इस भाषण में महारानी ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि आने वाले दिनों में लोग इस बात पर गर्व करेंगे कि उन्होंने किस तरह से इस चुनौती से पार पाया था। उन्होंने कहा कि मैं एक ऐसे समय में आपसे मुखातिब हूं जिसके बार में मुझे पता है कि यह काफी मुश्किलों भरा दौर है। हमारे देश में यह उथल-पुथल का समय है, जो कुछ लोगों की जिंदगियों में दुख लेकर आया, कुछ लोगों की जिंदगियों में वित्तीय दिक्कतें लेकर आया और हमारे रोजमर्रा के जीवन में ढेर सारा बदलाव लाया। इस भाषण को बीबीसी के मात्र एक कैमरापर्सन ने रिकॉर्ड किया जिन्होंने पूरा रक्षात्मक कवच पहन रखा था जबकि अन्य तकनीकी कर्मी दूसरे कमरे में काफी दूरी पर मौजूद थे।

अमेरिका के चिड़ियाघर में संक्रमित मिली बाघिन

न्यूयार्क, 6 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिका के प्रसिद्ध ब्रांक्स चिड़ियाघर में मलय प्रजाति की एक बाघिन कोरोना विषाणु से संक्रमित पाई गई है। संभवतः उसे चिड़ियाघर के लक्षणमुक्त एक कर्मचारी से संक्रमण हुआ। इस मामले को अमेरिका में किसी जानवर के कोरोना विषाणु से संक्रमित होने का पहला ज्ञात मामला माना जा रहा है। इसके साथ ही मानव से जानवर में इस घातक विषाणु के संक्रमण को लेकर नए प्रश्न उठ खड़े हुए हैं। नादिया नाम की यह बाघिन चार साल की है।

चिड़ियाघर का प्रबंधन देखने वाली वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन सोसाइटी ने कहा कि नादिया के साथ ही उसकी बहन एजुल, दो आमुर बाघ और तीन अफ्रीकी शेरों को पिछले महीने के अंत में सूखी खांसी हुई थी और उनकी भूख कम हो गई थी।

कोरोना विषाणु मास्क पर हफ्ते भर, बैंक नोट पर कई दिनों तक रह सकता है जिंदा

बेजिंग, 6 अप्रैल (भाषा)।

कोविड-19 बीमारी के लिए जिम्मेदार कोरोना वायरस चेहरे पर लगाए जाने वाले मास्क पर हफ्ते भर तक और बैंकनोट, स्टील एवं प्लास्टिक की सतह पर कई दिनों तक जिंदा रहकर संक्रमण फैलाने में सक्षम होता है। एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है।

हांगकांग यूनिवर्सिटी के अनुसंधानकर्ताओं का कहना है यह विषाणु घर में इस्तेमाल होने वाले कीटाणुनाशकों, ब्लीच या साबुन और पानी से बार-बार हाथ धोने से मर जाएगा। अध्ययन में पाया गया कि कोरोना विषाणु स्टेनलेस स्टील और प्लास्टिक की सतहों पर चार दिन तक चिपका रह सकता है और चेहरे पर लगाए जाने वाले मास्क की बाहरी सतह पर हफ्तों तक जिंदा रह सकता है। यह अध्ययन सार्स-सीओवी-2 की स्थिरता को लेकर लगातार हो रहे अनुसंधानों में और जानकारी जोड़ता है तथा बताता है कि इसको फैलने से कैसे रोका जा सकता है। हांगकांग यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के अनुसंधानकर्ताओं लियो पून लितमैन और मलिक पेरीज ने कहा, 'सार्स-सीओवी-2 अनुकूल वातावरण में बेहद स्थिर रह सकता है लेकिन यह रोगाणु मुक्त करने के मानक तरीकों के प्रति अतिसंवेदनशील भी है।' अनुसंधानकर्ताओं ने जांचने की कोशिश की कि यह विषाणु सामान्य ताप पर विभिन्न सतहों पर कितनी देर संक्रामक रह सकता है। उन्होंने पाया कि प्रिंटिंग और टिशू पेपर पर यह तीन घंटे जबकि लकड़ी या कपड़े पर यह पूरा एक दिन रह सकता है। कांच और बैंकनोट पर यह वायरस चार दिन तक जबकि स्टेनलेस स्टील और प्लास्टिक पर चार से सात दिन के बीच संक्रामक रहा। यह अध्ययन 'द लांसेट' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

अगस्ता वेस्टलैंड मामले में मिशेल की अंतरिम जमानत पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो एवं प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दर्ज अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर घोटाले के मामले में गिरफ्तार किए गए क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की अंतरिम जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। हेलिकॉप्टर घोटाले में गिरफ्तार कथित बिचौलिए ने तिहाड़ जेल में कोरोना वायरस के संक्रमण के खतरे का हवाला देते हुए जमानत की अर्जी दायर की थी।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई करने वाली न्यायाधीश न्यायमूर्ति मुक्ता गुप्ता ने माइकल तथा केंद्रीय जांच ब्यूरो एवं प्रवर्तन निदेशालय के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनीं। दोनों जांच एजंसियों ने माइकल की अंतरिम जमानत अर्जी का विरोध किया। माइकल (59) ने दावा किया है कि उसकी सेहत ठीक नहीं है और इस हालत में वह जेल में रहने की स्थिति में नहीं है। खासकर ऐसे समय में जब उसे कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा है, जिसका उसके स्वास्थ्य पर घातक असर हो सकता है क्योंकि वह पहले से ही गंभीर बीमारी से ग्रसित है। माइकल ने अपने अधिवक्ताओं विष्णु शंकर एवं एके जोसेफ की ओर से दायर याचिका में कहा है कि उसकी उम्र और पहले से उसे जो बीमारियां हैं उन्हें देखते हुए उसे कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा ज्यादा है। याचिका में कहा गया है कि इसके अलावा, जेल में मौजूद कोविड-19 के संक्रमित मरीजों से याचिकाकर्ता को खतरा हो सकता है। पिछले हफ्ते शीर्ष न्यायालय ने माइकल से कहा था कि वह जमानत के लिए पहले हाई कोर्ट जाए। याचिका में प्रधानमंत्री के भाषण का भी हवाला दिया गया है जिसमें कोरोना वायरस से बचने के लिए 24 मार्च को 21 दिन के लाकडाउन का भी जिक्र है। मिशेल की नियमित जमानत याचिका हाई कोर्ट में लंबित है जहां दोनों जांच एजंसियों ने कहा कि आरोपी को राहत नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि उसके प्रभावशाली लोगों से संबंध हैं और वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है।

'कोरोना से निपटने के लिए प्रधानमंत्री सभी दलों के नेताओं से विचार करें'

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

भाकपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कोरोना विषाणु से निपटने के लिए सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ विचार-विमर्श करने की मांग की है, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर कारगर रणनीति को सभी के सहयोग से लागू किया जा सके।

भाकपा के महासचिव डी राजा ने सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर यह सुझाव दिया है। राजा ने कोरोना विषाणु संक्रमण फैलने से उपजे गंभीर हालात का हवाला देते हुए कहा है कि इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार, राजनीतिक दलों एवं अन्य पक्षकारों को एकजुट कर राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास करना चाहिए।

PUBLIC ANNOUNCEMENT

(This is a public announcement for information purposes only and not for publication or distribution outside India and is not an Offer Document)

Kosamattam Finance

KOSAMATTAM FINANCE LIMITED

Our Company was incorporated on March 25, 1987, as 'Standard Shares and Loans Private Limited', a private limited Company under the Companies Act, 1956 with a certificate of incorporation issued by Registrar of Companies, Kerala and Lakshadweep, at Kochi. ("**RoC**"). The name of our Company was changed to 'Kosamattam Finance Private Limited' pursuant to a resolution passed by the shareholders of our Company at the EGM held on June 2, 2004 and a fresh certificate of incorporation dated June 8, 2004 issued by the RoC. Subsequently, upon conversion to a public limited company pursuant to a special resolution of the shareholders of our Company dated November 11, 2013, the name of our Company was changed to 'Kosamattam Finance Limited' and a fresh certificate of incorporation was issued by the RoC on November 22, 2013. Our Company has obtained a certificate of registration dated December 19, 2013 bearing registration no. B-16.00117 issued by the Reserve Bank of India ("**RBI**") to carry on the activities of a non-banking financial company without accepting public deposits under Section 45 IA of the RBI Act, 1934. For details of changes in our name and registered office, see 'History and Certain Other Corporate Matters' on page 92 of the prospectus dated March 17, 2020 ("**Prospectus**").

Registered and Corporate Office: Kosamattam Mathew K. Cherian Building, M. L. Road, Market Junction, Kottayam - 686 001, Kerala, India; **Corporate Identity Number**: U65929KL1987PLC004729; **Tel**: +91 481 258 6400; **Fax**: +91 481 258 6500; **Website**: www.kosamattam.com; **Company Secretary and Compliance Officer**: Sreenath P. **Tel**: +91 481 258 6506; **Fax**: +91 481 258 6500; **E-mail**: cs@kosamattam.com

PUBLIC ISSUE BY KOSAMATTAM FINANCE LIMITED, ("COMPANY" OR "ISSUER") OF SECURED, REDEEMABLE, NON-CONVERTIBLE DEBENTURES ("SECURED NCDs") AND UNSECURED REDEEMABLE NON-CONVERTIBLE DEBENTURES ("UNSECURED NCDs") OF FACE VALUE OF ₹ 1,000 EACH ("NCDS"), AT PAR, AGGREGATING UP TO ₹ 15,000 LAKHS, HEREINAFTER REFERRED TO AS THE "BASE ISSUE" WITH AN OPTION TO RETAIN OVER-SUBSCRIPTION UP TO ₹ 15,000 LAKHS, AGGREGATING UP TO ₹ 30,000 LAKHS, HEREINAFTER REFERRED TO AS THE "OVERALL ISSUE SIZE" (THE "ISSUE"). THE UNSECURED REDEEMABLE NON-CONVERTIBLE DEBENTURES WILL BE IN THE NATURE OF SUBORDINATED DEBT AND WILL BE ELIGIBLE FOR TIER II CAPITAL. THE ISSUE IS BEING MADE PURSUANT TO THE PROVISIONS OF SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE AND LISTING OF DEBT SECURITIES) REGULATIONS, 2008, AS AMENDED ("SEBI DEBT REGULATIONS"). THE COMPANIES ACT, 2013 AND RULES MADE THEREUNDER AS AMENDED TO THE EXTENT NOTIFIED.

PROMOTERS: Our Promoters are Mathew K. Cherian, Laila Mathew and Jilu Saju Varghese.

ISSUE OPEN NOW CLOSES ON: TUESDAY, MAY 5, 2020

ADDENDUM CUM CORRIGENDUM NOTICE TO THE PROSPECTUS DATED MARCH 17, 2020

This Addendum cum Corrigendum is with respect to the Prospectus dated March 17, 2020 filed with RoC, Stock Exchange and SEBI. This is to inform the investors of that due to the current countrywide lockdown imposed by the Government of India for a period of 21 days with effect from March 25, 2020 barring certain essential services, to combat the spreading of novel coronavirus ("**COVID-19**"). Pursuant to the communications received from Securities and Exchange Board of India vide email dated March 31, 2020 and April 01, 2020, the Debenture Committee of our Company has, at its meeting held on April 03, 2020, decided to extend of the Issue for 21 days from the earlier Issue Closing Date i.e., April 15, 2020 to May 5, 2020. On page 45 of the Prospectus under heading "Minimum Subscription", the specified period as stated in para 2 shall mean the revised closing date i.e., May 5, 2020.

For withdrawal or modification of Applications during the Issue Period, see "Issue Procedure" on page 160 of the Prospectus.

The Prospectus shall be read in conjunction with this Addendum cum Corrigendum on account of the extension of the Issue Closing Date. The information in this Addendum cum Corrigendum supersedes the information in the Prospectus to the extent inconsistent with the information in the Prospectus. Unless otherwise specified, all capitalised terms used herein shall have the same meaning ascribed to such terms in the Prospectus.

DISCLAIMER CLAUSE OF BSE: It is to be distinctly understood that the permission given by BSE should not in any way be deemed or construed that the Prospectus has been cleared or approved by BSE nor does it certify the correctness or completeness of any of the contents of the Prospectus. The investors are advised to refer to the Prospectus for the full text of the Disclaimer Clause of the BSE Limited.

DISCLAIMER CLAUSE OF RBI: The Company is having a valid certificate of registration dated December 19, 2013 bearing registration no. B-16.00117 issued by the Reserve Bank of India under section 45 IA of the Reserve Bank of India Act, 1934. However, RBI does not accept any responsibility or guarantee about the present position as to the financial soundness of the company or for the correctness of any of the statements or representations made or opinions expressed by the company and for repayment of deposits/ discharge of liability by the company.

For **Kosamattam Finance Limited**
Sd/-
Mathew K. Cherian
Chairman and Managing Director
(DIN : 01286073)

Place: Kottayam
Date: April 06, 2020

Disclaimer: *Kosamattam Finance Limited is subject to market conditions and other considerations, proposing a public issue of Secured and Unsecured Redeemable Non-Convertible Debentures and has filed the Prospectus with the Registrar of Companies, Kerala and Lakshadweep, BSE Limited and SEBI (for record purposes). The Prospectus is available on our website at www.kosamattam.com, on the website of the stock exchange at www.bseindia.com and the website of the Lead Managers at www.kanyinvestmentbanking.com and www.smccapitals.com. All investors proposing to participate in the public issue of NCDs by Kosamattam Finance Limited should invest only on the basis of information contained in the Prospectus. Please see section entitled "Risk Factors" beginning on page 16 of the Prospectus for risk in this regard.*

Advt.no.487

आंध्र प्रदेश में कोरोना से दो लोगों की मौत

अमरावती, 6 अप्रैल (भाषा)।

आंध्र प्रदेश में कोरोना विषाणु संक्रमण के कारण दो और लोगों की मौत हो जाने से राज्य में इस घातक विषाणु से मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। सरकार ने सोमवार को बताया कि राज्य में रविवार रात से संक्रमण के 14 नए मामले सामने आए हैं और इसके साथ ही राज्य में संक्रमित कुल लोगों की संख्या बढ़कर 266 हो गई।

चिकित्सकीय एवं स्वास्थ्य विभाग ने एक बुलिटेन जारी करके कहा कि राज्य में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। पिछले कुछ दिनों में पांच मरीज उपचार के बाद स्वस्थ हुए हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

राज्य में कोरोना विषाणु से संक्रमित 258 लोगों का इलाज अभी चल रहा है। चिकित्सकीय एवं स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को जारी ताजा बुलिटेन में कहा कि मक्का से लौटने के बाद एक अप्रैल को कोरोना विषाणु से संक्रमित पाए गए अनंतपुरम निवासी 64 वर्षीय व्यक्ति की चार अप्रैल को अस्पताल में मौत हो गई। मछलीपटनम में 55 वर्षीय एक अन्य व्यक्ति की चार अप्रैल को कोरोना विषाणु के कारण मौत हो गई। वह व्यक्ति देश में ही संक्रमित हुआ था। वह पिछले महीने ओडिशा से ट्रेन से आया था। उसे दो अप्रैल को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

एक समय के भोजन का त्याग कर रहा हूं : येदियुरप्पा

बंगलुरू, 6 अप्रैल (भाषा)।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने सोमवार को कहा कि वह भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर लॉकडाउन के दौरान कष्ट झेल रहे लोगों के प्रति एकजुटता प्रकट करने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अपील पर अमल करते हुए एक समय के भोजन का त्याग करेंगे।

78 वर्षीय मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कोरोना वायरस से निपटने की कोशिशों को अमलीजामा पहनाने के लिए अग्रिम मोर्चे पर खड़े लोगों के प्रति सम्मान और समर्थन का प्रतीक है। येदियुरप्पा ने कहा, 'हम आज भाजपा का 40वां स्थापना दिवस सादा तरीके से मना रहे हैं। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं से कोरोना वायरस के खिलाफ देश के संघर्ष के लिए दिन-रात काम कर रहे चिकित्सकों, नर्सों, पुलिसकर्मियों, सरकारी कर्मचारियों, आशा कर्मियों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए आज एक समय के भोजन का त्याग करने को कहा है।' उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा, 'मैं भी एक समय के भोजन का त्याग कर रहा हूं। मैं पार्टी कार्यकर्ताओं से भी ऐसा ही करने की अपील करता हूं।'

उल्लेखनीय है कि नड्डा ने भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश जारी किए हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन्हें ट्वीट कर कार्यकर्ताओं से इन निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

www.readwhere.com

जनसत्ता

संकट और मदद

कोरोनो महामारी से निपटने के लिए पैसा जुटाने के मकसद से केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री, मंत्रियों और सांसदों के वेतन में एक साल के लिए तीस फीसद की कटौती करने और सांसद निधि को दो साल के लिए निलंबित करने का जो फैसला किया है, वह स्वागतयोग्य कदम है। अभी सरकार के सामने सबसे बड़ी मुश्किल यही है कि इस महामारी से लोगों के बचाने के लिए पैसा कहां से आएगा। सरकार की माली हालत पहले से ही खराब है, ऐसे में देश के सामने अचानक यह बड़ी विपत्ति भी आ गई, जिससे उबरने में लंबा वक्त लग सकता है और लाखों करोड़ रुपए का खर्च अलग से। फौरी मदद के तौर पर सरकार ने पिछले दिनों पौने दो लाख करोड़ रुपए का पैकेज जारी किया। हालांकि इसे कहीं से भी पर्याप्त नहीं कहा जा सकता। जाहिर है, कोरोना से जंग के लिए आने वाले दिनों में काफी ज्यादा पैसे की जरूरत पड़ेगी। इस संकट को देखते हुए प्रधानमंत्री की पहल पर इस दिशा में बढ़ा गया और सोमवार को कैबिनेट ने इसे हरी झंडी दे दी। यह कटौती तत्काल प्रभाव यानी एक अप्रैल से लागू होगी। सांसदों और मंत्रियों के अलावा राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और कई राज्यों के राज्यपाल भी अपने वेतन का तीस फीसद हिस्सा कोरोना के लिए देंगे।

कोरोना का संकट मामूली नहीं है। आज देश में स्वास्थ्य सेवाएं जिस हाल में हैं, उनके भरोसे इस महामारी का मुकाबला कर पाना संभव नहीं है। अभी सबसे पहली और तात्कालिक जरूरत कोरोना संक्रमितों के इलाज में लगे डाक्टरों और चिकित्साकर्मियों को उनकी सुरक्षा के जरूरी सामान और उपकरण, मास्क और आवश्यक दवाइयां और वेंटिलेटर जैसे जीवनरक्षक यंत्र उपलब्ध कराने की है। व्यापक स्तर पर कोरोना की जांच का अभियान चलाया जाना है, ताकि संदिग्ध मरीजों का पता लगा कर उन्हें अलग किया जा सके और उपचार दिया सके। कोरोना की जांच के लिए प्रयोगशालाओं की कमी है। भारत की आबादी की तुलना में जांच के किट अपर्याप्त हैं। इसलिए अभी भारत में बड़े स्तर पर लोगों की जांच का काम शुरू नहीं हो पाया है। कई राज्यों में तो हालात इतने खराब हैं कि एक ही मास्क से चिकित्साकर्मियों को कई दिन तक काम चलाना पड़ रहा है। ऐसे में अगर कोरोना से लड़ने में पैसे की कमी बाधा बनी तो यह महामारी भयानक रूप धारण कर सकती है।

इसमें कोई शक नहीं कि देश के समक्ष संकट को देखते हुए बड़ी संख्या में उद्योगपति, फिल्म और खेल जगत की हस्तियां, कारपोरेट क्षेत्र, सामाजिक संस्थाएं सब साथ आए हैं और अपनी क्षमता के अनुरूप सरकार के कोष को भर रहे हैं। सबका मकसद सिर्फ यही है कि महामारी को फैलने से रोका जाए और देश जल्द ही इस संकट से उबरे। राजस्थान, महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओड़ीशा जैसे राज्य भी अपने यहां इस तरह के कदम उठा चुके हैं। राजस्थान सरकार ने अपने मंत्रियों और विधायकों को पचहत्तर फीसद तक और कर्मचारियों को आधा वेतन देने का फैसला किया है। महाराष्ट्र और तेलंगाना ने भी इसी तरह की कटौती का फैसला किया है। राज्यों को अपने स्तर आर्थिक संसाधन जुटाने के लिए विधायक निधि को भी कुछ समय के लिए स्थगित करने का फैसला करना चाहिए। अगर देश की सभी राज्य सरकारें ऐसा कल्याणकारी कदम उठाएं तो इसमें कोई दो राय नहीं कि कोरोना से निपटने के लिए बड़ा कोष बन जाएगा और भारत को किसी की मदद नहीं पड़ेगी।

मरकज और सवाल

अगर तबलीगी मरकज ने लापरवाही नहीं की होती तो देश में कोरोना को बड़े पैमाने पर फैलने से रोका जा सकता था। दिल्ली में कोरोना संक्रमित जितने लोग सामने आए हैं, उनमें से कम से कम तीस फीसद मरीज तबलीगी मरकज की देन हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी इस बात की पुष्टि की है कि कोरोना संक्रमण फैलने की दर में तेजी मरकज से निकले लोगों की वजह से ही आई। खौफनाक यह है कि सिर्फ दिल्ली ही नहीं, तबलीगी मरकज से देश के ज्यादातर हिस्सों में लोग पहुंचे और दूसरों को संक्रमित किया। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों में कोरोना संक्रमित मरीजों में ऐसे लोगों की संख्या कम नहीं है जो पिछले दिनों से मरकज से लौटे हैं। अब जैसे-जैसे मरकज के भीतर जांच का दायरा बढ़ रहा है, तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। सैकड़ों लोगों का रोजाना बेरोकटोक आना-जाना, केंद्र और दिल्ली सरकार की सख्ती के बाद भी गुपचुप तौर पर आयोजनों का जारी रहना, मरकज में लोगों का छिपे रहना आदि ऐसे सवाल हैं जो हमारी खुफिया व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस तंत्र, सरकार प्रशासन सभी को कठघरे में खड़ा करते हैं।

दिल्ली में जिस जगह तबलीगी मरकज है, वह कोई ऐसा इलाका भी नहीं है जहां किसी की नजर न पड़ती हो, महानगर के बीचोंबीच है। मरकज से सटा पुलिस थाना है। ऐसे में तबलीगी मरकज की हर गतिविधि चलते रहने के लिए सरकार और पुलिस को क्यों नहीं जिम्मेवार ठहराया जाना चाहिए? और सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात तो यह कि मरकज का मुखिया मौलाना साद अभी तक पुलिस पुलिस की पकड़ से बाहर है। जमात के आयोजन के नाम बीस-पच्चीस दिन तक मौलाना साद जिस तरह से लोगों को वहां जमा करता और लोगों में संक्रमण के शिकार होते रहे, वह किसी आपराधिक कृत्य से कम नहीं है। मरकज में पिछले महीने उन देशों से भी बड़ी संख्या में लोग आते-जाते रहे जहां कोरोना तेजी से फैला हुआ है। जबकि मार्च में ही सरकार ने कोरोना संक्रमित देशों से आने वालों पर कड़ी नजर रखनी शुरू कर दी थी, फिर भी तबलीगी जमात में लोग आते रहे और देश के भीतर घूमते रहे। इतनी ही नहीं, पहले के मुकाबले इन दिनों पूरे देश में जिस तरह की सख्ती और पूर्ण बंदी है, उसमें भी गुजरे रविवार को तबलीगी जमात में आए कुछ मलेशियाई नागरिक इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे भागते हुए पकड़े गए। सवाल है कि इतने दिनों तक ये बचे कैसे रहे, कहां छिपे रहे, किसी को जानकारी थी इसकी? ये घटनाएं बता रही हैं कि तबलीगी मरकज ने हमारे निगरानी तंत्र की भी पोल खोल कर रख दी है।

तबलीगी मरकज के बारे में अब चौंकाने वाली जानकारी यह सामने आई है कि मरकज का निर्माण पूरी तरह से अवैध है। अब नगर निगम के अधिकारियों की आंखें खुलीं और अवैध निर्माण को लेकर मरकज के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। लेकिन सवाल है अब तक नगर निगम क्या करता रहा? इतनी बड़ी इमारत कोई एक दिन में तो खड़ी हो नहीं गई! जैसा कि बताया जा रहा है कि सिर्फ ढाई मंजिल का ही नक्शा पास है, तो फिर कैसे सात मंजिल बनती चली गईं और नगर निगम सोता रहा? अवैध निर्माण को लेकर मरकज के खिलाफ तो कार्रवाई हो ही, साथ ही उन लोगों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, जिनकी मेहरबानी से यह मरकज इतना फल-फूल गया और आज बड़ी तबाही का कारण बन गया।

कल्पमेधा

बिना ज्ञान के स्वतंत्रता हमेशा दुखदायी होती है
और बिना स्वतंत्रता के ज्ञान हमेशा बेकार।
– जॉन एफ कैनेडी

संकट में आदिवासी

रिजवान अंसारी

स्वास्थ्य एवं कुपोषण की समस्या आर्थिक पिछड़ेपन एवं असुरक्षित आजीविका के साधनों के चलते ही गंभीर हो चली है। सबसे पहले तो, जनजातीय समुदायों की भूमि और वन अधिकारों की रक्षा करने की जरूरत है, ताकि उनकी आजीविका, जीवन और आजादी की हिफाजत हो सके। जनजातीय भूमि के प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार को संरक्षित किया जाना सबसे जरूरी है।

आदिवासियों पर जुल्म और शोषण का लंबा इतिहास रहा है और समय-समय पर कई रूपों में यह सामने आता रहा है। लेकिन, आदिवासियों में भुखमरी अब एक बड़े संकट के रूप में उभर कर सामने आ रही है। हाल में झारखंड के बोकारो में भूखल घासी नामक एक व्यक्ति की मौत ने फिर से साबित किया कि सरकारें आदिवासियों की सुरक्षा के मोर्चे पर विफल रही है। घासी के परिवारजनों का कहना है कि पिछले कई दिनों से उनके घर में खाने के लिए कुछ नहीं था। हालांकि, यह ऐसी कोई पहली घटना नहीं है। झारखंड से ऐसे मामले लगातार आ रहे हैं। नवंबर, 2018 में पश्चिम बंगाल में कुपोषण के कारण सात आदिवासियों की मौत हो गई थी और मामला चर्चा में रहा था। 2019 में भी भूख के चलते आदिवासियों की मौत की खबरें रोशनी में आती रहीं।

एक अनुमान के मुताबिक 1967 के बाद से अब तक केवल झारखंड (जो पहले बिहार का हिस्सा था) में भूख की वजह से लाखों आदिवासियों की मौत हो चुकी है। कहने की जरूरत नहीं कि देशभर में अब तक न जाने कितने आदिवासी भुखमरी के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं। इस अनचाही मौत का सिलसिला दशकों से थमने का नाम नहीं ले रहा है। हर साल देश भर में ऐसे दर्जनों मामले सामने आते हैं जब पर्याप्त खाने की कमी के कारण आदिवासी दम तोड़ देते हैं। लेकिन, विडंबना है कि हमेशा ही सरकारें और प्रशासनिक अमला कुछ और ही सच्चाई बयां करते हुए दिखता है।

साल 2018 में जब पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम में सबर और लोधा समुदाय के सात व्यक्तियों की मौत हुई थी, तब भी मुख्य वजह पर्याप्त भोजन का उबलब्ध न हो पाना थी। लेकिन, सरकार ने क्षय रोग को मौत का कारण बता कर पल्ला झाड़ लिया था। हाल में जब झारखंड के बोकारो में आदिवासियों की मौत हुई, तब भी सरकार ने भोजन की कमी वाली बात से इनकार कर दिया। हालांकि जांच में पता चला है कि ऐसे परिवारों में अमूमन राशन कार्ड ही नहीं है और यह सरकार और प्रशासनिक अमले की बहुत बड़ी चूक है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि पोषणयुक्त आहार की कमी आदिवासियों की मौत की सबसे बड़ी वजह है। लेकिन, सवाल है कि उन्हें पोषणयुक्त आहार क्यों नहीं मिल रहा? दरअसल, यह सबसे बड़ा सवाल है और इन्हीं सवालों के जवाब तलाश कर ही किसी निष्कर्ष तक पहुंचा जा सकता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे (2015-16) के अनुसार महाराष्ट्र के जनजातीय क्षेत्रों में प्रत्येक दूसरे बच्चे का विकास अवरुद्ध होने का कारण लंबे समय तक भूखे रहने से उत्पन्न कुपोषण की समस्या है। पर्याप्त पोषण आहार की कमी का ही नतीजा है कि आदिवासियों की जीवन प्रत्याशा चौंकाने वाली है। दरअसल, उनका जीवनकाल औसत भारतीय जीवन प्रत्याशा से लगभग छब्बीस साल कम है। जाहिर है, यह अपने आप में एक बड़ा सवालिया निशान है। दूसरा, उनका जीवन अनिश्चितताओं से भरा होता है और सरकारों की नजर में आदिवासियों का मरना कोई चिंता का विषय नहीं है। कुल मिलाकर देखें तो, बात घूम-फिर कर गरीबी पर ही आ जाती है। दरअसल, मौजूदा वक्त में खेती-किसानी की बदतर हालत किसी से भी छुपी नहीं है। जाहिर है, खेती पर निर्भर रहने वाले आदिवासियों की भी खस्ता हालत से इनकार नहीं किया जा सकता है। लिहाजा, ग्रामीण इलाकों में आदिवासी भी मनरेगा में दिहाड़ी मजदूर के तौर पर काम करने को मजबूर हैं। लेकिन चिंता का विषय है कि समय पर मजदूरी न मिलने के कारण वे, भुखमरी के शिकार हो रहे हैं। यानी आमदनी की कमी एक बड़ी समस्या है। लिहाजा, ये गरीब आदिवासी अपने आप ही भुखमरी के शिकार हो जाते हैं।

पश्चिम बंगाल के एक हजार आदिवासी परिवारों पर किए गए एक अध्ययन की बात करें तो यह पाया गया कि आदिवासी आबादी को चयनात्मक रूप से भुला दिया गया है और सार्वजनिक और शैक्षणिक दोनों ही क्षेत्रों में इनके बारे में जो भी जानकारी है, उसमें बड़ी खाई व्याप्त है। वे कौन हैं, वे कहां रहते हैं, वे क्या करते हैं, उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति क्या है, उनकी सांस्कृतिक और भाषायी प्रथाएं क्या हैं, ये सभी ऐसे सवाल हैं जिनके प्रचलित उत्तर खंडित और अस्पष्ट हैं। जानकारी का यह अंतर आदिवासियों को लोकतांत्रिक रूप से उपेक्षा की तरफ ले जाता है। बाहरी

दुनिया द्वारा थोप दी गई श्रेष्ठता का ही परिणाम है कि आदिवासियों ने खुद को हीन, आदिम मान लिया है और यहां तक कि अपने जीवन के प्रति उनका एक घातक दृष्टिकोण भी पैदा हो गया है। ये सभी पहलू उन्हें हाशिए पर धकेल देते हैं, यहां तक कि उन्हें सामाजिक रूप से एकजुट करने वाले कुछ रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक प्रथाओं को विशेष रूप से लोकतांत्रिक मानदंडों और मानवीय मूल्यों को छोड़ देने पर मजबूर कर देता है जो सामूहिक जीवन की एक लंबी यात्रा और अस्तित्व के लिए संघर्ष के माध्यम से विकसित हुए हैं।

इसमें कोइ दो राय नहीं कि गरीबी एवं भूमिहीनता की समस्या ने उन्हें भुखमरी के कगार पर ला खड़ा किया है। सरकारें चाहें जो भी दावा करें, आदिवासी समूह की स्थिति चिंताजनक है और इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। बंधुआ मजदूरी या अन्य प्रकार के शोषण का शिकार होना इनकी बड़ी समस्या है। यह कहना गलत नहीं होगा कि स्वास्थ्य एवं कुपोषण की समस्या आर्थिक पिछड़ेपन एवं असुरक्षित आजीविका के साधनों के चलते ही गंभीर हो चली है। सबसे पहले तो, जनजातीय समुदायों की भूमि और वन अधिकारों की रक्षा करने की जरूरत है, ताकि उनकी आजीविका, जीवन और आजादी की हिफाजत हो सके। जनजातीय भूमि के प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार को संरक्षित किया जाना सबसे जरूरी है। दूसरी ओर, आदिवासी परिवारों में भोजन का संकट वन आजीविका पर उनकी पारंपरिक निर्भरता में कमी और राज्य में गहन कृषि संकट के कारण उत्पन्न होता है। इसके अलावा, व्यवस्थित मुद्दों और सार्वजनिक पोषण कार्यक्रमों की कमजोरी ने समस्या को और अधिक गंभीर बना दिया है। मिसाल के तौर पर पालघर के विक्रमगढ़ कस्बे में लगभग एक चौथाई जनजातीय परिवारों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सिर्फ इसलिए राशन नहीं मिल सका, क्योंकि उनके पास राशन कार्ड नहीं थे। झारखंड से भी अक्सर ऐसे ही मामले सामने आए हैं। फिर राज्यों के बजट में पोषण व्यय में कमी भी एक समस्या है। जाहिर है, यह पोषण के प्रति सरकार की तेजी से कम होती प्रतिबद्धता का सूचक है। इस प्रतिबद्धता में संजीदगी दिखाने की जरूरत है।

भोजन के अधिकार कानून के बावजूद भूख से मौतों की खबरें चिंता पैदा करती हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि कैसे सरकारी दावे सिर्फ कागजों तक ही सीमित होते हैं। हर व्यक्ति तक अनाज की आसान पहुंच को सुनिश्चित करना होगा और इसके लिए दो बातें बेहद जरूरी हैं। पहली तो यह कि बेहतर राजनीतिक कार्यशीलता सरकार को दिखानी होगी। बिना किसी राजनीतिक इच्छाशक्ति के इन समस्याओं पर काबू पा लेने का हर दावा खोखला ही है। और दूसरा यह कि कैसे व्यवस्था के विभिन्न साधनों का उचित उपयोग कर नागरिकों की जरूरतों की पूर्ति की जाए। समझना होगा कि केवल जन वितरण प्रणाली की दुकानों का होना या उचित मूल्य की दुकानों की मौजूदगी किसी राज्य में भूख की समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि सरकार को यह देखना चाहिए कि कैसे किसान को प्रोत्साहन देकर ज्यादा से ज्यादा उत्पादन की संभावनाएं सुनिश्चित की जा सकती है। आदिवासियों के शोषण और उनके साथ ज्यादतियों का इतिहास पुराना होने का यह कतई मतलब नहीं है कि यह एक रवायत बन जाए।

कहां गईं तितलियां

प्रयाग शुक्ल

दुनिया मेरे आगे

आपने हाल में क्या कहीं कोई तितली देखी है? यह सवाल मानो मैं अपने से भी कर रहा हूं। नोएडा में जहां मैं रहता हूं, वहां खूब पेड़-पौधे हो गए हैं। फूलों की क्यारियां और उनके गमले भी हैं। परिसर में घास भी है। पर तितलियां कम दिखती हैं। जब दिखती हैं तो बहुत अच्छा लगता है। कोई तितली थोड़ी देर के लिए कहीं आसपास बैठी हुई मिल जाए तो उसकी ओर ही देखता रहता हूं। एक बार मोबाइल के कैमरे से उसकी तस्वीर खींचने में भी सफल हो गया था। तितली घास पर चुपचाप बैठी हुई थी। मैं यह 'चुपचाप' क्यों लिख गया! यह तो अतिरिक्त शब्द माना जाएगा! तितली तो बेआवाज ही उड़ती है, बेआवाज ही बैठती है, पंख खोलती है तो कोई फड़फड़ाहट भी सुनाई नहीं पड़ती। यही तो उसकी खूबी है- कई खूबियों के बीच। वह किसी भी रंग की हो, हमेशा सुंदर ही लगती है।

पर अफसोस, उसकी कुछ प्रजातियां खोती या कम होती जा रही हैं- दुनिया भर में। कई देशों में उसके पोसने के जतन भी किए जा रहे हैं। कुछ बरस पहले जब लंदन में 'गार्डियन' जैसे पत्र में एक सचित्र लंबी रिपोर्ट पढ़ने को मिली थी कि किस प्रकार विभिन्न पार्कों या उद्यानों में यह तलाश की जा रही है कि वहां कितने प्रकार की तितलियां अब देखने को मिलती हैं या नहीं मिलती हैं। तितली पर बहुत-सी चीजें लिखी गई हैं। कविताएं और गीत भी बहुतेरे हैं। 'पंछी बनूं उड़ती फिरूं' गीत की याद बहुतेरे लोगों को होगी। उसी की तर्ज पर 'तितली बनूं उड़ती फिरूं' भी कह सकते हैं। बच्चों के लिए लिखने वाले कवियों की भी कविताएं हैं तितली पर। वह रूपक और प्रतीक भी बनती रही है। और एक छवि, एक बिंब के रूप में भी वह अनुपम है। रूस के प्रवासी लेखक ब्लादिमीर नोबोकोव की तो तितली पर एक किताब ही है। जो भी हो, उसकी लोकप्रियता सबके बीच है।

बीती सर्दियों में मैं अपने रिहायशी परिसर के पार्क में घास पर कुर्सी डाल कर कई बार बैठा धूप सेंकने या लिखने-पढ़ने के लिए। जब भी तितली दिखी है- कभी कभार या एक-दो दिनों के अंतराल पर दिखी। मैंने कुछ चकित-विस्मित होकर ही उसकी ओर देखा। हां, अब स्वाभाविक रूप से वह विस्मित करती है, जब बहुत कम दिखाई पड़ती है। मैं समझता हूं, नोएडा-दिल्ली समेत अब बहुतेरे महानगरों-शहरों का यही हाल हो गया है, तितलियों के मामले में। प्रकृति की, सृष्टि की इतनी सारी चीजें कम हो रही हैं, यह चिंताजनक तो है ही। भौंरे भी कम दिखने लगे हैं।

खैर, सोचिए कि पिछली बार कोई तितली आपने कब और कहां देखी थी! शायद उसके साथ आपको वह जगह भी याद आ जाए, जहां आपने उसे देखा था। इसका कारण भी यही होगा कि वह अब कुछ दुर्लभ हो गई है। कोई दुर्लभ हो चुकी चीज अगर दिख जाए तो उसे दिखने के स्थान-काल सब याद रह जाते हैं। दो-तीन बरस पहले की बात है, मैं और मेरी नातिन कार से कहीं जा रहे थे। चिराग दिल्ली-पंचशील क्रॉसिंग की ट्राफिक लाइट में गाड़ियां रुकीं तो हमें बाहर उड़ती हुई एक तितली नजर आई। हम कुछ देर तक उसे देखते रहे। लोगों और वाहनों की भीड़ में यही सोचते हुए कि वह यहां कैसे आ गई है भटक कर! वह कहीं भी दिखे भीड़ भरी जगह में, किसी फूल-पौधे पर, किसी रेलिंग-फेंस पर, किसी पार्क में- अपनी ओर ध्यान खींच लेती है। हम उसे देखने लगते हैं। जब वह फूल पर बैठती है तो दोनों की मिली-जुली सुंदरता दोगुना नहीं, कई गुना बढ़ जाती है। तितलियां आमतौर पर हर महाद्वीप में पाई जाती हैं। मुझे वह जमाना याद है, जब तितलियां बाग-बगीचों में उड़ती रहती थीं। और इस तरह के प्रश्न का तो मौका ही नहीं आता था कि आपने पिछली बार तितली कब देखी थी!

तितली की एक बड़ी खासियत यही है कि अगर आप दुख का कोई भार साथ में लिए हुए चल रहे हों और तभी तितली दिख जाए तो क्षण भर के लिए तो वह उस भारी भार को उतार ही देती है आपके मन से। अगर आप किसी सुख, किसी आनंद, को साथ में लिए चल रहे हों, तो वह आपको और अधिक आनंदित कर देती है। वह उड़ती है। मुड़ती है। ओझल हो जाती है। फिर दिखती है। हवा में उसका संतरण अचूक है। उसकी उड़न-गति प्रभावित करती है। अनायास आपकी आंखों को अपनी ओर बुला लेती है। वह बोलती नहीं है, पर बिना बोले हुए भी बहुत कुछ कहती है। वह भारहीन लगती है। सचमुच भारहीन है भी। उसकी यही भारहीनता मोहती है। अपनी सुंदरता को वह जिस भारहीन ढंग से हमारे भीतर उतारती है, उसे कह कर नहीं बताया जा सकता, वह महसूस किया जा सकता है। फुलवारियां, क्यारियां उन्हें लुभाती हैं। दिखती रहें तितलियां। बहुमंजिली इमारतों और सीमेंट-कंक्रीटी जंगल से भी ओझल न हो जाएं।

मुश्किल में दुनिया

कोरोना महामारी से भारत सहित विश्व की सभी अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। चूंकि अभी यह महामारी खत्म नहीं हुई है और इससे प्रभावित लोगों की संख्या दस लाख को पार कर चुकी है, इसलिए दुनिया के सभी क्षेत्रों पर इसके परिणामों के बारे में निश्चित रूप से कुछ भी कह पाना संभव नहीं है। यूनाइटेड नेशनल कांफ्रेंस एंड ट्रेड एंड डेवलपमेंट की रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक स्तर पर कोरोना वायरस की वजह से इस साल दुनिया भर को दो खरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान हो सकता है। भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रकृति और सामाजिक ढांचे को देखते हुए इस महामारी के प्रभावों का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है, जिसमें औद्योगिक क्षेत्र से लेकर कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं। दरअसल देश में कोरोना वायरस संक्रमण दूसरे चरण में पहुंच गया है। ऐसे में इसकी गंभीरता को देखते हुए केंद्र और राज्य सरकारें इसे रोकने के लिए कई प्रतिबंध लगा रही है। इन उपायों में जनता कर्फ्यू, सामाजिक दूरी रखने और पूर्ण बंदी जैसे कदम हैं। जाहिर है, महामारी को लेकर चिंता का माहौल है। भारत में इस महामारी को रोकथाम के बीच संगठित क्षेत्रों की अपेक्षा असंगठित क्षेत्र अत्यधिक प्रभावित हो रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था को 34.8 करोड़ डॉलर तक का नुकसान उठाना पड़ सकता है। शेयर बाजार में अब तक निवेशकों के 50 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा स्वाहा है।

● *दीपिका शर्मा, गोरखपुर*

गरीब पर मार

गुरबत के मारों का अभूतपूर्व पलायन को देख कर एक कहावत याद आ गई कि 'मरता क्या न करता'। आजादी के बाद इस सबसे बड़े पलायन को केंद्र सरकार भले ही सोशल मीडिया के दुष्प्रचार का परिणाम क्यों न कहे, पर सच्चाई यही है कि कई सौ किलोमीटर पैदल यात्रा कोई शौक से नहीं, बल्कि मजबूरी से कर रहा है। छोटे नियोक्ताओं ने अपने कामगारों को राहत देने की अपील को सिरे से नकार दिया। तभी एसी नौबत आई। जब सुविधाएं और वेतनवृद्धि देने की बात आती है तो केवल संगठित क्षेत्र के मुट्ठी भर कामगारों का ध्यान रखा जाता है। यानी नब्बे फीसद की सुध लेने वाला कोई नहीं है। अब बिना तैयारी के देशव्यापी पूर्ण बंदी से हर तबके की कमर टूट गई है।

● *जंग बहादुर सिंह, गोलपहाड़ी (जमशेदपुर)*

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

असली चेहरा कौन?

इंदौर में पिछले हफ्ते टाटपट्टी बाखल इलाके में कोरोना संदिग्धों की जांच के लिए गई टीम पर हुए हमले ने आधुनिक भारत के सभ्य समाज को कलंकित करने की सारी हदें पार कर दीं। दूसरी ओर, दिल्ली में पूर्ण बंदी होते हुए भी निजामुद्दीन इलाके में तबलीगी जमात का मामला सामने आया, जिसने कोरोना महामारी को फैलाने में बड़ी भूमिका निभाई। सिलसिलेवार हुई इन दोनों ही घटनाओं ने इस देश को सोचने पर मजबूर अवश्य किया है। सोचने वाली बात यह है कि एक तो पूर्ण बंदी के रहते इन धर्म प्रशिक्षुओं की इतनी तादाद में भीड़ कैसे जमा हो गई? साथ ही जिस टाटपट्टी बाखल इलाके में हमला हुआ, वह हाई रिस्क जोन के अंतर्गत आता है और इस इलाके में तो सुरक्षा मजबूत होगी ही। वैसे बंदी के दौरान हर जगह पुलिस रहती है, लोगों के आने-जाने पर नजर रहती हैं, तो फिर अचानक से सौ से ज्यादा लोगों का इकट्ठा होना क्या किसी साजिश का हिस्सा तो नहीं है? आखिर जान बचाने वाले स्वास्थ्यकर्मियों और दिल्ली मे कोरोना पीड़ितों का इधर-उधर थूकने जैसी घटनाएं क्या संदेश देती हैं। सवाल है कि आखिर ये कौनसी ताकतें हैं जो भारत को गर्त में धकेल रही हैं? इनके असली चेहरे को बेनकाब करना जरूरी हो गया है। हाल ही में कई वैश्विक संस्थाओं ने यह उम्मीद जताई थी कि इस सकंट काल में भारत एक अग्रणी भूमिका निभा सकता है। भारत के पास अवसर है कि वह अपनी क्षमता का प्रदर्शन करें। लेकिन इस तरह की घटनाएं भारत की छवि को धूमिल कर रही हैं।

● *अमर सिंह सोढा, मूलाना (जैसलमेर)*

सहयोग जरूरी

आज पूरा भारत कोरोना के खिलाफ पूर्ण बंदी के माध्यम से जंग लड़ रहा है। लेकिन दूसरी ओर, इसी देश मे तबलीगी जमात के सैकड़ों लोगों ने सबसे बड़ा खतरा पैदा कर दिया है। तबलीगी जमात के लोगों को जब कोरोना की जांच के लिए बसों में ले जाया जा रहा था, तभी कुछ लोग बस से बाहर थूंकने लगे। इससे भी ज्यादा शर्मनाक हरकत तबलीगी जमात के मरीजों ने गाज़ियाबाद स्थित एमएमजी अस्पताल में महिला नर्सों के साथ की। इंदौर में कोरोना संक्रमण की जांच के लिए पहुंची टीम पर हमले किए गए। ऐसे कृत्यों की एक सभ्य समाज में कोई जगह नही है। आज योद्धा बन कर डाक्टर और अस्पताल कर्मी मरीजों को बचाने में लगे हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ शरारती लोग ऐसी हरकतों से इन योद्धाओं का मनोबल तोड़ रहे हैं। अगर हमें कोरोना से जंग जितनी है, तो डाक्टरों का मनोबल बढ़ाना और उनके साथ सहयोग करना जरूरी है।

● *अजीत यादव, रोहिणी, दिल्ली*

पुलिस पर हमले

कोरोना के बढ़ते संक्रमण से देश में दहशत का माहौल बना हुआ है। डॉक्टरों और वैज्ञानिकों का यही कहना है कि इस महामारी से बचने का सिर्फ एक ही रामबाण उपाय है कि हम अपने घरों में ही रहें और भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें। इसी के चलते देश में संपूर्ण बंदी की गई है। पर कुछ लोग अब भी इस संकट की गंभीरता को नहीं समझ रहे हैं और संपूर्ण बंदी में भी बिना वजह सड़कों पर निकल रहे हैं और पुलिस के द्वारा रोके जाने पर वे पुलिसकर्मियों के साथ बदसलूकी कर रहे हैं। मुजफ्फरनगर के मोरना से भी ऐसी ही एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां लोगों को घरों में रहना इतना नागवारा था कि उन्होंने पुलिस पर ही हमला कर दिया, जिसमें दो पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। हम सभी स्वस्थ रहें, इसीलिए वर्दी में लोग दिन-रात सड़कों पर मुस्तैद हैं। और हमने उनके साथ ऐसा व्यवहार करके मानवता की सभी सीमाओं को पार कर दिया है।

● *स्वर्णिमा बाजपेयी, देहरादून*

www.readwhere.com

जनसत्ता
संवाद
7 अप्रैल, 2020 7

कोरोना कोप

बोल

सलाहकार समिति के विचार जानने के बाद हम कल से ही आपातकाल की घोषणा करने पर विचार कर रहे हैं। खासकर तोक्यो और ओसाका जैसे नगरीय क्षेत्रों में हम कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामलों में तेजी से वृद्धि होते देख रहे।
-शिजो आबे, प्रधानमंत्री जापान

बोल

अमेरिका में अब तक 16 लाख जांच की गई हैं जो किसी भी देश के मुकाबले सबसे ज्यादा हैं। लगभग पूरे देश के लिए बड़ी आपदा की घोषणा कर दी गई है और अमेरिका की 33 करोड़ जनसंख्या में से 95 प्रतिशत से अधिक लोग घरों के भीतर रहने के आदेश के तहत हैं।
-डोनाल्ड ट्रंप , राष्ट्रपति अमेरिका

सम-सामयिक

हंगरी : संक्रमण की आड़ लेकर आई तानाशाही

जनसत्ता संवाद

कोरोना संक्रमण के डर की आड़ लेकर यूरोपीय देश हंगरी में लोकतंत्र खत्म कर दिए जाने के बाद दुनिया भर में इसकी तीखी आलोचना हो रही है। अपने सदस्य देश में लिए गए इस फैसले को लेकर यूरोपीय संघ ने इसके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। हंगरी की संसद ने अपने प्रधानमंत्री विक्टर ओरबन को आजीवन सत्ता में बने रहने का अधिकार दे दिया है। इसके बाद वहां चुनाव और जनमत संग्रह अनिश्चित काल के लिए रोक दिए गए हैं। लोकतंत्र की प्रतीक मानी जाने वाली संस्थाओं पर अंकुश बढ़ा दिया गया है।

हंगरी की संसद में ओरबन की फीडेस पार्टी का दो तिहाई बहुमत मिलने के बाद यहां कोविड-19 को लेकर एक विधेयक पारित किया गया, जिसके तहत प्रधानमंत्री को हमेशा सत्ता में बने रहने का अधिकार मिल गया। वहां चुनाव और जनमत संग्रह रोका गया है, लेकिन यह नहीं बताया गया कि आपातकाल कब खत्म होगा। प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने संसद में प्रस्ताव रखा कि कोरोना से निपटने के लिए वे बेरोकटोक काम करना चाहते हैं। उनके प्रस्ताव को बहुमत से समर्थन मिला, क्योंकि वहां विपक्षी दलों के पास ज्यादा सीटें नहीं है।

हंगरी में पिछले एक दशक से लोकतंत्र खत्म करने की तैयारी चल रही थी। महामारी के खतरे से पहले ही सरकार ने न्यायिक स्वतंत्रता पर हमला किया था और सांस्कृतिक संस्थानों को बंद करने की कोशिश की थी। नए कानून के तहत गलत खबर छापने पर पत्रकार या अन्य किसी भी व्यक्ति को पांच साल तक जेल भेजने का प्रावधान है। करीब एक करोड़ की आबादी वाले हंगरी में अब तक कोरोना संक्रमण के छह सौ से ज्यादा मामले सामने आए हैं। इसमें 25 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

हंगरी यूरोपियन यूनियन (ईयू) का सदस्य है। वह 2004 में ईयू से जुड़ा था। ईयू ने हंगरी के घटनाक्रम की निंदा करते हुए कहा है कि लोकतंत्र, आजादी और कानून का राज ईयू की नींव है। हमारे सारे सदस्यों को कड़ी परिस्थितियों में भी इन्हें अपनाए रखना होगा। यूरोपीय संघ के 13 देशों ने एक साझा बयान जारी कर कहा था कि वे कुछ आपातकालीन कदमों के कारण लोकतंत्र और मौलिक अधिकारों के हनन को लेकर चिंतित हैं। हालांकि इस बयान में कहीं भी हंगरी का जिक्र नहीं किया गया था।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेय लाएन ने हंगरी में लागू नए आपातकाल कानून पर चिंता व्यक्त की है।

नए आपातकाल कानून के तहत जब तक कोरोना संकट खत्म नहीं हो जाता सरकार के पास असीमित शक्तियां हैं। संकट खत्म हुआ है या नहीं, यह तय करने का अधिकार भी सरकार के ही पास होगा। सरकार के प्रवक्ता जोल्टान कोवाच ने ट्विटर पर एक वीडियो संदेश जारी करते हुए आपातकाल की आलोचना की निंदा की। ओरबान सरकार पर लग रहे आरोपों को उन्होंने विच हंट कहा। कोवाच ने कहा कि फॉन डेय लाएन की प्रतिक्रिया दोहरे राजनीतिक मानदंडों की मिसाल है। यूरोपीय संघ के द्वारा बयान जारी किए जाने के बाद यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष ने कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी, जिसके बाद हंगरी के न्याय मंत्रालय ने कहा है कि उसे आपातकाल कानून की जांच से कोई ऐतराज नहीं है।

सत्ता के हथकंडे

वर्ष 1989 में विक्टर ओरबन ने लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की मांग कर बड़े प्रदर्शन और रैलियां की थी। 1989 में ही हंगरी ने वामपंथी पार्टियों को नकारा और संसदीय लोकतंत्र बना। इसके नौ साल बाद 1998 में ओरबन प्रधानमंत्री बन गए। इसके बाद से वे सत्ता में पकड़ बनाने के लिए तमाम हथकंडे अपनाते रहे और अब कोरोना विषाणु संक्रमण की आड़ में लोकतंत्र खत्म कर दिया। विक्टर ओरबन पर वित्तीय गड़बड़ियों के कई आरोप लगे हैं, लेकिन जांच नहीं हो सकी है।

शोध

कोरोना की दवा और टीका, दावे और हकीकत

जनसत्ता संवाद

कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या दुनिया भर में दस लाख का आंकड़ा पार कर चुकी है। वैज्ञानिक इसका इलाज और इसकी सटीक दवा बनाने में जुटे हैं। जहां से संक्रमण शुरू हुआ, वह चीन इसकी दवा बनाने में जुटा है, वहीं उसका प्रतिलंदी अमेरिका भी पूरी ताकत से जुटा है। इन दोनों के अलावा, ब्रिटेन, स्वीडन, स्पेन, इटली और भारत में अपने-अपने स्तर पर प्रयास चल ही रहे हैं।

अमेरिका और चीन दोनों ने दावा किया है कि 17 मार्च को उनलोगों ने दवा का परीक्षण शुरू कर दिया है। अमेरिका ने दवा का इंसान पर परीक्षण शुरू करने का दावा किया है। दूसरी ओर, चीन ने 17 मार्च को ही इसके टीके का प्रयोगशाला में परीक्षण शुरू करने की घोषणा की। चीन में बनाई गई दवा के सभी परीक्षण वुहान में किए जा रहे हैं। वहां की मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि जिन लोगों पर ये परीक्षण किए गए थे उन लोगों को 14 दिनों के बाद घर भेज दिया गया था। वे सभी लोग सेहतमंद और रोगाणुमुक्त हैं।

चीन के अखबार चाइना डेली ने अकादमी ऑफ मिलिट्री सांइस के सदस्य और शोधकर्ता चेन वी के हवाले से लिखा है कि चीन में प्रयोगशाला में परीक्षण सही रहता है तो उन देशों में भी इसका परीक्षण किया जाएगा जो इसकी ज्यादा चपेट में हैं। चीन ने जो दवा तैयार की है उसको सैन्य अकादमी और चाइनीज अकादमी ऑफ इंजीनियर ने मिलकर बनाया है। इसे एड5-एनकोवी नाम दिया गया है। वुहान के तोंग्जी अस्पताल में 108 लोगों पर इसका प्रयोगशाला परीक्षण किया गया है। ये सभी लोग 18 साल से लेकर 60 साल तक की उम्र के थे। इन सभी लोगों को तीन समूहों में बांटा गया था और दवा की अलग-अलग मात्रा दी गई थी। डॉक्टरों को उम्मीद है कि यह दवा शरीर में इस वायरस से लड़ने की क्षमता को विकसित करेगी और उनके शरीर में एंटीबॉडी का निर्माण करेगी। यदि सब कुछ ठीक रहा तो इसके बाद इसे बाजार में उतार दिया जाएगा।

भारत में एक कंपनी ने कोरोना का टीका विकसित करने का दावा किया है। इस टीके का नाम कोरो-वैक रखा गया है। वायरस से बचाने के लिए इस नाक में डाला जाएगा। इस टीके के परीक्षण में तीन से छह माह का वक्त लग सकता है। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने प्रयोगशाला में एक परजीवी रोधी दवा (एंटी-पैरासाइट) इवरमेक्टिन से कोरोना के विषाणु को खत्म करने में कामयाबी हासिल की है। इसे 'एंटी वायरल रिसर्च जर्नल' में प्रकाशित किया गया है।

भारत में एक कंपनी भारत बॉयोटेक ने कोरोना का टीका विकसित करने का दावा किया है। कंपनी के चेयरमैन डॉ. कृष्णा ऐल्ला के मुताबिक, ये देश का पहला टीका है जो कोरोना वायरस संक्रमण से बचाने में पूरी तरह से सफल है। इस टीके का नाम कोरो-वैक रखा गया है। वायरस से बचाने के लिए इस नाक में डाला जाएगा। सामान्य फ्लू होने पर भी इसका इस्तेमाल हो सकता है। इस टीके के परीक्षण में तीन से छह माह का वक्त लग सकता है।

इस बीच, ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने प्रयोगशाला में एक परजीवी रोधी दवा (एंटी-पैरासाइट) से कोरोना के विषाणु को खत्म करने में कामयाबी हासिल की है। इवरमेक्टिन नाम की दवा की सिर्फ एक खुराक कोरोना समेत सभी विषाणु आरएनए (राइबोज न्यूक्लियक एसिड) को 48 घंटे में खत्म कर सकता है। इसे 'एंटी वायरल रिसर्च जर्नल' में प्रकाशित किया गया है।

इवरमेक्टिन नाम की दवा की सिर्फ एक डोज कोरोना समेत सभी विषाणु आरएनए को 48 घंटे में खत्म कर सकता है। अगर संक्रमण ने कम प्रभावित किया है तो विषाणु 24 घंटे में ही खत्म हो सकता है। यह शोध ऑस्ट्रेलिया के मोनाश यूनिवर्सिटी की काइली वैगस्टाफ ने अन्य वैज्ञानिकों के साथ मिलकर किया है।

इवरनेक्टिन एक ऐसी दवा है, जो एचआइवी, डेंगू, इंफ्लुएंजा और जीका वायरस जैसे तमाम वायरसों के खिलाफ कारगर है। हालांकि, वैगस्टाफ ने साथ में यह चेतावनी भी दी है कि यह स्टडी लैब में की गई है और इसका लोगों पर परीक्षण करने की जरूरत होगी। वैगस्टाफ के मुताबिक, इवरमेक्टिन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है और यह सुरक्षित दवा मानी जाती है।

विश्व परिक्रमा *(कोरोना)*

मलेरिया की दवा कोरोना से मदद

रविवार, 29 मार्च : कोरोना वायरस को मात देने के लिए मलेरिया-रोधी दवा क्लोरोक्विन के इस्तेमाल की बात करने वाले विवादास्पद फ्रांसीसी प्रोफेसर डिडिएर राउल्ट ने दावा किया कि उन्होंने जो नया अध्ययन किया है, वह वायरस को खत्म करने में इस दवा के 'कारगर होने' की पुष्टि करता है।

फेसबुक की 10 करोड़ डॉलर की पेशकश

सोमवार, 30 मार्च : फेसबुक ने कहा कि वह वैश्विक स्तर पर कोरोना वायरस महामारी से बुरी तरह प्रभावित मीडिया संस्थानों को 10 करोड़ डॉलर की मदद देगा। उसने कहा कि परेशानी के समय में भरोसेमंद सूचना देने के लिए इसकी जरूरत है।

59,000 लोगों का जीवन बचा: अध्ययन

मंगलवार, 31 मार्च : ब्रिटेन में विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए संघर्ष कर रहे 11 यूरोपीय देशों में सख्ती से लागू किए गए प्रतिबंधों के कारण संभवतः 59,000 लोगों की जान बच गई।

वेंटिलेटर खरीदने में भारत की मदद को तैयार

बुधवार, 1 अप्रैल : चीन ने कहा कि वह कोरोना वायरस रोगियों के उपचार के लिए जरूरी वेंटिलेटरों की खरीद में भारत की मदद को तैयार है, लेकिन चीनी कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने में कठिनाई आ रही है, क्योंकि उन्हें कलपुर्जे आयात करने की जरूरत होगी।

विश्व बैंक से एक अरब डॉलर की मदद

शुक्रवार, 2 अप्रैल : विश्व बैंक ने भारत को कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए एक अरब डॉलर की आपातकालीन वित्तीय सहायता के लिए मंजूरी दे दी। विश्व बैंक की सहायता परियोजनाओं के 1.9 अरब डॉलर के पहले सेट में 25 देशों की मदद की जाएगी और 40 से अधिक देशों में त्वरित गति से नए अभियान आगे बढ़ाए जा रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव किया अंगीकार

शनिवार, 3 अप्रैल : संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सर्वसम्मति से भारत समेत दुनिया के 188 देशों का समर्थन प्राप्त करने वाले प्रस्ताव को अंगीकार कर लिया। इस प्रस्ताव में कोविड-19 की महामारी को खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग तेज करने का प्रस्ताव दिया गया था और कहा गया था कि वायरस से 'समाज और अर्थव्यवस्था को भीषण' खतरा है। इस प्रस्ताव का शीर्षक 'कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक एकजुटता' है। इस वैश्विक महामारी पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंगीकार किया गया यह पहला दस्तावेज है।

जानें-समझें

गढ़े जा रहे नए समीकरण

महामारी से कैसे बदल रही कूटनीति

दीपक रस्तोगी

कोरोना संक्रमण के कारण भारत समेत दुनिया के विभिन्न देशों की घरेलु प्राथमिकताएं तो बदली ही हैं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लिपक्षीय एवं गुटीय संबंधों के स्वरूप में भी बदलाव दिख रहा है। संक्रमण के पांव पसारने के साथ ही वैश्विक कूटनीति में तेजी से बदलाव हुआ है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर बड़े उतार-चढ़ाव हुए हैं। दुनिया की अर्थव्यवस्था चौपट हुई है, स्वास्थ्य सेवाएं बेहाल हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस समेत नाटो के मजबूत माने जाने वाले देशों में हालात बिगड़े दिख रहे हैं। दूसरी ओर, चीन ने अपने आप को संभाल लिया है और खुद के मजबूत होने के संकेत दे रहा है। रूस ने अपनी स्थिति बिगड़ने नहीं दी। कुछ मामलों में भारत की स्थिति विश्व मंच पर मजबूत दिखी है। भारत की पहल पर बीते कई साल से उपेक्षित पड़े संगठन दक्षेस के पुनरुद्धार के संकेत मिले हैं। इसके दूरगामी परिणाम होंगे।

बेपरदा अमेरिका

कोरोना संक्रमण ने अमेरिका को बेपरदा किया है- स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में। अमेरिकी स्वास्थ्य सेवाओं को वैश्विक स्वास्थ्य सूचकांक में पहला स्थान हासिल था। लेकिन वहां संक्रमण तेजी से फैला और अमेरिकी प्रशासन अपने नागरिकों की सुरक्षा के इंतजाम नहीं कर पाया। इससे अमेरिका की सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति की कमियां सामने आईं। वहां सामाजिक सुरक्षा और बेरोजगारी की समस्या को लेकर राष्ट्रपति पर दबाव बढ़ने के कयास लगाए जा रहे हैं। महामारी के कारण अमेरिका की अर्थव्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। फौज, अंतरिक्ष विज्ञान या नई प्रौद्योगिकी पर अमेरिका का विशेष जोर रहा है। अब वहां जैविक महामारी से बचने की तैयारी को लेकर बहस तेज होने लगी है। जाहिर है, अमेरिका अपनी इन नीतियों की फिर से समीक्षा के संकेत दे रहा है।

चीन की बदलती भूमिका

चीन इन दिनों अपनी महात्त्वाकांक्षी बेल्ट रोड इनीशिएटिव (बीआरआइ) पर तेजी से आगे बढ़ रहा था। महामारी का संक्रमण शुरू में चीन समेत उन्हीं देशों में ज्यादा दिखा, जहां इस परियोजना को लेकर काम चल रहा था। इससे परियोजना को धक्का लगा। लेकिन मार्च के बाद हालात बदल गए। अब इस परियोजना का विरोध करने वाले देश, खासकर अमेरिका और नाटो के देश संक्रमण से बुरी तरह जूझ रहे हैं। इन हालात में चीन की कई खामियों पर बहस आगे नहीं बढ़ी। सबसे बड़ा मुद्दा वुहान में कोरोना विषाणु के उद्भव को लेकर रहा। बाद में चीन के चिकित्सा उपकरणों की गुणवत्ता का मुद्दा वैश्विक स्तर पर उठा। कोरोना से संभलने के बाद चीन ने जिन-जिन देशों को चिकित्सकीय उपकरण भेजे, उनकी गुणवत्ता 40 फीसद तक खराब पाई गई। कई यूरोपीय देशों ने तो खुलकर नाराजगी जाहिर की है। लेकिन यह बहस आगे नहीं बढ़ी। उलटे चीन की अर्थव्यवस्था के संभलने की खबरें आईं। इस मजबूती का लाभ उठाते हुए चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कोरोना का मुद्दा नहीं उठने दिया।

भारत और विश्व मंच

भारत की कूटनीति ने दुनिया के सामने एक नई मिशाल पेश की है। ईरान, इटली और यूरोप के तमाम देशों में रहने वाले भारतीयों को देश वापस लाया गया, जबकि उन्हें वहां से लाने में बहुत ज्यादा मुसीबतें सामने आई थीं। इसके अलावा भारत ने सार्क देशों की एक विशेष बैठक बुलाकर इस वैश्विक महामारी से लड़ने की साझेदारी का नेतृत्व किया है। भारत की सरकार ने अपने कूटनीतिक ढांचे को मजबूत करने के लिए दक्षेस संगठन को गतिशील बना दिया। इससे विश्व बिरादरी को यह संकेत गया कि आपदा और संकट के समय में भारत ही दक्षिण एशिया के देशों को निजात दिला सकता है। भारत सरकार ने सार्क कोरोना आपात फंड की शुरुआत भी की है। इसका प्रयोग भारत के पड़ोसी देशों के हित के लिए किया जाएगा। वर्ष 2016 से सार्क ठंडे बस्ते में है। पाकिस्तान द्वारा आतंकी घटनाओं को जारी रखने के बीच पाकिस्तान में होने वाले सार्क सम्मेलन का भारत ने बहिष्कार किया था। उसके बाद बांग्लादेश, श्रीलंका समेत अन्य देशों ने भी वहां नहीं जाने का फैसला लिया था। अब कोरोना परिदृश्य में भारत ने सार्क ही नहीं, बिम्सटेक देशों को लेकर भी पहल की है। दक्षेस देश भारत की चौहद्दी हैं, जहां से भारत के नेतृत्व की शक्ति का आगाज होता है।

क्या कहते हैं जानकार

कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए भारत की सरकार ने जो रास्ता अपनाया है, उसकी प्रशंसा न केवल विश्व स्वास्थ्य संगठन ने की है, बल्कि दुनिया के तमाम देशों ने भी सराहा है। विदेशों में फंसे लोगों को भारत निकाल लाया। देश में समय के मुताबिक देश बंदी (लॉक डाउन) घोषित कर दी गई। भारत ने नागरिकता और देश के बीच भारतीय सोच को विकसित किया है, जो दुनिया के लिए एक नया आयाम बनेगा।
- शशांक, पूर्व विदेश सचिव

प्राकृतिक आपदाओं के वक्त भारत ने पहले भी प्रभावित देशों को कई तरह की मदद दे कर एक ताकतवर देश के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाई है। इसी तरह कोरोना संकट में भारत ने न केवल क्षेत्रीय स्तर पर बल्कि वैश्विक स्तर पर अग्रणी देशों को एक मंच पर ला कर साझा उपाय करने की असाधारण पहल की है।
- के ह्योम, विशेषज्ञ, दक्षिण एशिया

बिम्सटेक और जी-20

बिम्सटेक के दो ऐसे देश हैं जो पूरी तरह से चीन के सामरिक समीकरण का हिस्सा हैं। ये हैं थाईलैंड और म्यांमार। दो सबसे ज्यादा प्रभावित देशों - चीन और ईरान से दक्षिण एशिया की सीमा मिलती है। बड़े पैमाने पर व्यापार और आवागमन इन देशों के साथ है। ऐसे में भारत के इस लिहाज से कूटनीति के केंद्र में उभरने के संकेत हैं।

दुनिया के 20 विकसित और विकासशील देशों के संगठन जी-20 के सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच वीडियो कांफ्रेंसिंग वार्ता में भारत ने शिखर स्तर पर वीडियो सम्मेलन कराने का प्रस्ताव रखा।

इसको लेकर बातचीत जारी है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 के मौजूदा अध्यक्ष सऊदी अरब के शासन प्रमुख प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान से बात की है।

व्यक्तित्व

कोरोना : मात देने वाले 80 और 90 पार के बुजुर्ग

जनसत्ता संवाद

पंजाब के मोहाली की 81 साल की कुलवंत निर्मल कौर ने डायबिटीज, हाइपरटेंशन के साथ-साथ पांच स्टेंट्स सर्जरी के बावजूद कोरोना को हरा दिया है। सोमवार को वे अस्पताल से छुट्टी पा गईं। इससे पहले केरल के कोट्टायम जिले में कोरोना संक्रमित सबसे बुजुर्ग भारतीय थॉमस अब्राहम (93) और उनकी पत्नी मरियम्मा (88) ने कोट्टायम के सरकारी मेडिकल कॉलेज में जिंदगी और मौत की जंग जीत ली। कुलवंत कौर को उनके विदेश से लौटे बेटे और पतोहू से कोरोना का संक्रमण लगा था। उन्होंने अपने संयम और जिजीविषा से जिंदगी की जंग जीत ली। इससे पहले कोरोना संक्रमित देश के सबसे बुजुर्ग जोड़े के ठीक होने की खबर आई। केरल के पथनमथिट्टा के 93 और 88 साल के पति-पत्नी ने अपनी सादा जीवन शैली और पौष्टिक भोजन लेकर इस बीमारी को हरा दिया।

कुलवंत निर्मल कौर

थॉमस और पत्नी मरियम्मा

संक्रमण के बाद अस्पताल के पृथक वार्ड में भर्ती रहने के दौरान भी 93 साल थॉमस अब्राहम और उनकी पत्नी मरियम्मा (88) ने अपने खाने-पीने का अंदाज नहीं बदला था। वहां भी वह पझनकांजी (चावल से बना व्यंजन), कप्पा और कटहल खाते रहे।

थॉमस और मरियम्मा (88) को यह संक्रमण इटली से पिछले महीने लौटे उनके बेटा, पतोहू और पोते से लगा। अब परिवार के पांचों सदस्य संक्रमण मुक्त घोषित किए गए हैं। अब सभी जल्द ही एक साथ रहने की योजना बना रहे हैं। उनकी चिकित्सा करने वाले डॉक्टरों का कहना है कि इसी हफ्ते इस बुजुर्ग जोड़े को अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।

दोनों कोट्टायम मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती थे। थॉमस के पोते रिजो मॉन्सी कहते हैं, ऐसा लगता है कि दोनों अपनी जीवन शैली के कारण स्वस्थ हो पाए हैं। उन्होंने बताया कि उनके दादा पथनमथिट्टा जिले के रानी में किसानी करते हैं और शराब तथा सिगरेट को हाथ भी नहीं लगाते हैं। वह हंसते हुए कहते हैं, जिम गए बगैर भी दादा के सिक्स पैक ऐब्स हैं।

रिजो मॉन्सी इटली में रेडियोलॉजी के क्षेत्र में काम करते हैं। रिजो और उनके माता-पिता कई साल से इटली में रह रहे हैं। दादा की जिद पर वे और उनका परिवार भारत आ गया। रिजो कहते हैं, यह अच्छा हुआ, अन्यथा हम इटली में ही होते और संक्रमण की आशंका में घिरे होते। वे कहते हैं कि अपनी पढ़ाई के दिनों में मैं दादाजी के साथ ही रहता था, हम काफी करीब हैं। उन्होंने कहा कि हम उनसे मिलने जल्दी आ जाएं। इटली के मुकाबले केरल ज्यादा सुरक्षित है।

रिजो के दादा को पझनकांजी, कप्पा और चक्का पसंद है, जबकि दादी मछली पसंद से खाती हैं। पझनकांजी, पके हुए चावल (भात) से बना व्यंजन है, जिसमें रात को भात में पानी डालकर छोड़ दिया जाता है और वह सुबह तक फर्मेंट हो जाता है। कप्पा एक प्रकार का जड़ है, जिससे सब्जी और चिप्स आदि बनते हैं। चक्का केरल में कटहल को कहते हैं। पृथक वार्ड में रहने के दौरान भी थॉमस पझनकांजी और नारियल की चटनी, कप्पा ही खाने के लिए मांगते थे और उन्हें यही दिया गया।

www.readwhere.com

अमेरिका में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए याचिका

दिल्ली हाई कोर्ट में आज होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिका में कोरोना वायरस की महामारी की वजह बेरोजगार होकर वहां फंसे सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में सोमवार को एक याचिका दायर की। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति संजीव नरूला के पीठ ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इस पर सुनवाई के बाद इसे मंगलवार के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया, ताकि याचिका की प्रति केंद्र सरकार को सौंपी जा सके।

याचिका एक दंपति ने दायर की है जिनकी बेटी बेरोजगार होकर अमेरिका में फंसी है। याचिका के अनुसार कोरोना विषाणु की महामारी की वजह से अमेरिका में उसकी बेटी के नियोक्ता ने उसे 20 मार्च को त्यागपत्र देने के लिये कहा लेकिन उड़ानें बंद होने के कारण अब भारत नहीं लौट सकी। याचिका में कहा गया कि अमेरिका में नौकरी कर रहे अनेक भारतीयों की स्थिति आज ऐसी है जो कोविड-19 के प्रकोप से उत्पन्न परिस्थितियों की वजह से अब बेरोजगार हो गए हैं।

यह याचिका अधिवक्ता गौरव कुमार बंसल के माध्यम से दायर की गई है। दंपति ने याचिका में कहा है कि यदि यात्रा प्रतिबंध और बढ़ता है तो उनकी बेटी के लिए अमेरिका से लौटना मुश्किल होगा तथा वह आय के नियमित स्रोत के बिना वह वहां लंबे समय तक नहीं रह पाएगी क्योंकि वह भोजन खरीदने और घर का किराया देने में समर्थ नहीं होगी। याचिका में अदालत से आग्रह किया गया है कि वह विशेषकर यास्मीन ताहिरा हुसैन सहित संकट में फंसे भारतीयों को सुरक्षित वापस लाने के वास्ते केंद्र को अमेरिका के लिए विशेष उड़ान का प्रबंध करने का निर्देश दे।

इसमें दावा किया गया है कि वर्तमान में अमेरिका के ब्रुकलिन में रह रही हुसैन ने भारत वापसी के लिए न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास से भी संपर्क किया है, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला है। याचिका में केंद्र को यह निर्देश दिए जाने का भी आग्रह किया गया है कि वह विशेष उड़ान का इंतजाम होने तक यह सुनिश्चित करे कि अमेरिका में हुसैन सहित संकट में फंसे भारतीय सुरक्षित रहें।

सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों के लिए दिशा निर्देश जारी किए

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के कारण पूर्णबंदी जैसी असाधारण परिस्थितियों में बहुत सारे लोगों की मौजूदगी में मुकदमों की सुनवाई को अपवाद बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि सामाजिक दूरी बनाए रखने के आह्वान के जवाब में देशभर की अदालतों के लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि वे इस विषाणु के फैलने में अपना योगदान नहीं करें।

प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय पीठ ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हो रही न्यायिक कार्यवाही के संदर्भ में कहा, 'यह प्रौद्योगिकी अब यहां रहेगी।' इसके साथ ही पीठ ने देश की सभी अदालतों को इस संबंध में व्यापक निर्देश दिए और कहा कि सुप्रीम कोर्ट तथा सभी हाई कोर्ट वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से न्यायिक कामकाज करने के उपाय अपनाने के लिए अधिकृत हैं।

पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 142 में प्रदत्त असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि अदालत परिसरों में हितधारकों की उपस्थिति कम करने के लिए अदालतें सभी आवश्यक कदम उठाएंगी और उन्हें कानून सम्मत माना जाएगा। इस पीठ के अन्य सदस्यों में न्यायमूर्ति डॉ धनंजय वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव शामिल थे। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष विकास सिंह के पत्र का स्वतः संज्ञान लेते हुए वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इस पर सुनवाई की।

पीठ ने कहा कि प्रत्येक राज्य में न्यायिक प्रणाली की विशेषता और जन स्वास्थ्य की स्थिति के अनुरूप प्रत्येक हाई कोर्ट अस्थायी रूप से वीडियो कांफ्रेंसिंग तकनीक के इस्तेमाल के संबंध में उचित तरीका अपनाने के लिए अधिकृत होगा। पीठ ने अपने आदेश में कहा, 'अदालत परिसरों में सभी हितधारकों की उपस्थिति की अनिवार्यता कम करने और सामाजिक दूरी बनाने संबंधी दिशानिर्देशों के अनुरूप शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालयों द्वारा किए गए सभी उपायों को कानून सम्मत माना जाएगा।' शीर्ष अदालत ने अपने निर्देश में कहा कि प्रत्येक राज्य की जिला अदालतों को उच्च न्यायालय द्वारा बताए गए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के तरीके अपनाने होंगे।

न्यायालय ने कहा कि संबंधित अदालतें एक हेल्पलाइन भी रखेंगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कार्यवाही के दौरान या सुनवाई पूरी होने के तुरंत बाद वीडियो फीड की गुणवत्ता या श्रव्यता के बारे में कोई भी शिकायत पहुंचायी जा सके। इसमें विफल रहने पर इसके बाद इस बारे में किसी भी शिकायत पर विचार नहीं होगा।

घर-घर को डराने वाला कोरोना चिड़ियाघर में

पेज 1 का बाकी

देश के सभी चिड़ियाघरों को सलाह दी जाती है कि वे सतर्क रहें और सीसीटीवी के जरिए जानवरों के किसी भी असामान्य व्यवहार या लक्षण का पता लगाने के लिए हर पल नजर रखें।

प्राधिकरण ने कहा कि स्तनपायी जीव खासतौर पर बिल्लियों, गंधबिलाव और बंदरों की सतर्कता से निगरानी करने और संदिग्ध मामलों के नमूने पाक्षिक रूप से कोविड-19 की जांच के लिए तय किए गए पशु स्वास्थ्य संस्थानों में भेजे जाएं। पत्र में कहा गया है कि नमूने राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान-भोपाल, राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र, हिसार और भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान-बरेली में भेजे जा सकते हैं। पत्र में बीमार पशुओं को पृथक वास में रखने को कहा गया है।

पत्र में कहा गया है कि पशुओं की देखरेख करने वालों को बिना सुरक्षा कवच (बेहतर हो कि निजी सुरक्षात्मक कवच) के जानवरों के नजदीक जाने की अनुमति नहीं होगी और जानवरों को खाना खिलाते समय भी कम से कम संपर्क ही करना चाहिए। तय सरकारी नोडल एजंसियों के साथ सहयोग की सलाह दी जाती है कि वे जांच और निगरानी के संबंध में नामित नोडल एजंसियों से समन्वय करें।

न्यूयॉर्क के ब्रोंक्स चिड़ियाघर में चार साल की एक बाघिन कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई है। उसका नाम नादिया है और अमेरिका में जानवर में कोविड-19 संक्रमण का ज्ञात यह पहला मामला है। ऐसा संदेह है कि वह देखरेख करने वाले व्यक्ति से संक्रमित हुई है, जिसमें उस समय लक्षण नहीं दिखे थे।

वहीं, अरुणाचल प्रदेश के जैविक उद्यान में भी इस मामले की गंभीरता को देखते हुए नौ बाघों को सुरक्षित रखने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। जैविक उद्यान के कर्ताधर्ता राया फ्लेगो ने बताया कि अमेरिका में एक बाघ के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि के बाद यहां बाघों को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है और उनके खान-पान पर नजर रखी जा रही है।

हरियाणा के पांच गांव सील

पेज 1 का बाकी

ने कहा कि हमने 25,500 से ज्यादा तबलीगी जमात कार्यकर्ताओं और उनके संपर्कों को पृथक वास में भेजा है। हरियाणा के जिन पांच गांवों में वे गए थे, उन्हें सील कर दिया गया है। उन गांवों में वे लोग ठहरे थे। उन्होंने कहा कि अब तक तबलीगी जमात के कुल 2,083 विदेशी सदस्यों में से 1,750 सदस्यों को काली सूची में डाला जा चुका है। गृह मंत्रालय की अधिकारी के मुताबिक, केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखकर उनसे सभी से कोविड-19 के मरीजों के इलाज में महत्त्वपूर्ण मेडिकल ऑक्सीजन की अबाध आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा है।उन्होंने जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति को लेकर बताया कि देश बंदी के दौरान अब तक भारतीय रेलवे ने 1340 वैगनों के माध्यम से चीनी, 958 वैगनों के माध्यम से नमक और 316 वैगनों/टैंकों के माध्यम से खाद्य तेल का परिवहन किया। अब तक पूरे भारत में 16.94 लाख मीट्रिक टन अनाज पहुंचाया गया है। 13 राज्यों में 1.3 लाख मीट्रिक टन गेहूं और 8 राज्यों में 1.32 लाख मीट्रिक टन चावल बांटा गया है। पांच लाख टेस्टिंग किट का ऑर्डर किया गया है। 8-9 अप्रैल को 2.5 लाख किट मिलेंगे।

'पीएम केयर्स' में सहयोग के लिए 40 लोगों को प्रेरित करें

पेज 1 का बाकी

लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा, 'लाखों लोग पीएम केयर्स कोष में दान कर रहे हैं। मेरा पांचवां आग्रह है कि इसमें प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता को खुद भी सहयोग करना है और 40 अन्य लोगों को इसमें सहयोग करने के लिए प्रेरित करना है।' कोरोना संकट से निपटने के लिए प्रधानमंत्री ने पीएम केयर्स कोष की स्थापना की है जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की कई हस्तियों और समूहों ने अनुदान की घोषणा की है।

मोदी ने कहा, 'कोरोना के खिलाफ लड़ाई में मदद करने के लिए एक ह्यारोग्य सेतु ऐप विकसित किया गया है। मेरा आग्रह है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसकी जानकारी दें और कम से कम 40 लोगों के मोबाइल में ये ऐप इंस्टॉल भी करवाएं।' उन्होंने रविवार रात देशभर में मौजूदा संकट के खिलाफ एकजुटता प्रकट कर दीये जलाए जाने का उल्लेख करते हुए कहा, 'कल रात को 9 बजे, हमने 130 करोड़ देशवासियों की सामूहिक शक्ति के दर्शन किए हैं।'

यूएसएड से भारत को 29 लाख डॉलर की सहायता

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

अमेरिकी सरकार ने अपनी सहायता एजंसी यूएसएड के माध्यम से भारत को कोरोना विषाणु की महामारी से निपटने में मदद के लिए 29 लाख डॉलर का अनुदान देने की घोषणा की है। भारत में अमेरिकी राजदूत केनेथ जस्टर ने कहा कि यह सहायता कोविड-19 को रोकने में भारत के प्रयासों को और मजबूत करेगी।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार अपनी एजंसी 'यूएस एजंसी फॉर इंटरनेशनल डवलपमेंट' (यूएसएड), 'सेंटर्स फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन' (सीडीसी) व अन्य संबंधित एजंसियों के माध्यम से भारत को महामारी से निपटने में सहयोग देने के लिए उसके साथ काम कर रही है।

पुलिस चौकी को 500 लोगों ने घेरा

पेज 1 का बाकी

पहुंचे और लाठीचार्ज के जरिए भीड़ को तितर-बितर कर दिया। इस घटना में क्षेत्राधिकारी वर्मा और चार-पांच पुलिस कर्मियों को चोटें भी आई हैं। पुलिस ने दो दर्जन से ज्यादा लोगों को हिरासत में ले लिया है। वर्मा ने बताया कि चीता पुलिस के सिपाही करमपुर चौधरी गांव में पूर्णबंदी का पालन कराने और दिल्ली, नोएडा और दूसरे शहरों से आए लोगों की जानकारी लेने के लिए गए थे। घरों के बाहर बैठे लोगों को अंदर जाने के लिए कहते ही वे भड़क गए। लोगों ने पुलिस के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और हाथापाई भी की। लोगों के ज्यादा आक्रामक होने पर वे किसी तरह खुद को बचाकर वहां से निकले और इसकी सूचना थाना इज्जतनगर और चौकी पुलिस को दी।

इस बीच, गांव से आई करीब 500 लोगों की भीड़ ने पुलिस चौकी (बैरियर-1) का घेराव किया और नारेबाजी करने लगे। वर्मा ने बताया कि भीड़ को तितर-बितर कराने के लिए लाठीचार्ज कराना पड़ा। उन्होंने बताया कि अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। करमपुर चौधरी गांव में पुलिसबल तैनात कर दिया गया है। घटनास्थल से लगभग दो दर्जन लोगों को हिरासत में लिया गया है।

भाजपा की महिला नेता का गोली दागता वीडियो वायरल

पेज 1 का बाकी

है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो को संज्ञान में लिया गया है।

उन्होंने बताया कि नगर कोतवाली में पुलिस ने मंजू तिवारी के खिलाफ विस्फोटक सामग्री का गलत प्रयोग करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच के उपरांत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के चलते बीती रात नौ बजे जिले भर में लोगों ने अपने घरों की लाइट बंद कर दीये जलाए और मोबाइलों की फ्लैशलाइट से रोशनी की। ऐसा बताया जा रहा है कि मंजू तिवारी ने रविवार रात ही हर्ष फायरिंग की थी जिसका वीडियो वायरल हो गया है

चौबीस घंटे में 28 लोगों की मौत, 704 नए मामले

पेज 1 का बाकी

में हुई हैं जिनकी संख्या 45 है। इसके बाद गुजरात में 12, मध्य प्रदेश में नौ, दिल्ली में सात, तेलंगाना में सात, पंजाब में छह, तमिलनाडु में पांच, कर्नाटक में चार, उत्तर प्रदेश में तीन, आंध्र प्रदेश में तीन, पश्चिम बंगाल में तीन, जम्मू-कश्मीर में दो और केरल में दो लोगों की मौत हुई है। वहीं, बिहार, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है।

महाराष्ट्र में कोरोना विषाणु संक्रमण के सबसे अधिक 748 मामले सामने आए हैं। तमिलनाडु में 571, दिल्ली में 523, केरल में 314, तेलंगाना में 321, उत्तर प्रदेश में 305 और राजस्थान में 274 हो गई है।

पाक ने गुरुद्वारा पंजा साहिब में बैसाखी कार्यक्रम को रद्द किया

पेज 1 का बाकी

गोंदल ने कहा कि ईटीपीबी और पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति की एक बैठक में सर्वसम्मति से फैसला लिया गया कि इस साल गुरुद्वारा पंजा साहिब में बैसाखी का उत्सव नहीं होगा और सिख श्रद्धालुओं की निर्धारित यात्रा भी रद्द की जाती है। ईटीपीबी देश में अल्पसंख्यक समुदायों के पवित्र स्थलों की देख-रेख करता है। गुरुद्वारा पंजा साहिब में सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव के हाथ के पंजों के निशान हैं। खबर में कहा गया कि इस उत्सव के लिए भारत से करीब तीन हजार सिख और दुनिया के अन्य हिस्सों से 2000 सिखों को आना था। गोंदल ने कहा कि धार्मिक मामलों के मंत्रालय को इस बारे में पहले ही जानकारी दी जा चुकी है जो आगे विदेश विभाग और भारत सरकार को इस फैसले के बारे में अवगत करा देगा। इसमें कहा गया है कि नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग इस साल तीर्थयात्रियों को वीजा जारी नहीं करेगा।

पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के महासचिव सरदार अमीर सिंह ने कहा कि जन स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को रद्द करने का फैसला आसान नहीं था क्योंकि दुनिया भर में सिखों की धार्मिक भावनाएं इससे जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ प्रतीकात्मक बैसाखी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा

मुसलमानों के सहयोग को सराहा जाए : मनमोहन वैद्य

पेज 1 का बाकी

मुसलमान तबलीगी जमात के संपर्कों का पता लगाने में सरकार की मदद कर रहे हैं जिसकी सराहना की जानी चाहिए।

कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए देश के नेतृत्व द्वारा किए गए निर्णय की सराहना करते हुए वैद्य ने संवाददाताओं से कहा कि भारत ने कोविड-19 की स्थिति से निपटने के लिए कई विकसित देशों की तुलना में बेहतर काम किया। उन्होंने कहा, 'कोविड-19 के प्रकोप से निपटने के लिए भारत के नेतृत्व ने कुछ निर्णायक कदम उठाए जिन्हें जनता का भी समर्थन मिला।'

वैद्य ने कहा, 'आंकड़े सच बोलते हैं...उनका (तबलीगी जमात) भंडाफोड़ हो गया है और मुसलिम समुदाय में अनेक लोग उसका विरोध कर रहे हैं...और अनेक मुसलिम उनके (तबीलीगी जमात) संपर्कों का पता लगाने में सरकार की मदद भी कर रहे हैं जिसकी सराहना की जानी चाहिए।' कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर आरएसएस की सर्वोच्च निर्णय इकाई की वार्षिक बैठक 'प्रतिनिधि सभा' को रद्द करने के संगठन के फैसले का संदर्भ देते हुए वैद्य ने कहा कि तबलीगी जमात भी अपने आयोजन को रद्द कर सकती थी।

उन्होंने कहा, 'आरएसएस ने बंगलुरु में होने वाली प्रतिनिधि सभा रद्द कर दी जो 15 मार्च से होने वाली थी। संघ के लगभग 1,500 सदस्यों को ट्रेनों से उतरने या विमान के टिकट रद्द करने के लिए कहा गया। जो लोग आयोजन स्थल पर पहुंचे चुके थे, उन्हें तत्काल वापस भेज दिया गया।' वैद्य ने यह घोषणा भी की कि संघ शिक्षा वर्ग (कार्यकर्ताओं का वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम) सहित आरएसएस के जून तक निर्धारित सभी कार्यक्रम महामारी के चलते रद्द कर दिए गए हैं।

गायिका कनिका कपूर हुईं स्वस्थ, अस्पताल से मिली छुट्टी

लखनऊ, 6 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कारण यहां संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती गायिका कनिका कपूर की लगातार दो रिपोर्ट में उनके संक्रमित नहीं होने की पुष्टि के बाद उन्हें सोमवार सुबह अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

हालांकि संक्रमण मुक्त होने और अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद भी कनिका की मुश्किलें कम नहीं हुई हैं क्योंकि पृथकवास की उनकी अवधि समाप्त होने के बाद पुलिस उनके खिलाफ दर्ज मामलों में उनसे पूछताछ कर सकती है।संजय गांधी पीजीआइ के निदेशक डॉ. आरके धीमन ने बताया कि दो दिन पहले कनिका कपूर की रिपोर्ट में वह संक्रमित नहीं पाई गई थीं, जिसके बाद रविवार शाम एक बार फिर उनकी रिपोर्ट में उनके संक्रमित नहीं होने की पुष्टि हुई। उन्होंने बताया कि कनिका कपूर को सोमवार सुबह अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और अब वह पूरी तरह से स्वस्थ हैं लेकिन उन्हें अभी कुछ दिन विशेष सावधानी बरतनी होगी। कनिका कपूर को अभी अपने घर पर 14 दिन पृथक वास में रहना होगा। कपूर लगातार चार जांच रिपोर्टों में संक्रमित पाई गईं थीं। पांचवीं और छठी रिपोर्ट में वह संक्रमण मुक्त पाई गईं जिसके बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

कोरोनो वायरस से संक्रमित होने के बाद शहर में विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेने को लेकर और लापरवाही बरतने के आरोप में कनिका के खिलाफ शहर के सरोजनी नगर पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) की धाराओं 188, 269 और 270 के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह प्राथमिकी लखनऊ के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी।

सरकार ने जारी किया परामर्श

पेज 1 का बाकी

मीडिया रिपोर्टों के आधार पर यह महसूस किया गया है कि राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य और बाघ संरक्षित क्षेत्रों में भी यह वायरस, मनुष्यों से जानवरों में भी फैल सकता है।

इसके मद्देनजर मंत्रालय ने राज्य सरकारों को इसका संक्रमण रोकने के सभी जरूरी एहतियाती उपाय करने का परामर्श दिया है। इसके लिए वन्य जीवन में मनुष्यों के दखल को न्यूनतम करने और राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य एवं बाघ संरक्षित क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही को प्रतिबंधित करने को कहा गया है। इसके अलावा हालात पर निगरानी रखने और किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए सभी जरूरी उपाय सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कार्यबल गठित करने का परामर्श दिया गया है।

अनुराग श्रीवास्तव ने संभाला विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का काम

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 6 अप्रैल।

वरिष्ठ राजनयिक अनुराग श्रीवास्तव ने सोमवार को रवीश कुमार की जगह विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के तौर पर प्रभार संभाल लिया। भारतीय विदेश सेवा के 1999 बैच के अधिकारी श्रीवास्तव इससे पहले इथियोपिया में भारत के राजदूत के तौर पर पदस्थ थे। उन्होंने ट्वीट किया, 'भारत के विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता के तौर पर प्रभार संभालकर सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

कोरोना मुक्त इलाकों को खोलने की श्रेणीबद्ध योजना'

पेज 1 का बाकी

रूप से निर्दिष्ट लाभार्थियों तक पहुंचती रहनी चाहिए। किसानों को फसल कटाई में हरसंभव सहायता दी जाएगी। उन्होंने मंत्रियों से ग्रामीण क्षेत्रों व जमीनी संस्थानों में आरोग्य सेतु ऐप को लोकप्रिय बनाने को कहा ताकि महामारी के बारे में जानकारी व जागरूकता बढ़ाई जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड-19 के आर्थिक प्रभाव को कम करने के लिए केंद्रीय मंत्रियों से कहा कि वह अपने-अपने मंत्रालयों की योजना युद्धस्तर पर तैयार करें और इस संकट को 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा देने और अन्य देशों पर निर्भरता को कम करने का अवसर करार दिया।

30 फीसद कम वेतन लेंगे प्रधानमंत्री, सांसद

पेज 1 का बाकी

अपने घर से होती है। सभी ने इसी भावना से निर्णय लिया है। जावडेकर ने कहा कि वेतन में कटौती और सांसद निधि के निलंबन के रूप में लिए गए दोनों निर्णय कोरोना के खिलाफ केंद्र व राज्य सरकारों की लड़ाई को नई दिशा देने वाले और महत्त्वपूर्ण साबित होंगे। कोरोना संक्रमण को देखते हुए देश बंदी के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पहली बार वीडियो लिंक के जरिए मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता की। मोदी के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह समेत कुछ वरिष्ठ अधिकारी प्रधानमंत्री आवास पर मौजूद थे।

दरअसल

लोग घरों से ही निपटा रहे हैं अपने काम | तकनीक | वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कर रहे मुलाकातें

पूर्णबंदी में इंटरनेट ने कामों को बनाया आसान

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

देश में कोरोना विषाणु को फैलने से रोकने के लिए 21 दिनों की पूर्णबंदी लागू है। ऐसे में आम लोगों, खासकर शहर में रहने वालों के कामों को इंटरनेट ने काफी हद तक आसान बना दिया है। इंटरनेट की मदद से लोग घर से ही काम कर पा रहे हैं। बीमार लोग अपने डॉक्टर से परामर्श ले पा रहे हैं।

इसके अलावा लोग इंटरनेट की मदद से वीडियो कॉल करके अपने खास और परिचित लोगों की न केवल खैर-खबर ले पा रहे हैं बल्कि उन्हें देख भी पा रहे हैं। साथ में दफ्तर की बैठकें भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कर रहे हैं। हालांकि पूर्णबंदी के बाद इंटरनेट की स्पीड कम हुई है और डेटा की खपत बढ़ी है। इसे देखते हुए नेटफ्लिक्स और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म ने वीडियो की गुणवत्ता को थोड़ा कम किया है।

सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआइ) के महानिदेशक रंजन मैथ्यू ने बताया कि इंटरनेट पर निर्भरता बढ़ने से देश में डेटा की खपत में कम से कम 20-30 फीसदी का इजाफा हुआ है। इसे देखते हुए, नेटफ्लिस और फेसबुक जैसे प्लेटफार्म ने वीडियो गुणवत्ता को कम किया है। इस बाबत सीओएआई ने सरकार को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि नेटवर्क पर पड़ने वाले बोझ को कम करने के लिए उपाय किए जाएं।

देश में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाली संख्या 48 करोड़ से ज्यादा है और जानलेवा कोरोना को फैलने से रोकने के लिए सरकार ने जब लोगों से घर में ही रहने को कहा तो इंटरनेट उनके लिए मसीहा बनकर सामने आया। एक ही शहर में रहने के बावजूद लोग एक दूसरे से नहीं मिल पा रहे हैं तो इंटरनेट उन्हें करीब लाया है। अगर इंटरनेट नहीं होता तो कई कंपनियों का कामकाज चरमरा जाता लेकिन वीडियो कॉल ने ऐसा होने नहीं दिया।

पुणे में रहने वाली श्रेया सेनगुप्ता का कहना है कि ऐसे तनावपूर्ण वक्त में इंटरनेट उन्हें चिंता मुक्त रखने में मदद कर रहा है। 29 साल की सेनगुप्ता ने कहा कि उन्हें लंदन जाना था लेकिन कोरोना के कारण उनकी यह यात्रा रद्द हो गई। ऐसे में वे वीडियो कॉल के जरिए लंदन में अपने भाई और बॉयफ्रेंड की खैर खबर तो ले ही रही हैं, साथ में उन्हें देख भी पा रही हैं।

> सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महानिदेशक रंजन मैथ्यू ने बताया कि इंटरनेट पर निर्भरता बढ़ने से देश में डेटा की खपत में कम से कम 20-30 फीसदी का इजाफा हुआ है। इसे देखते हुए, नेटफ्लिस और फेसबुक जैसे प्लेटफार्म ने वीडियो गुणवत्ता को कम किया है।

बीते कुछ हफ्तों के दौरान लोगों ने अपने परिवार के सदस्यों, दोस्तों और सहकर्मियों के साथ वीडियो चैट के स्क्रीन शॉट साझा किए हैं। इससे यह बात साबित होती है कि जब कोरोना को शिकस्त देने लिए सामाजिक दूरी का नियम अपनाया जा रहा है तब इंटरनेट लोगों को आपस में जोड़ रहा है।

मुंबई में एक एनजीओ के साथ काम करने वाली श्रुति मेनन के लिए भी इंटरनेट काफी मददगार साबित हुआ है। वो मार्च के पहले हफ्ते से ही वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अपने सहकर्मियों के साथ समन्वय कर रही हैं। मेनन ने कहा, 'हम अपनी कोर टीम के साथ दिन में एक बार सुबह वीडियो कॉल करने की कोशिश करते हैं। इससे दिन के काम की योजना बनाने में काफी मदद मिलती है। अगर किसी मुद्दे का तुरंत निदान करने की जरूरत होती है तो हम दूसरी बार भी वीडियो कॉल निर्धारित करते हैं।' उन्होंने कहा कि वीडियो कांफ्रेंसिंग आमने-सामने की बैठक का काफी हद तक विकल्प है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कई अस्पताल ऑनलाइन परामर्श दे रहे हैं। गुड़गांव के पारस अस्पताल ने अपने ऐप पर 22 मार्च से वीडियो सत्र के जरिए यह सुविधा शुरू कर दी है। अस्पताल के सुविधा निदेशक डॉ समीर कुलकर्णी ने बताया, 'लोगों से मेलजोल से दूर रहने के लिए कहे जाने के बाद से हमने ऑनलाइन परामर्श सेवा शुरू कर दी थी। डॉक्टर और मरीज के बीच वीडियो सत्र होते हैं। हम दवा का ई-पर्चा देते हैं और परामर्श शुरू होने से पहले फीस का भुगतान करना होता है।' इसके अलावा लोग एक दूसरे के साथ ऑनलाइन गेम्स, खासकर लूडो भी खेल रहे हैं, जिसमें भाग लेने वाले लोग देश के किसी भी हिस्से के हो सकते हैं।

www.readwhere.com

सीएपीएफ ने अपने कर्मियों की गैरजरूरी आवाजाही पर 15 अप्रैल तक रोक लगाई

छुट्टी पर चल रहे कर्मियों का अवकाश 10 दिन के लिए बढ़ाया गया

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) ने कोरोना विषाणु के मद्देनजर अपने जवानों एवं कर्मियों की सभी गैर जरूरी आवाजाही निलंबित कर दी है और उनकी छुट्टियां 15 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

इससे पहले मध्य मार्च में आदेश जारी किए गए थे जिनमें सीएपीएफ के जवानों एवं अधिकारियों को 'जहां हैं, वहीं पांच अप्रैल तक ठहरे रहने' के लिए कहा गया था।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, नए आदेश जारी किए गए हैं और सभी गैर जरूरी एवं नियमित आवाजाही, तबादलों एवं तैनाती पर स्थगन लगा दिया गया है। अब 15 अप्रैल तक इन बलों में ऐसी कोई यात्रा नहीं होगी। एजंसी के अनुसार, यात्रा के दौरान इस रोग की चपेट में आने के जोखिम को कम करने के लिए सक्षम अधिकारी ने निर्देश दिया है कि जो कर्मी पहले से ही अवकाश पर हैं एवं जिनके पांच अप्रैल से पहले ड्यूटी पर आने की संभावना है, उन सभी से 15 अप्रैल तक छुट्टी बढ़ा लेने को कहा जाए। आदेश में कहा गया है, छुट्टी मंजूर करने वाले अधिकारियों द्वारा संबंधित कर्मियों को फोन पर सूचना देकर ऐसा सुनिश्चित किया जा सकता है। आदेश में कहा गया है कि कोविड-19 से उत्पन्न वर्तमान स्थिति और देश में उसके मद्देनजर लगाए गए देशबंदी के चलते यह निर्णय लिया गया है।

सीएपीएफ में करीब 10 लाख कर्मी हैं। उसके तहत केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ), भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) आते हैं। आतंकवाद निरोधक बल नेशनल सेक्युरिटी गार्ड को भी इस सरकारी आदेश में शामिल किया गया है। सीएपीएफ के एक अधिकारी ने कहा था कि इन बलों में इस महामारी को फैलने से रोकने यह आदेश पहले जारी किया गया था। गृहमंत्रालय ने पिछले महीने इन बलों को निर्देश दिया था कि इकाइयों या ड्यूटी पर तैनात सभी कर्मियों की गैर आपात छुट्टियां रद्द कर दी जाएं ताकि यात्रा के दौरान कोरोना विषाणु की चपेट में आने का जोखिम घट जाए। इन बलों में अब तक एक दर्जन से अधिक कोविड-19 मामले सामने आ चुके हैं।

बिहार के दो और मेडिकल कालेज अस्पताल 'कोरोना विशेष' घोषित

भागलपुर, 6 अप्रैल (जनसत्ता)।

कोरोना विषाणु संक्रमण के तेजी से फैलने के खतरे की शंका की वजह से बिहार के दो और मेडिकल कालेज अस्पताल को 'कोरोना विशेष' घोषित किया गया है। इस सिलसिले में स्वास्थ्य महकमा की अधिसूचना रविवार को देर शाम जारी हुई है। साथ ही दूसरी सूचना जारी कर राज्य के स्वास्थ्य महकमा से जुड़े निदेशक प्रमुख से लेकर डाक्टरों व तमाम कर्मचारियों की छुट्टी 30 अप्रैल तक रद्द कर दी है। यह छुट्टी पहले 31 मार्च तक रद्द की गई थी।

स्वास्थ्य महकमा के अपर सचिव के दस्तखत से यहां जारी अधिसूचना के मुताबिक जवाहरलाल नेहरू भागलपुर मेडिकल कालेज अस्पताल और अनुग्रह नारायण गया मेडिकल कालेज अस्पताल में अब केवल कोरोना विषाणु से संक्रमित मरीजों का ही इलाज होगा। इसके लिए अपनी तैयारी के वास्ते सरकार ने अस्पताल प्रशासन को दो दिनों का समय दिया है। पटना का नालंदा मेडिकल कालेज अस्पताल पहले ही कोरोना मरीजों के इलाज के लिए समर्पित कर दिया गया था।

दूसरी ओर, एक अच्छी खबर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. रामचरित्र मंडल ने दी है। उन्होंने कहा कि भागलपुर में भर्ती छह मरीजों की रिपोर्ट अब नकारात्मक आई है। इनमें चार मरीज मुंगेर और दो सहरसा के हैं। एक 65 साल के नौगछिया के संक्रमित मरीज का इलाज चल रहा है। उसे रविवार को ही भर्ती किया गया है।

निजामुद्दीन की घटना पर शरद पवार का सवाल

धार्मिक कार्यक्रम के लिए अनुमति किसने दी?

मुंबई, 6 अप्रैल (भाषा)।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने सोमवार को पूछा कि नई दिल्ली के निजामुद्दीन में तबलीगी जमात के धार्मिक आयोजन के लिए अनुमति किसने दी थी। यह कार्यक्रम देश में कोरोना विषाणु के बड़े केंद्र के रूप में उभरा है।

पवार ने फेसबुक पर लोगों के साथ लाइव संवाद में कहा था कि महाराष्ट्र सरकार ने इससे पहले यहां इस तरह के आयोजन की अनुमति नहीं दी थी। उन्होंने कहा कि इससे पहले महाराष्ट्र में दो बड़ी सभाएं-एक मुंबई के पास और दूसरी सोलापुर जिले में प्रस्तावित थी।

पवार ने कहा कि मुंबई के पास वाले कार्यक्रम के लिए अनुमति पहले ही नहीं दी गई जबकि पुलिस ने राज्य की ओर से जारी परामर्श का उल्लंघन करने के लिए सोलापुर कार्यक्रम (आयोजकों) के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। उन्होंने पूछा, 'अगर महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ऐसे फैसले ले सकते हैं, तो दिल्ली में इसी तरह के कार्यक्रम के लिए अनुमति देने से इनकार क्यों नहीं किया गया और किसने इसके लिए मंजूरी दी?' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने निजामुद्दीन कार्यक्रम को मीडिया में जोर-शोर से उछाले जाने पर भी निराशा जाहिर की।

उन्होंने कहा, 'मीडिया के लिए इसको इतना उछालना जरूरी क्यों है? यह बेवजह देश में एक समुदाय को निशाना बनाता है।' देश में हुई करीब 15 मौत और कोविड-19 के 400 से ज्यादा मामलों को पिछले महीने तबलीगी जमात के निजामुद्दीन मुख्यालय में हुए धार्मिक कार्यक्रम से जोड़ा गया है।

'येदियुरप्पा किसानों के लिए विशेष पैकेज का एलान करें'

बंगलुरु, 6 अप्रैल (भाषा)।

कर्नाटक में विपक्ष के नेता सिद्धरमैया ने मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा से सोमवार को अपील की कि वे पूर्णबंदी के कारण प्रभावित हुए किसानों, खेतिहर मजदूरों और विभिन्न क्षेत्र के कामगारों की मदद के लिए विशेष पैकेज की घोषणा करें।

सिद्धरमैया ने अपनी ये मांगें मुख्यमंत्री के साथ फोन पर हुई बातचीत के दौरान रखीं, जिसपर येदियुरप्पा ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में बताया गया कि मुख्यमंत्री ने उन्हें सूचित किया है कि वह विपक्ष की ओर से दिए गए सुझावों को ध्यान में रखते हुए एक कार्यक्रम बनाएंगे। बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने इंदिरा कैंटीनों के जरीए गरीबों और जरूरतमंदों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराने को रोकने के सरकार के फैसले के संबंध में भी उनसे बात की।

सिद्धरमैया ने शनिवार को येदियुरप्पा को पत्र लिखकर कोरोना वायरस संकट और बंद खत्म होने तक उनसे इंदिरा कैंटीन का प्रयोग गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने की अपील की थी।

मुंबई के घाटकोपर में सोमवार को एक महिला की जांच करती डाक्टर।

अंधविश्वास में आकर कोरोना के खिलाफ संकल्प को कमजोर न होने दें : नायडू

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने देशवासियों को कोरोना वायरस के बारे में फैलाए जा रहे अंधविश्वासों और सुनी-सुनाई बातों के बहकावे में आने से बचने के लिए आगाह करते हुए अपील की है कि बहकावे में आकर वे कोविड-19 के विरुद्ध अपने संकल्प को कमजोर नहीं होने दें।

उपराष्ट्रपति कार्यालय द्वारा सोमवार को जारी बयान के अनुसार नायडू ने सोशल मीडिया के माध्यम से देशवासियों से कोरोना की चुनौती को परास्त करने के लिये हरसंभव सहयोग की अपील की। उन्होंने फेसबुक पर अपने लेख में कहा कि विभिन्न माध्यमों, खासकर सोशल मीडिया पर फैलाया जा रहा अंधविश्वास और भ्रामक जानकारियां अपने आप में 'वायरस' हैं और इन्हें तत्काल रोका जाना जरूरी है।

नायडू ने कहा, 'सभी धार्मिक समुदायों को यह समझने की जरूरत है कि कोरोना का संक्रमण फैलने से रोकने के लिर सुरक्षित सामाजिक दूरी बनाए रखने के मानकों के पालन को गंभीरता से लेना जरूरी है। उन्होंने देशवासियों से किसी भी समुदाय के प्रति निराधार पूर्वाग्रह न रखने की भी अपील की है। साथ ही उपराष्ट्रपति ने कोरोना के खिलाफ संघर्ष में अग्रिम पंक्ति के योद्धा के रूप में डटे चिकित्साकर्मियों के प्रति सम्मान और निष्ठा बनाए रखने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है, तभी इस जंग में कामयाबी मिल सकती है।

उपराष्ट्रपति ने कुछ राज्यों में सामाजिक दूरी के निर्देशों के गैर जिम्मेदाराना उल्लंघन तथा दिल्ली में हाल ही में आयोजित हुए एक धार्मिक आयोजन का जिक्र करते हुए कहा कि इस बारे में जारी दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सभी देशवासियों से अपेक्षित है कि भविष्य में कोरोना संबंधी दिशानिर्देशों का ऐसा दुर्भाग्यपूर्ण गैर जिम्मेदाराना उल्लंघन नहीं होने देंगे।

कोरोना से हुई मौत के दावों से इनकार नहीं कर सकतीं बीमा कंपनियां

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

जीवन बीमा परिषद ने सोमवार को कहा कि सभी बीमा कंपनियां कोविड-19 के कारण हुई मौत के सिलसिले में दावों का निपटान करने के लिए बाध्य हैं।

परिषद ने एक बयान में कहा कि सार्वजनिक और निजी, दोनों जीवन बीमाकर्ता कोविड-19 से संबंधित किसी भी मृत्यु दावे के निपटान के लिए प्रतिबद्ध हैं। परिषद ने कहा कि कोविड-19 से मौत के दावों के मामले में 'फोर्स मेजर' का प्रावधान लागू नहीं होगा। फोर्स मेजर का अर्थ है ऐसी अप्रत्याशित दशाएं, जब समझौते का पालन बाध्यकारी नहीं होता।

जीवन बीमा परिषद ने कहा कि कोविड-19 से मौत के दावों के मामले में 'फोर्स मेजर' का प्रावधान लागू नहीं होगा। फोर्स मेजर का अर्थ है ऐसी अप्रत्याशित दशाएं, जब समझौते का पालन बाध्यकारी नहीं होता।

यह बयान उन ग्राहकों को भरोसा दिलाने के लिए जारी किया गया है, जिन्होंने इस संबंध में जीवन बीमा कंपनियों से सफाई मांगी थी और अफवाहों को दूर करने के लिए कहा था।

सभी जीवन बीमा कंपनियों ने इस संबंध में व्यक्तिगत रूप से अपने ग्राहकों को सूचित किया है। जीवन बीमा परिषद के महासचिव एसएन भट्टाचार्य ने कहा कि कोविड-19 महामारी के वैश्विक और स्थानीय स्तर पर बढ़ते प्रकोप से हर घर में जीवन बीमा की जरूरत को बल मिला है। जीवन बीमा उद्योग यह सुनिश्चित करने के लिए हर उपाय कर रहा है कि लॉकडाउन के कारण पॉलिसीधारकों को कम से कम दिक्कत हो और उन्हें डिजिटल माध्यमों के जरिए निर्बाध रूप से सहायता मिले, फिर चाहे वह कोविड-19 से संबंधित मृत्यु दावों का निपटान हो या पॉलिसी से संबंधित कोई दूसरी सेवा। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में जीवन बीमा कंपनियां अपने ग्राहकों के साथ हैं और ग्राहकों को अफवाहों से प्रभावित नहीं होना चाहिए।

बैंकों का एनपीए व ऋण लागत बढ़ने की आशंका

मुंबई, 6 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना महामारी के कारण आर्थिक मंदी से देश में 2020 के दौरान बैंकों के गैर-निष्पादित आस्ति (एनपीए) अनुपात में 1.9 फीसद और ऋण लागत अनुपात में 1.3 फीसद की बढ़ोतरी होने का अनुमान है।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के मुताबिक कोरोना वायरस संकट के कारण एशिया-प्रशांत बैंकों की ऋण लागत में 300 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हो सकती है। उसका अनुमान है कि चीन का एनपीए अनुपात लगभग दो फीसद बढ़ेगा, जबकि ऋण लागत अनुपात में एक फीसद की बढ़ोतरी होगी। रेटिंग एजंसी के क्रेडिट विश्लेषक गेविन गुनिंग ने कहा कि भारत में एनपीए अनुपात लगभग चीन के समान (1.9 फीसद) रह सकता है, लेकिन ऋण लागत अनुपात अधिक बुरा होकर करीब 1.3 फीसद बढ़ सकता है।

गनिंग ने कहा कि ऐसी चिंताएं भी हैं कि कोरोना विषाणु आगे और तेजी से फैलेगा और उसका असर लंबे समय तक रह सकता है। इससे 2020 में आर्थिक तकलीफ और बढ़ेगी, जिसका अनुमान हम पहले ही लगा चुके हैं। वित्तीय दशाएं और खराब हो सकती हैं, क्योंकि निवेशक जोखिम से बचने की कोशिश करेंगे। इससे बैंकों द्वारा दिया गया कर्ज प्रभावित होगा।

मार्च में घटी पेट्रोल-डीजल की बिक्री, एलपीजी की बढ़ी

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना महामारी रोकने के लिए लागू 21 दिन के बंद के बीच मार्च में पेट्रोल-डीजल की बिक्री में भारी कमी आई है। इस दौरान पेट्रोल की बिक्री में 17.6 फीसद और डीजल की बिक्री में 26 फीसद की गिरावट दर्ज की गई। विमान ईंधन की बिक्री भी 31.6 फीसद कम हुई है। बंद के कारण सड़कों पर वाहनों के आवागमन पर तो रोक है ही, विमानों की उड़ानें भी बंद हैं। केवल जरूरी सेवाओं के लिए ही इनकी अनुमति दी जा रही है। इस दौरान घरेलू गैस सिलेंडर की बिक्री बढ़ी है।

पेट्रोलियम उद्योग के अनंतिम आंकड़ों के मुताबिक एक साल पहले मार्च के मुकाबले इस साल मार्च में पेट्रोल की बिक्री 17.6 फीसद घटकर 19.43 लाख टन रही। वहीं डीजल की बिक्री 25.6 फीसद घटकर 49.82 लाख टन रह गई। विमान ईंधन की बिक्री भी घटकर 4.63 लाख टन रह गई। इस दौरान केवल एलपीजी सिलेंडर की मांग में ही वृद्धि दर्ज की गई। मार्च के दौरान एलपीजी की बिक्री एक साल पहले इसी महीने के मुकाबले 1.9 फीसद बढ़कर 22.86 लाख टन हो गई।

सार्वजनिक क्षेत्र की तीनों तेल विपणन कंपनियों के उपलब्ध कराए गए ये अस्थाई आंकड़े हैं। ये आंकड़े इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (आइओसीएल), भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने उपलब्ध कराए हैं। निजी क्षेत्र की कंपनियों के बिक्री आंकड़े भी अगले कुछ दिन में मिलने के बाद बिक्री के अंतिम आंकड़े तय किए जा सकेंगे।

उद्योग सूत्रों का कहना है कि अप्रैल 2020 में भी स्थिति में ज्यादा बदलाव आने की उम्मीद नहीं लगती है। बंद अभी 14 अप्रैल तक लागू है। उसके बाद की स्थिति स्पष्ट नहीं है। बंद खत्म होने और सार्वजनिक परिवहन खुलने के बाद ही मांग में तेजी आ सकेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में 25 मार्च से 21 दिन का बंद लागू किया है। इस दौरान देशभर में सभी दफ्तर, कारखाने बंद रखे गए हैं। केवल जरूरी सेवाओं को इससे अलग रखा गया है। सड़क आवागमन, रेलगाड़ियों का आवागमन और विमानों की उड़ान सभी कुछ बंद है। लोगों इस दौरान घरों में रहने का कहा गया है ताकि कोरोना विषाणु की श्रृंखला को तोड़ा जा सके।

केनरा बैंक ने कर्ज की ब्याज दरें घटाईं

बंगलुरु, 6 अप्रैल (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने सिंडिकेट बैंक के लिए सभी अवधि के कर्ज के लिए कोष की सीमांत लागत आधारित ब्याज दर (एमसीएलआर) घटा दी है। नई दरें मंगलवार से प्रभावी हो जाएंगी। सिंडिकेट बैंक का विलय केनरा बैंक में हुआ है।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने यहां जारी एक बयान में कहा कि एक साल की अवधि वाले कर्ज के लिए 0.35 फीसद, छह महीने की अवधि वाले कर्ज के लिए 0.30 फीसद, तीन महीने की अवधि के कर्ज लिए 0.2 फीसद और एक महीने व एक दिन के लिए ब्याज दर में 0.15 फीसद की कटौती की है।

बयान के अनुसार रेपो दर से संबद्ध ब्याज दर (आरएलएलआर) 0.75 फीसद घटाकर 8.05 फीसद से 7.30 फीसद कर दिया गया है। नई दरें मंगलवार से प्रभावी होंगी।

मुकेश अंबानी की संपत्ति दो महीने में 28 फीसद गिरी

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

बाजारों में उथल-पुथल के बीच देश के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी की संपत्ति में दो माह के दौरान 28 फीसद कमी आई है। कोरोना महामारी और उससे जुड़ी पाबंदियों की वजह से शेयर बाजारों में गिरावट के रुख के कारण 31 मार्च को अंबानी की संपत्ति का मूल्य 48 अरब डॉलर रहा।

परामर्श फर्म हुरुन की वैश्विक अमीरों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अंबानी दुनिया के आठवें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। फरवरी-मार्च में बाजार भाव से उनकी संपत्ति 19 अरब डॉलर गिर गई। सूची में शामिल अन्य भारतीयों में अडाणी समूह के प्रमुख गौतम अडाणी की संपत्ति में छह अरब डॉलर या 37 फीसद की गिरावट दर्ज की गई। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के प्रमुख शिव नाडर की संपत्ति पांच अरब डॉलर या 26 फीसद और कोटक बैंक के उदय कोटक की चार अरब डॉलर या 28 फीसद संपत्ति कम हुई है। अंबानी को छोड़कर बाकी तीनों लोग शीर्ष सौ की सूची से बाहर हो गए हैं।

कोरोना महामारी के कारण पिछले दो महीनों में भारतीय शेयर बाजार में 25 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। दुनियाभर की कंपनियों को कोरोना महामारी की आर्थिक कीमत चुकानी पड़ी है। हुरुन रिपोर्ट के भारत के प्रबंध निदेशक अनस रहमान ने कहा कि भारत के शीर्ष उद्योगपतियों को शेयर बाजार में 26 फीसद की गिरावट और डॉलर के मुकाबले रुपए के 5.2 फीसद कमजोर होने का असर झेलना पड़ा है। दुनिया भर में सबसे ज्यादा संपत्ति का नुकसान उठाने वाले अंबानी दूसरे व्यक्ति हैं। फ्रांस की फैशन कंपनी एलवीएमएच के प्रमुख बर्नाड आर्नाल्ट की संपत्ति 28 फीसद या 30 अरब डॉलर घटकर 77 अरब डॉलर रह गई है।

दूसरे राहत पैकेज पर काम कर रहा है वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

वित्त मंत्रालय कोरोना की वजह से बुरी तरह से प्रभावित अर्थव्यवस्था के लिए दूसरे राहत पैकेज की तैयारी में है।

सरकार ने पिछले सप्ताह ही गरीबों और समाज के वंचित तबकों के लिए मुफ्त खाद्यान्न और नकद हस्तांतरण के रूप में 1.70 लाख करोड़ का राहत पैकेज घोषित किया था। पाबंदी के दौरान लोगों की मदद के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत यह पैकेज लाया गया। सूत्रों ने बताया कि अब सरकार अर्थव्यवस्था के उन क्षेत्रों के लिए मदद के उपाय तय करने में लगी है जिन पर बंद का सबसे बुरा असर पड़ा है। इस पैकेज की घोषणा अगले कुछ दिनों में हो सकती है। इसके साथ ही नागरिकों, खासकर गरीबों व वंचित तबके को राहत देने के लिए कुछ और उपाय किए जा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा गठित अधिकार प्राप्त समूह के साथ वित्त मंत्रालय इस मामले में कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

यह समूह ग्रामीण क्षेत्र की परेशानी पर भी गौर कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक यह समूह सूक्ष्म, लघु व मझोले उद्यमों, होटल व आतिथ्य क्षेत्र, नागरिक उड्डयन, कृषि और सहायक क्षेत्र की समस्याओं पर गौर कर रहा है। इन क्षेत्रों से मिली ताजा जानकारी के आधार पर ही प्रोत्साहन पैकेज पर काम कर रहा है। पैकेज तैयार हो जाने के बाद प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली मंत्रिमंडल की बैठक में इस पर विचार किया जाएगा। उसके बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इसकी घोषणा कर सकती हैं। यह घोषणा रोक की समाप्ति के करीब हो सकती है ताकि औद्योगिक गतिविधियों को फिर से पटरी पर लाया जा सके।

'गूगल मैप्स' दिखाएगा भोजन वितरण व रैनबसेरों की जगह

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

गूगल अपनी 'गूगल मैप्स' सेवा पर देशभर में संचालित किए जा रहे रैनबसेरों और भोजन वितरण केंद्रों की जानकारी देगी। कोरोना विषाणु के सामुदायिक फैलाव को रोकने के लिए देशव्यापी बंद के दौरान इससे लोगों को अनिवार्य वस्तुओं व सेवाओं तक पहुंचने में आसानी होगी।

गूगल इंडिया के वरिष्ठ प्रोग्राम मैनेजर अनल घोष ने एक बयान में कि खाने और रहने के शिविरों को गूगल मैप्स पर दिखाने के लिए वह केंद्र और राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम कर रही है। कंपनी ने कहा कि देश के 30 शहरों में लोग गूगल मैप्स, गूगल सर्च और गूगल असिस्टेंट का उपयोग कर इन जगहों की जानकारी पा सकते हैं।

इन जगहों की जानकारी पाने के लिए लोगों को इनमें से किसी भी सेवा के पेज पर जाकर सर्च में 'फूड शेल्टर्स' (भोजन वितरण शिविर) या नाइट शेल्टर्स (रैनबसेरा) और शहर का नाम लिखना होगा। यह सेवा हिंदी में भी उपलब्ध होगी।कंपनी ने कहा कि वह अन्य भारतीय भाषाओं में भी इसे उपलब्ध कराने की कोशिश कर रही है।

दवा निर्यात का 22 अरब डालर का लक्ष्य पाना मुश्किल

हैदराबाद, 6 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु का प्रसार रोकने के लिए लगाए गए प्रतिबंधों और निर्यात पाबंदी का असर देश से दवाओं के निर्यात पर भी पड़ सकता है। औषधि निर्यात संवर्धन परिषद के एक अधिकारी ने कहा कि कुछ दवाओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगने की वजह से 2019-20 में औषधि निर्यात के 22 अरब डालर के लक्ष्य को हासिल करना मुश्किल होगा।

परिषद के मुताबिक 31 मार्च, 2019 को समाप्त वित्त वर्ष में औषधि निर्यात लक्ष्य से कम रहा सकता है। परिषद को पहले उम्मीद थी कि वर्ष के दौरान यह 22 अरब डालर के आंकड़े को पार कर जाएगा। औषधि निर्यात संवर्धन परिषद (फार्मेक्सिल) के महानिदेशक उदय भास्कर ने कहा कि इससे पिछले वित्त वर्ष में दवाओं का निर्यात 19.14 अरब डालर था। उन्होंने कहा कि कोरोना विषाणु फैलने की स्थिति को लेकर वैश्विक स्थिति अनिश्चित हो गई है। हर देश ने अपने-अपने तरीके से प्रतिबंध लगा रखे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल मार्च में निर्यात 2.1 अरब डालर रहा था। इससे 2019-20 के दौरान दवा निर्यात 22 अरब डालर तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया। इससे पहले 2017-18 में दवाओं का निर्यात 17.28 अरब डालर रहा था।

कोविड-19 महामारी के इलाज में कुछ दवाओं की अहम भूमिका को देखते हुए भारत ने पैरासिटामोल और हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन जैसी कुछ दवाओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। अधिकारी ने कहा कि जहां तक निर्यात की बात है, कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं, लेकिन हम पिछले साल के आंकड़े को पार कर सकते हैं। पिछले वित्त वर्ष में हमने 19.14 अरब डालर का निर्यात किया था। 2019-20 में फरवरी अंत तक हमने 18.74 अरब डालर का निर्यात कर लिया था। मार्च में यदि बड़ी कमी आती भी है तो भी निर्यात आंकड़ा 2018-19 से अधिक रह सकता है। उन्होंने कहा कि भारत को चीन से कुछ सक्रिय औषधि सामग्री (एपीआइ) मिलनी शुरू हो गई है, हालांकि इस तरह की थोक दवाओं को अभी उनके गंतव्य तक पहुंचाना मुश्किल हो रहा है। इस समय की स्थिति के मुताबिक एपीआइ आयात पाने में कोई कठिनाई नहीं है।

www.readwhere.com

'सीएसके और मुंबई के मुकाबलों में मलिंगा पर भारी पड़ते हैं धोनी'

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

न्यूजीलैंड के पूर्व हरफनमौला स्कॉट स्टायरिस का मानना है कि चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबले में लसिथ मलिंगा पर महेंद्र सिंह धोनी भारी पड़ते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) प्रतिद्वंद्विता में खेल के सर्वश्रेष्ठ फिनिशर धोनी और आखिरी ओवरों के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मलिंगा के बीच मुकाबले में पूर्व भारतीय कप्तान हावी होते हैं।

चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम ने आइपीएल के 10 सत्र में भाग लिया है जिसमें से टीम आठ बार फाइनल में पहुंची है। वहीं मुंबई की टीम 12 सत्र में से पांच बार फाइनल में पहुंचने में सफल रही है। फाइनल में मुंबई का प्रदर्शन हालांकि अच्छा रहा है जिसने इस खिताब को चार बार जीता है।

स्टायरिश ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा कि यह निरंतरता से जुड़ा है। सीएसके का प्रदर्शन नॉकआउट मैचों में शानदार रहा है। आइपीएल से उम्मीद होती है कि वह भारतीय टीम के लिए खिलाड़ी तैयार करें और इस मामले में सीएसके ने सबसे ज्यादा नवोदित खिलाड़ियों को तैयार किया है। टीम की कोशिश नए खिलाड़ियों को तैयार करने की रहती है।

उन्होंने कहा कि आखिरी ओवरों में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज के खिलाफ यह

10 बार आइपीएल खेल चुकी है चेन्नई की टीम

12 बार आइपीएल का हिस्सा रही है मुंबई इंडियंस

4 खिताब जीते हैं मुंबई ने, चेन्नई के पास सिर्फ तीन

मैच के सर्वश्रेष्ठ फिनिशर के बारे में है। धोनी और मलिंगा के मुकाबले में चेन्नई की टीम के कप्तान भारी पड़े है।

भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी संजय मांजरेकर का मानना है कि आइपीएल में चेन्नई की टीम सबसे निरंतर रही है लेकिन बाद के वर्षों में मुंबई इंडियंस उन पर भरी पड़ी है। मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस ने चार बार आइपीएल के खिताब को हासिल किया है जबकि चेन्नई तीन बार चैंपियन रही है।

मांजरेकर ने कहा कि जब हम जीतने की प्रतिशत को देखते हैं, जोकि टीमों की सफलता को मापने का अच्छा तरीका है तो यह रेकार्ड चेन्नई के पक्ष में है। बाद के वर्षों में हालांकि मुंबई इंडियंस ने शानदार वापसी की और ज्यादा मुकाबलों में जीत दर्ज की।

उन्होंने कहा कि मुंबई इंडियंस चार बार चैंपियन बनी है जबकि सीएसके ने तीन बार खिताब जीता है। मुंबई की टीम हालांकि दो सत्र अधिक खेली है (चेन्नई को दो सत्रों के लिए प्रतिबंधित किया गया था)।

उन्होंने कहा कि जब आप रेकार्ड पर गौर करते हैं, तो मुंबई इंडियंस एक ऐसी टीम के रूप में उभर रही है, जो पिछले कुछ वर्षों में चेन्नई को चुनौती दे रही है, वे वास्तव में चेन्नई की तुलना में बेहतर टीम रही है।

मांजरेकर ने कहा कि जब मुंबई की टीम फाइनल में पहुंचती है तो उनके जीतने का अधिक मौका रहता है। अगर आप पूरे आइपीएल को देखेंगें तो चेन्नई को सबसे सफल टीम कहा जा सकता है लेकिन अब मुंबई का रेकार्ड बेहतर हो रहा है।

दिल्ली : निशानेबाजी विश्व कप रद्द

मई तक के लिए स्थगित किया गया था टूर्नामेंट

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

राजधानी में मई में होने वाला निशानेबाजी विश्व कप कोरोना विषाणु महामारी के कारण रद्द कर दिया गया है। यह विश्व कप 15 से 26 मार्च के बीच होना था जिसे मई तक के लिए स्थगित किया गया था।

आइएसएसएफ ने एक बयान में कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण नई दिल्ली आयोजन समिति को राइफल, पिस्टल और शॉटगन विश्व कप रद्द करना पड़ा। ये दोनों टूर्नामेंट दिल्ली में होने थे।

पहले यह तय किया गया था कि राइफल और पिस्टल विश्व कप पांच से 12 मई तक और शॉटगन टूर्नामेंट दो से नौ जून तक होगा। मौजूदा हालात को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आइएसएसएफ) ने दोनों रद्द करने का फैसला किया।

विश्व बैडमिंटन महासंघ ने जुलाई तक सारे टूर्नामेंट स्थगित किए : विश्व बैडमिंटन महासंघ ने सोमवार को अपने सारे अंतरराष्ट्रीय, जूनियर और पैरा टूर्नामेंट कोरोना वायरस संक्रमण के कारण मई से जुलाई तक स्थगित कर दिए।

"कोरोना वायरस महामारी के कारण नई दिल्ली आयोजन समिति को राइफल, पिस्टल और शॉटगन विश्व कप रद्द करना पड़ा। ये दोनों टूर्नामेंट दिल्ली में होने थे। -आइएसएसएफ

इनमें अधिकांश ग्रेड टू और थ्री टूर्नामेंट हैं जिनमें एचएसबीसी बीडब्लूएफ विश्व टूर, बीडब्लूएफ टूर और बीडब्लूएफ से मान्य अन्य टूर्नामेंट हैं। मेजबान सदस्य संघों और उपमहाद्वीपीय परिसंघों से मशविरे के बाद यह फैसला लिया गया। इस दौरान इंडोनेशिया ओपन 2020 भी स्थगित कर दिया गया है।

एक विज्ञप्ति के अनुसार, 'कोरोना वायरस संक्रमण के कारण ये सारे टूर्नामेंट स्थगित करने पड़े हैं। खिलाड़ियों, उनकी टीम, अधिकारियों और बैडमिंटन समुदाय की सेहत सर्वोपरि है।' पिछले सप्ताह बीडब्लूएफ ने विश्व रैंकिंग और जूनियर रैंकिंग भी फ्रीज (बंद) कर दी थी।

2020 में टेनिस टूर्नामेंटों के आयोजन की संभावना कम : सबातीनी

ब्यूनस आयर्स, 6 अप्रैल (भाषा)।

अर्जेंटीना की अपने जमाने की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और पूर्व यूएस ओपन चैंपियन गैब्रियला सबातीनी को लगता है कि कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में पेशेवर टेनिस की वापसी की संभावना कम हो गई है। सबातीनी ने सुबिडोस ला रेड पोडकास्ट से कहा कि मुझे लगता है कि आगामी महीनों में किसी खेल प्रतियोगिता का आयोजन करना मुश्किल होगा। मुझे संदेह है कि टेनिस में अब इस साल शायद ही कोई टूर्नामेंट हो पाएगा।

इससे पहले विंबलडन प्रमुख रिचर्ड लुईस भी इस तरह की संभावना जता चुके हैं। लुईस ने हाल में कहा था कि मुझे नहीं लगता कि यह कहना अवास्तविक होगा कि हो सकता है कि इस साल आगे कोई टेनिस टूर्नामेंट न हो। दुनिया की तमाम खेल प्रतियोगिताओं की तरह टेनिस टूर्नामेंटों का आयोजन नहीं हो रहा है। फ्रेंच ओपन को सितंबर-अक्तूबर तक स्थगित कर दिया गया है।

विजेंदर को साल के आखिर में रिंग में लौटने की उम्मीद

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (भाषा)।

भारत के पेशेवर मुक्केबाज विजेंदर सिंह को कोविड-19 के कारण अपनी सारी योजनाएं रद्द करनी पड़ी है। लेकिन उन्हें साल के अंतिम छह महीनों में रिंग में उतरने और अपना पेशेवर करिअर फिर से शुरू करने की उम्मीद है। विजेंदर अभी सर्किट में अजेय हैं और उन्होंने अपने सभी 12 मुकाबले जीते हैं। उनका अमेरिका के बॉब आरुम के टॉप रैंक प्रमोशन्स के साथ अनुबंध है।

अमेरिका भी अभी इस घातक महामारी की चपेट में है जिससे वहां लगभग 10,000 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। मुक्केबाजी में भारत के पहले ओलंपिक पदक विजेता 34 वर्षीय विजेंदर ने कहा कि मुझे मई में मुकाबले में उतरना था लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए उसे रद्द कर दिया गया है। मुझे उम्मीद है कि चीजों में सुधार होगा और साल के आखिर में मुझे मुकाबले में उतरने का मौका मिलेगा। मुझे लगता है कि ऐसा होगा।

उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर मुझे नुकसान हुआ है लेकिन कुछ नहीं किया जा सकता है। ऐसे में शांतचित रहने और चीजों के सामान्य होने का इंतजार करना ही उचित है। विजेंदर ने कहा कि वह सुरक्षित रहकर दिल्ली में अपने आवास पर लगातार अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरे घर में सब कुछ है और मुझे बाहर जाने की जरूरत नहीं है। मैं खुद ही अभ्यास करता हूं जो कि असामान्य नहीं है क्योंकि मुझे तभी ट्रेनर का साथ मिलता है जब मैं इंग्लैंड में होता हूं।

विजेंदर के ट्रेनर मैनचेस्टर के ली बीयर्ड हैं जिन्हें मुकाबले से कुछ दिन पहले उनसे जुड़ना था। इस मुक्केबाज ने कहा कि मुकाबला जब भी शुरू होगा मैं उसके लिए खुद को तैयार रखना चाहता हूं। मैं घर पर तैयारियां कर रहा हूं क्योंकि आप किसी भी तरह से बाहर नहीं निकल सकते हैं।

दर्शकों के बिना अभी मैच कराने के पक्ष में नहीं हैं वकार

करांची, 6 अप्रैल (भाषा)।

पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच वकार युनूस ने सोमवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के बीच वह खाली स्टेडियमों में क्रिकेट शुरू करने के पक्ष में नहीं है। उन्हें लगता है कि जब दुनिया स्वास्थ्य संकट से जूझ रही है तो ऐसी योजनाओं से अधिक समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कुछ समय के बाद इस तरह के विकल्प के बारे में सोच सकते हैं लेकिन अभी या अगले महीने नहीं। यह स्थिति क्रिकेट गतिविधियों के लिए ठीक नहीं।

वकार ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कहा कि अभी किसी भी तरह के क्रिकेट का आयोजन नहीं होना चाहिए। कोविड-19 महामारी के कारण दुनिया भर में 70,000 लोगों की जान चल गई है। उन्होंने कहा कि नहीं, मैं इस सुझाव से सहमत नहीं हूं कि क्रिकेट गतिविधियों को खाली स्टेडियमों में जल्द ही शुरू करना चाहिए।

कुछ पूर्व क्रिकेट सितारों और क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों ने कहा था कि खेल को धीरे-धीरे फिर से शुरू किया जा सकता है जहां मैचों का आयोजन खाली स्टेडियम में हो, जरूरी सावधानी के साथ हो सकता है। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि मुझे लगता है कि पांच छह महीने में जब दुनिया भर में चीजें नियंत्रित हो और जिंदगी सामान्य तरीके से पटरी पर आ जाए तब हम बिना दर्शकों के मैच के बारे में सोच सकते हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ समय के बाद इस तरह के विकल्प के बारे में सोच सकते हैं लेकिन अभी या अगले महीने नहीं। यह स्थिति क्रिकेट गतिविधियों के लिए ठीक नहीं। वकार ने साफ किया कि वह चाहते हैं कि टी-20 विश्व कप इसी साल आस्ट्रेलिया में हो भले ही इसका आयोजन देरी से हो। उन्होंने कहा कि जब भी मैं एक खिलाड़ी के रूप में या कोच के तौर पर पाकिस्तान जुड़ा रहता हूं तो मेरी ख्वाहिश किसी बड़े आइसीसी खिताब को जीतने की होती है। यही कारण है कि यह टी-20 विश्व कप मेरे और टीम के लिए इतना अहम है।

कोरोना : फ्रांसीसी क्लब के चिकित्सक ने की आत्महत्या

रीम्स (फ्रांस), 6 अप्रैल (एएफपी)।

फ्रांसीसी फुटबॉल क्लब रीम्स के चिकित्सक बर्नार्ड गोंजालेज ने कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि के बाद आत्महत्या कर ली। रीम्स क्लब ने बयान में कहा कि बर्नार्ड गोंजालेज की मौत से रीम्स को गहरा सदमा पहुंचा है। केवल क्लब ही नहीं रीम्स के सैकड़ों लोग भी इससे आहत हैं।

डॉक्टर गोंजालेज ने एक पत्र छोड़ा है जिसमें लिखा है कि उन्हें कोविड-19 से संक्रमित पाया गया है।

रीम्स के मेयर अर्नार्ड रोबिनेट ने कहा कि वह 60 वर्षीय गोंजालेज के आत्महत्या करने से वाकिफ हैं जो कि पिछले 20 साल से क्लब के साथ काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुझे बताया गया है कि डॉक्टर गोंजालेज ने एक पत्र छोड़ा है जिसमें उन्होंने लिखा है कि उन्हें कोविड-19 से संक्रमित पाया गया है। मैं सदमे में हूं क्योंकि मैं पिछले कई वर्षों से उन्हें जानता था।

भविष्य की योजनाओं को तैयार करने में लगे हैं आर्थर

कोलंबो, 6 अप्रैल (भाषा)।

श्रीलंका के कोच मिकी आर्थर कोरोना वायरस के कारण क्रिकेट से मिले विश्राम का उपयोग टीम के साथ बिताए गए पिछले तीन महीनों का आकलन और भविष्य की योजनाएं तैयार करने के लिए कर रहे हैं। कोरोना वायरस के कारण विश्व भर की खेल गतिविधियां ठप्प पड़ी हुई है। इस महामारी के कारण विश्व भर में अभी तक लगभग 70,000 लोगों की मौत हो चुकी है। ऐसे में आर्थर और उनके कोचिंग स्टाफ को आत्ममंथन का समय मिल गया है।

आर्थर ने कहा कि यह वास्तव में निराशाजनक है कि हम इंग्लैंड के खिलाफ टैस्ट शृंखला नहीं खेल पाए। मुझे लगता है कि जिंबाब्वे दौरे में हमारी टैस्ट टीम को काफी कुछ सीखने को मिला।

आर्थर ने श्रीलंका क्रिकेट से कहा कि हम इस समय का उपयोग पिछले तीन महीने के हमारे कार्यकाल का आकलन करने तथा अपने व्यक्तिगत और टीम योजनाओं को तैयार करने के लिए कर रहे हैं क्योंकि साल के आखिर में हमें अहम शृंखलाओं में भाग लेना है। उन्होंने कहा कि हम टीम की तैयारियों तथा हर प्रारूप में टीम के लिए तय किए लक्ष्यों को हासिल करने के लिए खिलाड़ियों का अपने खेल में सुधार करने और उनकी इच्छाशक्ति से बहुत खुश हैं।

विश्व भर की सरकारों के सामाजिक दूरी बनाए रखने की अपील के कारण खेल प्रतियोगिताएं नहीं चल रहीं और ऐसे में आर्थर उनका स्टाफ अपनी टीम के अलावा विदेशी टीमों के खिलाड़ियों और उनके प्रदर्शन का भी आकलन कर रहे हैं। आर्थर ने कहा कि इससे हमारे कोचिंग स्टाफ को पिछले प्रदर्शन का आकलन करने के अलावा खिलाड़ियों के लिए रणनीति, भूमिकाएं और लक्ष्य तय करने का भी मौका मिला है। हम उन विपक्षी टीमों का भी आकलन कर रहे हैं जिनके खिलाफ अगले साल तक हमें खेलना है। श्रीलंका को इंग्लैंड के खिलाफ अपनी घरेलू टैस्ट शृंखला रद्द करने लिए मजबूर होना पड़ा था।

इंग्लैंड के फुटबॉल खिलाड़ी वाकर ने पार्टी के लिए माफी मांगी

मैनचेस्टर, 6 अप्रैल (एपी)।

इंग्लैंड के फुटबॉल खिलाड़ी काइल वाकर को इंग्लिश प्रीमियर लीग की टीम मैनचेस्टर सिटी की अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कोरोना वायरस महामारी के दौरान लॉकडाउन का उल्लंघन किया था। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले सप्ताह अपने आवास पर पार्टी का आयोजन करने और इस तरह से सामाजिक दूरी बनाए रखने के सरकारी नियमों का उल्लंघन करने के लिए रविवार को माफी मांगी थी।

ब्रिटेन में अभी तीन सप्ताह का लॉकडाउन चल रहा है। वाकर ने बयान में कहा कि पिछले सप्ताह मैंने जो कुछ किया उसके लिए मैं सार्वजनिक तौर पर माफी मांगता हूं। मैं समझता हूं कि पेशेवर फुटबॉलर के तौर पर एक रोल मॉडल के रूप में मेरी कुछ जिम्मेदारियां हैं, इसलिए मैं अपने परिवार, दोस्तों, फुटबॉल क्लब, समर्थकों और जनता से माफी मांगता हूं।

ऑनलाइन ब्लिट्ज टूर्नामेंट में लिया हिस्सा **हरफनमौला** कहा इस खेल ने मुझे धैर्य सिखाया

फिर शतरंज में हाथ आजमा रहे हैं चहल

चेन्नई, 6 अप्रैल (भाषा)।

दुनिया भर के बल्लेबाजों को अपनी गुगली से हैरान परेशान करने वाले युजवेंद्र चहल देश बंदी के इन दिनों में अपने पुराने शौक शतरंज में हाथ आजमा रहे हैं। उन्होंने बाकायदा ऑनलाइन ब्लिट्ज टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है जिसका आयोजन चेस.काम कर रहा है।

चहल शतरंज केवल शौकिया तौर पर नहीं खेलते थे। वह पूर्व राष्ट्रीय अंडर-12 शतरंज चैंपियन हैं और उन्होंने विश्व युवा शतरंज चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व भी किया था। विश्व शतरंज महासंघ की वेबसाइट में भी उनका नाम शामिल है। उनकी ईएलओ रेटिंग 1956 है। भारतीय क्रिकेटर चहल ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ग्रैंडमास्टर अभिजीत गुप्ता और अंतरराष्ट्रीय मास्टर राकेश कुलकर्णी से बातचीत की।

उन्होंने कहा कि शतरंज ने मुझे संयम बरतना सिखाया। क्रिकेट में आप भले ही अच्छी गेंदबाजी कर रहे हो लेकिन आपको शायद विकेट नहीं मिलें। उन्होंने कहा कि इसी तरह एक टैस्ट मैच में आपने दिन में भले ही अच्छी गेंदबाजी की लेकिन आपको विकेट नहीं मिलते हैं। फिर भी आपको अगले दिन वापस आकर गेंदबाजी करनी होती है इसलिए आपको धैर्य बनाए रखने की जरूरत होती है। शतरंज ने इसमें मेरी काफी मदद की है। मैंने धैर्य बनाए रखकर बल्लेबाज को आउट करना सीखा।

अंडर-12 चैंपियन रह चुके हैं चहल

चहल शतरंज केवल शौकिया तौर पर नहीं खेलते थे। वह पूर्व राष्ट्रीय अंडर-12 शतरंज चैंपियन हैं और उन्होंने विश्व युवा शतरंज चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व भी किया था। विश्व शतरंज महासंघ की वेबसाइट में भी उनका नाम शामिल है। उनकी ईएलओ रेटिंग 1956 है।

चहल से शतरंज के बजाए क्रिकेट को प्राथमिकता देने के फैसले के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उनकी क्रिकेट में ज्यादा दिलचस्पी थी। भारत के लिए 52 वनडे और 42 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके चहल ने कहा कि मुझे शतरंज और क्रिकेट के बीच चयन करना था। मैंने अपने पापा से बात की और उन्होंने कहा कि तुम्हारी मर्जी है। मेरी क्रिकेट में ज्यादा दिलचस्पी थी तो मैंने इसे चुना।

अगर आइपीएल हो रहा होता तो अभी वह विराट कोहली की अगुआई वाली रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु की तरफ से खेल रहे होते लेकिन अभी वह देश बंदी के समय में परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे परिवार के साथ समय बिताने का ज्यादा समय नहीं मिलता। कई साल के बाद मैं घर पर हूं। मैं अपने परिवार के साथ समय बिता रहा हूं। यह अच्छा और नया अनुभव है। मैं देर रात सोता हूं और सुबह देर से उठता हूं और शाम में परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताता हूं।

उन्होंने कहा कि उनके आदर्श महान लेग स्पिनर शेन वार्न हैं और जब भी संभव होता है वह शतरंज देखते हैं और ऑनलाइन गेम खेलते हैं। चहल ने इंग्लैंड में 2019 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस के विकेट को अपने सर्वश्रेष्ठ विकेट में से एक करार दिया। उन्होंने कहा कि यह मेरा पहला विश्व कप था। मैंने फाफ को आउट किया जो बड़े मैच में बड़ा विकेट था।

चहल ने अपनी गेंदबाजी के बारे में कहा कि मैं भी गेंदबाजी करते हुए काफी रणनीति बनाता हूं और विकेटकीपर से चर्चा करता हूं। जैसे मैं माही भाई (महेंद्र सिंह धोनी) को बताता था कि मैं कैसे गेंदबाजी करूंगा। उन्होंने साथ ही लोगों से घर में रहने की अपील की ताकि कोरोना वायरस महामारी से निपटने में मदद मिले।

आइपीएल नहीं टी-20 विश्व कप है कमिंस की प्राथमिकता

मेलबर्न, 6 अप्रैल (भाषा)।

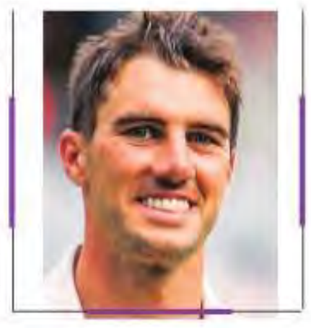

कोविड-19 महामारी के कारण दुनिया भर के अन्य खेलों की तरह क्रिकेट टूर्नामेंटों पर भी अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। ऐसे में आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) के बजाए टी-20 विश्व कप के आयोजन को अपनी प्राथमिकता में रखा है। उनकी दिली इच्छा है कि इस साल के आखिर में उनका देश इस टूर्नामेंट की मेजबानी करे।

कमिंस आइपीएल में सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ियों में शामिल हैं। पिछली नीलामी में कोलकाता नाइटराइडर्स ने उन्हें 15.50 करोड़ रुपए की मोटी कीमत देकर खरीदा था। कमिंस ने आस्ट्रेलियन एसोसिएटेड प्रेस से कहा कि पिछले दो तीन वर्षों में हमने टी-20 विश्व कप को लेकर बात की है। विश्व कप (वनडे) 2015 मेरे करिअर में विशेष महत्व रखता है जबकि मैं फाइनल में भी नहीं खेला था। मैं चाहता हूं कि इस टूर्नामेंट (टी-20 विश्व कप) का आयोजन हो।

उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इस साल का संभवतः सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। मैं चाहता हूं कि सब कुछ सही हो जाए और इस टूर्नामेंट का आयोजन हो। अगर मैं सच में लालची होता तो मुझे आइपीएल का आयोजन भी अच्छा लगेगा। आइपीएल के आयोजन को लेकर अनिश्चितता बनी हुई। उसे अभी 15 अप्रैल तक स्थगित कर दिया गया था लेकिन कोराना वायरस के विश्व स्तर पर लगातार बढ़ने के कारण इस धनाढ्य लीग के फिलहाल आयोजन की संभावना नहीं है।

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज केविन पीटरसन ने सुझाव दिया था कि आइपीएल से क्रिकेट सत्र की शुरुआत होनी चाहिए। टी-20 विश्व कप का आयोजन अक्तूबर नवंबर में आस्ट्रेलिया में होना है।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 141, *हवाई शुल्क :* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

www.readwhere.com